हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

www.ksnewsupdates.com

धनबाद, रविवार 27 जुलाई, 2025, वर्ष : 34, अंक : 122, मूल्य : 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe

Koylanchal sambad news

लोकसभा में 16 घंटे होगी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा, पीएम मोदी हो सकते हैं शामिल

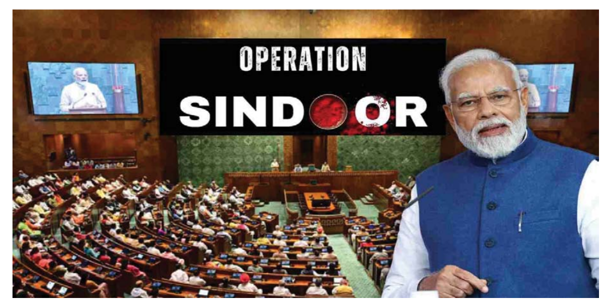

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को लेकर संसद का माहौल काफी गरम रहा। पिछले पांच दिनों से विपक्ष संसद में प्रदर्शन कर रहा है। संसद की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद नारेबाजी कर ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को लेकर मांग करने लगते हैं। हंगामा होने पर स्पीकर कार्यवाही स्थगित कर देते हैं। विपक्ष के जबरदस्त हंगामे के बाद अब 28 जुलाई को लोकसभा में इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। इस चर्चा में गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर और निशिकांत दुबे शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक इस विषय पर चर्चा में सत्तादल के वरिष्ठ सदस्यों के साथ-साथ पीएम मोदी भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा 29 जुलाई को राज्यसभा में चर्चा में पीएम मोदी शामिल हो सकते हैं। दोनों सदनों में इस विषय पर 16 घंटे की चर्चा होनी है।वहीं विपक्ष इस बात पर जोर दे रहा है कि पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान सदन में मौजूद रहें और विषय पर बोलें। इसके साथ ही विपक्ष सरकार को पहलगाम हमले में सुरक्षा चूक और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के दावे को लेकर भी चर्चा में सवाल करने की तैयारी है। इसके साथ-साथ उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे को लेकर भी सियासी घमासान छिड़ गया है। विपक्ष अब मुद्दे पर मुखर हो गया है।रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पीएम मोदी सदन के दोनों सदनों में मौजूद रह सकते हैं। हालांकि इस पर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें पीएम मोदी इन दिनों विदेश यात्रा पर बिट्रेन व मालदीव गए हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

लोहरदगा में पीएलएफआई के दो नक्सली गिरफ्तार

लोहरदगा(ईएमएस)।राज्य संपोषित योजना के तहत चल रहे सड़क मजबूतीकरण कार्य के संवेदक से लेवी वसूली करने पहुंचे पीएलएफआई (पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया) के दो नक्सलियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लोहरदगा जेल भेज दिया। पकड़े गए आरोपियों के पास से 15 हजार रुपये नगद, दो मोबाइल फोन और एक बाइक जब्त की गई है।एसडीपीओ वेदांत शंकर ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य में लगे कर्मियों से लगातार पांच लाख रुपये की लेवी मांगी जा रही थी।नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी गई थी।शनिवार को आरोपी रूपेश मुंडा (दुल्ली गांव, मैक्लुस्कीगंज) और भरत कुमार साहू (चामा रमदगा, चान्हो) बाइक से मदरसा चौक पहुंचे। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे, लेकिन पुलिस ने खदेड़कर उन्हें पकड़ा.तलाशी में नगद 15 हजार, मोबाइल और लेवी वसूली में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई।पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी रूपेश मुंडा का अपराधिक रिकॉर्ड है। उसके खिलाफ मैक्लुस्कीगंज थाना में हत्या, अपहरण, आर्म्स एक्ट, लेवी वसूली और आगजनी के कई मामले दर्ज हैं।

झारखंड भाजपा विधायक दल के मुख्य सचेतक बनाए गए नवीन जायसवाल

रांची(ईएमएस)।झारखंड भाजपा में एक महत्वपूर्ण नियुक्ति हुई है, जिसमें हटिया विधायक नवीन जायसवाल को झारखंड भाजपा विधायक दल का मुख्य सचेतक बनाया गया है। इस नियुक्ति पर उन्हें हार्दिक बधाई दी जा रही है।नवीन जायसवाल का अनुभव और संगठन निष्ठा पार्टी की आवाज़ को और मजबूत बनाएगा। वह एक अनुभवी नेता हैं जिन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।इस अवसर पर धनबाद विधायक राज सिन्हा और बगोदर विधायक नागेंद्र महतो को भी शुभकामनाएं दी जा रही हैं। इन तीनों नेताओं की नियुक्ति से झारखंड भाजपा को मजबूती मिलेगी और पार्टी की नीतियों को और प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा।भाजपा की मजबूती के लिए इन नेताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। वे पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और पार्टी को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

एक अगस्त को धनबाद आएंगी राष्ट्रपति, केंद्रीय शिक्षा मंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री भी कार्यक्रम में होंगे शामिल

धनबाद(ईएमएस)।एक अगस्त को आईआईटी आईएसएम धनबाद में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जा रहा है। बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कार्यक्रम में शामिल होंगी।कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी शामिल होंगे। कार्यक्रम में 30 से अधिक विद्यार्थियों को राष्ट्रपति के हाथों गोल्ड मेडल मिलेगा। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ सुकुमार मिश्रा ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति के प्रति आभार जताया है।

हथियार के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

रांची(ईएमएस)।रांची जिले के नगड़ी थाना क्षेत्र से अवैध हथियार के साथ एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। जिले के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि अवैध हथियार के खरीद बिक्री की सूचना मिली थी। जिसके बाद नगड़ी थाना प्रभारी के द्वारा कार्रवाई करते हुए मोहम्मद कैफ उर्फ सोनू के अपराधी को गिरफ्तार किया गया है।इसकी पास से अवैध देसी कट्टा बरामद किया गया है।इसके द्वारा इस अवैध हथियार की बेचने की तैयारी थी। गिरफ्त में आए आरोपी का पूर्व में भी अपराधिक इतिहास रहा है।

कारगिल विजय दिवस : मुख्यमंत्री हेमंत और बाबूलाल ने वीर शहीदों को किया नमन

रांची(ईएमएस)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को नमन किया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश की संप्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करने वाले वीर जांबाजों और उनके परिवारजनों को नमन करता हूं। कारगिल विजय दिवस की सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।वहीं बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि देश के जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और बलिदान के प्रतीक कारगिल विजय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर सैनिकों के प्रति देश सदैव कृतज्ञ रहेगा।

डैम में डूबने से चार युवकों की मौत

सरायकेला(ईएमएस)।जिला के खरसावां थाना क्षेत्र अंतर्गत दलाईकेला गांव में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां चेक डैम में नहाने के दौरान चार युवकों की पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान 18 वर्षीय सुनील साहू, 20 वर्षीय गौरव मंडल, 20 वर्षीय मनोज साहू और 22 वर्षीय हरिबासो दास के रूप में हुई है। चारों युवकों के शवों को सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए लाया गया।जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह लगभग नौ बजे कुल छह युवक दलाईकेला गांव के चेक डैम पर नहाने गए थे।सभी युवकों ने चेक डैम में बने कंक्रीट स्लैब पर खड़े होकर एक साथ पानी में छलांग लगाई। कुछ देर बाद दो युवक तैरकर सुरक्षित पानी से बाहर आ गए, लेकिन अन्य चार युवक पानी में ही रह गए।जब वे बाहर नहीं आए, तो उनके साथियों ने स्थानीय लोगों की मदद से उन चारों युवकों को पानी से बाहर निकाला। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। चारों की डूबने से मौत हो चुकी थी।पानी में छलांग लगाने वाले सभी चारों युवकों के सिर पर गंभीर चोट के निशान हैं।इससे आशंका जाहिर की जा रही है कि पानी में कहीं पत्थर या कंक्रीट का स्लैब अवश्य होगा, जिससे टकराने के बाद सभी युवक बेहोश हो गए और बाद में उन सभी की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया तूतीकोरिन में 4,900 करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

तमिलनाडु की भूमि पर वीरों ने स्वतंत्र और समर्थ भारत का सपना बुना था - नरेंद्र मोदी

तूतीकोरिन (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 4,900 करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन योजनाओं में नया टर्मिनल भवन, हाईवे प्रोजेक्ट, बंदरगाह, रेलवे और पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट आदि शामिल हैं। पीएम मोदी ने इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तमिलनाडु अभूतपूर्व विकास के रास्ते पर है। यह तरक्की राज्य को विकसित भारत की प्रेरक शक्ति बनाने के लिए केंद्र सरकार के संकल्प को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए चोल सम्राट राजेंद्र प्रथम के इतिहास में योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने गुलामी के दौर में समुद्र के जरिए व्यापार की ताकत को समझा। उन्होंने समंदर में स्वदेशी जहाज चलाकर विदेशियों को चुनौती दी। बता दें कि पीएम मोदी रविवार को राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती और उनकी दक्षिण-पूर्व एशिया की ऐतिहासिक समुद्री विजय यात्रा की 1000वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे तिरुवथिरई महोत्सव में हिस्सा लेंगे।

कारगिल दिवस पर वीर जवानों को, पीएम मोदी सहित कई दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,(ईएमएस)। वर्ष 1999 में भारतीय सेना के जवानों ने जो पराक्रम दिखाया था उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। आज कारगिल दिवस पर इन बहादुर जवानों को पूरा देश याद कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने भारतीय सेना के वीर जवानों के साहस और बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कारगिल युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को हराकर विजय प्राप्त की थी और यह दिन उसी गौरवशाली जीत की याद दिलाता है। नेताओं ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' के माध्यम से वीर जवानों के अदम्य साहस को नमन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, "कारगिल विजय दिवस पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। यह दिन हमें उन वीर सपूतों की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। उनका साहस और बलिदान हर पीढ़ी को प्रेरणा देता रहेगा। जय हिंद ! भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी कारगिल विजय दिवस पर भारतीय सेना के पराक्रम को सलाम किया।

हिमाचल में बारिश का कहर जारी...221 सड़कें, 36 बिजली के ट्रांसफॉर्मर और 152 जलापूर्ति योजनाएं बंद

नई दिल्ली,(ईएमएस)। इनदिनों देश के कई राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी है। देश के उत्तरी पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का कहर लगातार जारी है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के मुताबिक राज्य में शुक्रवार शाम तक 221 सड़कें, 36 बिजली के ट्रांसफॉर्मर और 152 जलापूर्ति योजनाएं बंद थीं।

हिमाचल में इस बारिश सीजन 24 जुलाई तक बादल फटने की 25, लैंडस्लाइड की 30 और अचानक बाढ़ की 42 घटनाएं हुई हैं। इसमें से 414 मकान और 297 मकान जमींदोज हो गए। वहीं, 877 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा। राज्य में अब तक 153 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 1436 करोड़ रुपए की सरकारी व निजी संपत्ति नष्ट हो चुकी हैं। वहीं मध्य प्रदेश के बालाघाट में लांजी के प्रसिद्ध भगवान कोटेश्वर मंदिर के गर्भगृह में पानी भर गया। शनिवार सुबह से हो रही बारिश के कारण मंदिर जाने वाले रास्ते पर काशीनाला पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। इसके बावजूद लोग मंदिर पहुंच रहे हैं। सुरक्षा को देखते हुए मंदिर के गेट को बंद कर दिया गया है।

मध्यप्रदेश से सटे महाराष्ट्र के पालघर जिले में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इससे जिले की नदियां और नहरें उफान पर हैं। सूर्या, वैतरणा और पिंजल नदी में बाढ़ आई हुई है। बांधों का जलस्तर भी बढ़ा हुआ है। धामनी और कवदास बांध से सूर्या नदी में 10 हजार 400 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। मौसम विभाग ने पालघर में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

ईडी ने अनिल अंबानी की कंपनियों पर कसा शिकंजा

मुंबई। अनिल अंबानी और उनके रिलायंस समूह से जुड़ी कंपनियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। ईडी ने अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ 24 जुलाई को छापेमारी शुरू की थी, जो शनिवार को समाप्त हो गई। सूत्रों ने बताया कि अनिल अंबानी की कंपनियों से जुड़े कई परिसरों की गहन तलाशी ली गई और जांचकर्ताओं ने मुंबई और दिल्ली के कई स्थानों से भारी संख्या में दस्तावेज, हार्ड ड्राइव और अन्य डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किए हैं। सूत्रों ने बताया कि एजेंसी ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े 35 से ज्यादा परिसरों में छापेमारी की, जिसमें करीब 50 कंपनियां और 25 व्यक्ति शामिल थे।

एसिड अटैक : मुख्यमंत्री गंभीर, आरोपी को तत्काल गिरफ्तार करे रांची पुलिस

रांची : रातू में 18 वर्षीय लड़की पर हुए एसिड अटैक मामले को सीएम हेमंत सोरेन ने गंभीरता से लिया है. उन्होंने रांची पुलिस को निर्देश दिया है कि मामले की जांच कर आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी कर सूचित करें. साथ ही बेटी को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करवाते हुए भी सूचित करें. बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी को भी निर्देश दिया है. स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा है कि जिला प्रशासन से मेरी बात हुई है. पीड़िता को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, वह अब सुरक्षित है. चिकित्सकों से हुई मेरी बातचीत के अनुसार, प्रारंभिक जांच में एसिड अटैक की पुष्टि नहीं हुई है. मैंने प्रशासन को निर्देश दिया है कि मामले की पूरी छानबीन कर दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए. बेटी को न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता है.

गजपति राजू ने गोवा के राज्यपाल पद की शपथ ली

पणजी,(ईएमएस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री अशोक गजपति राजू ने शनिवार को गोवा के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण की। उन्होंने पी.एस. श्रीधरन पिल्लई का स्थान लिया है। राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आलोक अराधे ने उन्हें शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। यहां बताते चलें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 14 जुलाई को अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया था। वे राज्य के 20वें राज्यपाल बने हैं। वे केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री रह चुके हैं। उन्हें आंध्र प्रदेश विधानसभा के सदस्य के रूप में 25 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे 13 वर्ष तक राज्य मंत्री रहे। शपथ लेने के बाद राज्यपाल गजपति राजू ने कहा, कि मैं भारत के संविधान का पालन करते हुए जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हूं।

लोकसभा में बेहतर काम के लिए मिला सम्मान संसद रत्न पुरस्कार से नवाजे गए 17 सांसद

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 17 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। इनमें एनसीपी शरद गुट की सुप्रिया सुले, भाजपा के रवि किशन और निशिकांत दुबे और शिवसेना यूबीटी के अरविंद सावंत का नाम शामिल है। संसद रत्न बनने वाले सांसदों में सबसे ज्यादा 7 सांसद महाराष्ट्र से हैं। इनके अलावा 4 स्पेशल जूरी अवॉर्ड भी शामिल हैं। इनमें भाजपा के भर्तृहरि महताब, क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी के एनके प्रेमचंद्रन, एनसीपी शरद गुट की सुप्रिया सुले और शिवसेना के श्रीरंग अप्पा बार्ने शामिल हैं। इन सभी ने 16वीं लोकसभा के बाद से लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा है।

सांसद जिन्हें संसद रत्न चुना गया बाकी सांसदों में भाजपा की स्मिता उदय वाघ, शिवसेना के नरेश म्हस्के, कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़, भाजपा की मेधा कुलकर्णी, प्रवीण पटेल, विद्युत बरन महतो और दिलीप सैकिया भी शामिल हैं। सांसद एनके प्रेमचंद्रन को 5वीं बार संसद रत्न अवॉर्ड मिला है। कमेटी कैटेगरी में, भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली वित्त संबंधी स्थायी समिति और डॉ. चरणजीत सिंह चन्नी (कांग्रेस) की अध्यक्षता वाली कृषि संबंधी स्थायी समिति को उनकी रिपोर्टों की गुणवत्ता और विधायी निगरानी में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

भारी बारिश में पुल की रेलिंग टूटी, लोध फॉल पर्यटकों के लिए बंद

लातेहारः भारी बारिश के कारण लातेहार जिला स्थित झारखंड के सबसे ऊंचे जलप्रपात लोध फॉल को अगले कुछ दिनों के लिए बंद कर दिया गया है. बारिश के चलते क्षेत्र में जलभराव की स्थिति है. पर्यटकों के लिए आवागमन के रास्ते सुरक्षित नहीं हैं. इसे देखते हुए पर्यटक मित्र कर्मचारियों ने लोगों से दो से चार दिनों तक लोध फॉल की यात्रा टालने की अपील की है. पर्यटक मित्र अशोक व मनबहाल ने बताया कि भारी बारिश के कारण लोध फॉल क्षेत्र पूरी तरह पानी से डूब गया है. फॉल तक जाने वाले पुल की रेलिंग टूट गई है. इससे वहां पहुंचना खतरे से खाली नहीं है. लोध फॉल के रास्ते में बहने वाली नदी और नाले में बाढ़ का पानी तेजी से बढ़ रहा है, जिसके कारण आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है. रेलिंग की मरम्मत और बारिश के थमने तक लोध फॉल के मेन गेट को बंद रखने का निर्णय लिया गया है. स्थिति सामान्य होने पर आधिकारिक माध्यम से पर्यटकों को सूचित किया जाएगा. स्थानीय प्रशासन ने भी स्थिति की गंभीरता को देखते हुए लोगों से सतर्कता बरतने और फॉल की यात्रा टालने की सलाह दी है.

गुमला में पुलिस को मिली बड़ी सफलता, जेजेएमपी के तीन उग्रवादी ढेर, हथियार बरामद

गुमला(ईएमएस)। गुमला जिले में जेजेएमपी उग्रवादी संगठन के साथ पुलिस की मुठभेड़ में तीन उग्रवादी मारे गए हैं। यह घटना शनिवार की सुबह घाघरा थाना क्षेत्र के लावादाग जंगल में हुई।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद सर्च अभियान चलाया और तीनों उग्रवादियों के शव बरामद कर लिए। उनके पास से एक एके-47 और दो इंसास राइफल भी बरामद हुई हैं।गुमला एसपी हरीश बिन जमा ने बताया कि जेजेएमपी के सब जोनल कमांडर दिलीप लोहरा के दस्ते के साथ मुठभेड़ हुई, जिसमें तीन उग्रवादी मारे गए।

मारे गए उग्रवादियों में से एक की पहचान दिलीप लोहरा के रूप में हुई है, जबकि अन्य दो की पहचान की जा रही है।पुलिस ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी के कमांडर दिलीप लोहरा दस्ते के साथ इस क्षेत्र में मौजूद हैं।झारखंड जगुआर और गुमला पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ में तीन उग्रवादियों को मार गिराया।पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के बाद इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है और मारे गए उग्रवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है।झारखंड में नक्सली गतिविधियाँ बढ़ी हैं और पुलिस लगातार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चला रही है।हाल ही में लातेहार में भी नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हुई थी, जिसमें कई नक्सली मारे गए थे।इधर रांची में राज्य के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे हैं अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में पुलिस नक्सलियों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करेगी।

विधायक राज सिन्हा बने सचेतक

धनबाद । विधायक राज सिन्हा को झारखंड विधानसभा में विपक्षी दल भाजपा का सचेतक बनाए जाने पर शनिवार को धनबाद में उत्सव जैसा माहौल देखा गया। जगजीवन नगर स्थित विधायक के आवासीय कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने खूब जश्न मनाया।आतिशबाजी की और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। पार्टी नेताओं ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के इस फैसले से धनबाद जिले की प्रतिष्ठा बढ़ी है। राज सिन्हा जिले के विकास में लगातार सक्रिय रहे हैं।उनके सचेतक बनने से धनबाद की आवाज विधानसभा में और मजबूती से गूंजेगी।विधायक राज सिन्हा ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि यह उनके लिए गर्व और जिम्मेदारी का विषय है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व प्रदेश नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह इस विश्वास पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

जिला उपायुक्त, रामनिवास यादव ने लंगटा बाबा कॉलेज का औचक निरीक्षण किया, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

गिरिडीह, 26 जुलाई 2025:- बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव के द्वारा विभिन्न विद्यालयों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं और सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव जमुआ प्रखंड के मिर्जागंज स्थित लंगटा बाबा कॉलेज पहुंचे, जहां उपायुक्त ने शैक्षणिक गतिविधियां, कॉलेज में शिक्षकों और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, स्वच्छता और सुरक्षा, नामांकन, साफ-सफाई और आधारभूत संरचनाओं की स्थिति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने डीटीपी पंजी, रजिस्टर पंजी, कैश बुक आदि का अवलोकन किया और रजिस्टर पंजी को नियमित रूप से संधारित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उपायुक्त ने पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कार्यालय कक्ष, स्टडी रूम आदि का भी जायजा लिया। उन्होंने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का निर्देश अधिकारियों को दिया। इसके अलावा स्मार्ट क्लास, साइंस लैब और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया एवं संबंधित अधिकारियों

को सख्त निर्देशित किया कि पारदर्शी तरीके से कॉलेज का संचालन सुनिश्चित करें। तिसरी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में क्रियान्वित विकास योजनाओं का निरीक्षण किया, प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए... इसके अलावा उपायुक्त ने तिसरी प्रखंड अंतर्गत संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का निरीक्षण किया। खिजुरी पंचायत में मनरेगा अंतर्गत संचालित बागवानी कार्यों का निरीक्षण किया। स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुना और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया और लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। इसके उपरांत मनरेगा अंतर्गत संचालित कुआं का निरीक्षण किया, कुआं के माध्यम से ग्रामीणों को सिंचाई की सुविधा का अवलोकन किया तथा स्पष्ट निर्देशित किया कि सिंचाई की सुविधा मिलें, संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने कुआं का पानी पीकर पानी की गुणवत्ता की जांच की। इसके अलावा उपायुक्त ने ग्रामीणों से मिलकर उन्हें मिल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बुजुर्ग से मिलकर उन्हें वृद्धा पेंशन मिल रही है या नहीं, इसकी जानकारी ली तथा अन्य सरकारी योजनाओं से आच्छादित करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत किसानों द्वारा की गई मिर्ची की खेती का भी जायजा लिया और मिर्ची के उत्पादन और उनसे होने वाले लाभ की भी जानकारी ली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, तिसरी का निरीक्षण, स्वास्थ्य सुविधाओं पर जोर, आमजनों की चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना प्राथमिकता:- उपायुक्त... इसके अलावा उपायुक्त ने स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तिसरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया, कहा कि आमजनों को सुगम स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकों की उपस्थिति, रजिस्टर पंजी, आयुष्मान वार्ड, इमरजेंसी वार्ड समेत अन्य वार्डो का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी, तिसरी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, रोजगार सेवक, जेई, एई समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

जिला उपायुक्त, रामनिवास यादव ने मूंगफली की खेती, धान की रोपाई, पानी टंकी और डीप बोरिंग का निरीक्षण किया, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

गिरिडीह, 26 जुलाई 2025:- आज गिरिडीह जिले के जीतपुर पंचायत अंतर्गत पहाड़पुर ग्राम में मूंगफली की खेती का निरीक्षण किया। साथ ही बीज की उपलब्धता और गुणवत्ता की जानकारी ली। किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना एवं कृषि विभाग को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। इसके अलावा धान रोपनी कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान धान की रोपाई के लिए आवश्यक बीज और अन्य सामग्री किसानों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने खेतों में पहुंचकर किसानों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उपायुक्त ने धान रोपनी एवं बीज वितरण की स्थिति की जानकारी ली तथा पर्याप्त मात्रा में बीज की उपलब्धता और उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि, किसानों की समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन गंभीर है। उन्होंने बीज विक्रेताओं पर सतत निगरानी रखते हुए बीज की कालाबाजारी या अनियमितता पर त्वरित कार्रवाई करने को कहा। इसके अलावा पानी टंकी की स्थिति और डीप बोरिंग को सुचारू रूप संचालित करने के निर्देश दिए। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी, कृषि मैनेजर, कृषि विज्ञान केंद्र, उपनिदेशक आत्मा समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

महिला कांग्रेस के संगठन सृजन और सावन मिलन समारोह में शामिल हुई शिल्पी नेहा तिर्की

रांची(ईएमएस)।झारखंड महिला कांग्रेस के संगठन सृजन कार्यक्रम एवं सावन मिलन समारोह में शनिवार को राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुई। इस मौके पर राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष गुंजन सिंह सहित महिला कांग्रेस की प्रदेश पदाधिकारी और नेत्री मौजूद रहीं। सावन का महीना महिलाओं के लिए विशेष होता है।इस अवसर पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि जब भी आधी आबादी को सम्मान देने की बात होती है कांग्रेस का नाम सबसे पहले लिया जाता है।कांग्रेस ने हमेशा से ही महिलाओं का सम्मान किया है। झारखंड में कांग्रेस कोटे के चार मंत्री पद में से दो महिला मंत्री का होना इसका सबसे बड़ा प्रमाण है।उन्होंने कहा कि जब महिलाएं पुरुषों से बराबरी की बात करती हैं जब पुरुषों के साथ कदम ताल करने का दंभ भरती है तो उन्हें संगठन के मोर्चे पर भी अपनी ताकत का अहसास कराना होगा। राज्य में इस वक्त कांग्रेस का संगठन सृजन का कार्यक्रम चल रहा है। जब प्रदेश से लेकर ग्राम स्तर तक संगठन की मजबूती की कवायद चल रही है तब महिलाओं को संगठन में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी।महिलाओं की संगठन में भागीदारी से ही राजनीति में हिस्सेदारी भी बढ़ेगी। मंत्री ने कहा कि समाज में महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय,अत्याचार और दुर्व्यवहार के खिलाफ महिलाओं को ही आवाज बुलंद करना होगा। एक महिला ही दूसरी महिला की ताकत है इस बात को समझना होगा।आज राज्य में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की कई योजनाएं चल रही है।महिला समूह को भूमि संरक्षण विभाग से ट्रैक्टर का वितरण किया जा रहा है। इसका लाभ लेने के लिए महिलाओं को आगे बढ़ कर पहल करने की जरूरत है।

सरकारी की योजनाओं के प्रति जागरूकता जरूरी : शिल्पी नेहा तिर्की

रांची(ईएमएस)।मांडर प्रखंड कार्यालय परिसर में राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सड़क दुर्घटना,प्राकृतिक आपदा के आश्रितों के बीच मुआवजा राशि का वितरण किया।इस मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने 131 छात्राओं के बीच साइकल, 15 लाभुकों के बीच अबुआ आवास योजना का गृह प्रवेश के लिए चाबी और सोना सोबरन धोती साड़ी योजना के लाभुकों के बीच वस्त्र भी वितरित किया।आपदा प्रबंधन विभाग के द्वारा साल 2023 से 2024 के बीच सड़क दुर्घटना,पानी में डूबने और सर्पदंश से हुई मौत का मुआवजा राशि का वितरण किया गया है।सड़क दुर्घटना में मृतक के आश्रितों को 1 लाख रुपए और पानी में डूबने एवं सर्पदंश के मृतकों के आश्रितों को 4 लाख रुपए राशि दी गई। घर से स्कूल तक पहुंचने के लिए कल्याण विभाग के द्वारा दी गई साइकल को पाकर छात्राओं के चेहरे पर खुशी देखने लायक थी। इस मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि हेमंत सोरेन कैबिनेट में वो जरूर कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री है,पर मांडर के प्रति उनकी जवाबदेही पहले की तरह ही है।उन्होंने कहा कि अपनो के बीच आ कर काम करना अच्छा लगता है।मंत्री ने कहा कि आज राजनीति में जितनी दूरी भी तय कर पाई हूं या जिस मुकाम तक पहुंची हूं।ये सबकुछ मांडर की जनता के आशीर्वाद से ही संभव हो पाया है।राज्य में गठबंधन वाली सरकार ने हर वर्ग हर समाज हर तबके के लिए कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रखा है। जरूरत है तो सिर्फ योजनाओं के प्रति आम जनता को जागरूक होने की।आम जनता को सिर्फ को सरकार की योजनाओं से जुड़ने के लिए बिचौलियों से बचने की जरूरत है। अक्सर ये बात सामने आती है कि योजना के नाम पर किसी ने गांव के भोले भाले लोगों से पैसा ले लिया या ऑन लाइन पैसा डलवा लिया। मंत्री ने कहा कि योजना पाने के लिए लाभुक को सिर्फ अपना अंशदान का भुगतान एस्क्रो एकाउंट से करना है।मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि चुनाव के वक्त दूसरे दलों के लोग धर्म की राजनीति करते है।

राष्ट्रपति के दौरे को लेकर डीसी ने की बैठक, सभी विभागों को समन्वय स्थापित करते हुए तैयारी पूर्ण करने का निर्देश

रांची(ईएमएस)।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 31 जुलाई एवं 1 अगस्त को प्रस्तावित परिभ्रमण कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा समाहरणालय सभागार में जिलास्तरीय पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। बैठक में राष्ट्रपति दौरे की तैयारी, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वागत-सत्कार एवं कार्यक्रम स्थलों की व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई।उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने संबंधित विभागों को उनके कार्यों की स्पष्ट जिम्मेदारी देते हुए कहा कि राष्ट्रपति महोदया का दौरा त्रुटिरहित तरीके से संपन्न होना चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय स्थापित करते हुए तैयारी पूर्ण करने का निर्देश दिया।बैठक में उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा रांची में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों एवं अन्य संभावित स्थलों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने साफ-सफाई, सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, अग्निशमन, स्वास्थ्य सुविधा, पेयजल, शौचालय, पार्किंग व्यवस्था आदि सभी बिंदुओं पर विभागवार समीक्षा की। रुटलाइन में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश उपायुक्त द्वारा दिया गया। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति के प्रस्तावित परिभ्रमण हेतु सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन सजगता एवं संवेदनशीलता के साथ करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तैयारियों की लगातार समीक्षा की जाएगी और कार्यों की प्रगति पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक रांची चंदन कुमार सिन्हा, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक, अनुमंडल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार, पुलिस अधीक्षक, यातायात कैलाश करमाली, सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, जिला नजरत उपसमाहर्ता सुदेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, योजना पदाधिकारी सहित पेयजल, सड़क, बिजली, अग्निशमन एवं अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

हथियार के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

रांची(ईएमएस)।रांची जिले के नगड़ी थाना क्षेत्र से अवैध हथियार के साथ एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। जिले के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि अवैध हथियार के खरीद बिक्री की सूचना मिली थी। जिसके बाद नगड़ी थाना प्रभारी के द्वारा कार्रवाई करते हुए मोहम्मद कैफ उर्फ सोनू के अपराधी को गिरफ्तार किया गया है।इसकी पास से अवैध देसी कट्टा बरामद किया गया है।इसके द्वारा इस अवैध हथियार की बेचने की तैयारी थी। गिरफ्त में आए आरोपी का पूर्व में भी अपराधिक इतिहास रहा है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, धनबाद

(गुमशुदा का सूचना)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गुमशुदा लडकी कोयल बाउरी, पिता कानाई बाउरी, सा0–बाथान बाड़ी, थाना चिरकुण्डा, जिला धनबाद, उम्र–करीब 18 वर्ष, लम्बाई 05 फीट, रंग गोरा, बाल काला लम्बा, पहनावा–गुलाबी कुर्ता, हरा सलवार एवं गलाबी चप्पल पहने हुए है।

इस संबंध में चिरकुण्डा थाना सन्हा संख्या–16/25, दिनांक 20.07.25 अंकित कर खोजबीन की जा रही है। अतः आप सभी से अनुरोध है कि उक्त गुमशुदा के बारे में कोई जानकारी प्राप्त हो, तो कृपया निम्नांकित नंबर पर सूचित करने की कृपा की जाय।

0326–2220802 (वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय, धनबाद)
094317–06373 (अनु0पु0पदा0 निरसा, धनबाद)
94317–06403 (थाना प्रभारी, चिरकुण्डा, धनबाद)

वरीय पुलिस अधीक्षक,
धनबाद

PR 358322 Police(25-26).D

सैनिक है तो देश और देशवासी हैं सुरक्षितः मनोज पांसी

एनवाईके और गिरिडीह मानव सेवा

संस्थान फाउंडेशन ने अकदोनीकला में मनाया कारगिल विजय दिवस किया पौधा रोपण, लगाए गए फलदार वृक्ष

गिरिडीह। नेहरू युवा केंद्र और गिरिडीह मानव सेवा संस्थान फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को अकदोनी कला के पंचायत भवन में कारगिल विजय दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रकाश श्रीवास्तव व संचालन सचिव जगजीत सिंह बग्गा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय मुखिया मनोज पांसी मौजूद थे। इस दौरान फाउंडेशन के पदाधिकारी व सदस्यों के द्वारा मुखिया व अन्य पंचायत प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। इस दौरान मुखिया मनोज पांसी ने कहा कि आज हम कारगिल दिवस में शहीद हुए जवानों की याद में कारगिल विजय दिवस मनाने के लिए जुटे हुए हैं। कहा कि कारगिल में जवानों ने पाकिस्तान के छक्के छुड़ाकर विजय प्राप्त की थी। इसको लेकर ही कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। कहा कि सैनिक हैं तो देश और देशवासी सुरक्षित हैं। कहा कि हमें देश के जवानों का सम्मान करना चाहिए। फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि वीर शहीदों की गाथा को हमे आत्मसात करना चाहिए। कहा कि देश के सच्चे हीरो वो सैनिक हैं जो देश की सुरक्षा के लिए अपनी जान हथेली में रख कर चलते हैं। मौके पर पंसस प्रतिनिधि नवीन कुमार, वार्ड सदस्य राकेश यादव, पूर्व मुखिया मनोज शर्मा, हेमंत शर्मा, विशाल कुमार, बीएफटी अंजू कुमारी, भुवनेश्वर ठाकुर, रामकिशुन, देवकुमार दास, प्यारी गोप, शिवकांत पांडेय, फाउंडेशन के सक्रिय सदस्य पवन कुमार समेत कई लोग मौजूद थे।

कार्यालय जिला शिक्षा अधीक्षक, जामताड़ा
(जिला स्तरीय मध्याह्न भोजन कोषांग, जामताड़ा)

अल्पकालीन निविदा संख्या–एम.डी.एम–02/2025–26

आवश्यक सूचना

जामताड़ा जिला अन्तर्गत स्कूल स्टेप डिलीवरी योजना के तहत प्रखण्ड स्तरीय राज्य खाद्य निगम गोदाम से विद्यालयों तक खाद्यान्न (चावल, दाल एवं अन्य सामग्री) पहुँचाने हेतु प्रखण्डवार परिवहन–सह–हथालन अभिकर्ता नियुक्ति हेतु दिनांक 10.07.2025 के अपराह्न 01:00 बजे तक जिले के सभी प्रखण्डों के लिये निहित शर्तों के अनुसार अल्पकालीन निविदा संख्या–एम.डी.एम–01/2025–26 एवं PR No. 355960 द्वारा निविदा प्राप्त किये जाने संबंधी विज्ञापन (सूचना) प्रकाशित किया गया था। निविदा की प्रक्रिया पूर्ण नहीं होने के फलस्वरूप निस्तारण समिति ने निविदा पूर्व की भाँति नये सिरे से डालने का अवधि विस्तार करने का निर्णय लिया गया।

निस्तारण समिति के द्वारा निर्णयोपरांत प्रखण्डवार परिवहन–सह–हथालन अभिकर्ता नियुक्ति हेतु दिनांक 31.07.2025 के मध्याह्न 12:00 बजे तक जिले के सभी प्रखण्डों के लिये निहित शर्तों के अनुसार अल्पकालीन निविदा जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय जामताड़ा में प्राप्त की जायेगी एवं उसी दिन अपराह्न 03:00 बजे उपायुक्त के कार्यालय प्रकोष्ठ में निविदा खोली जायेगी। निविदा के नियम एवं शर्तें पूर्ववत रहेगी। निविदा से संबंधित जानकारी जिले के वेबसाईट www.jamtara.nic.in पर देखी जा सकती है।

जिला शिक्षा अधीक्षक
जामताड़ा

PR 358262 District (25-26)_D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह
(जिला ग्रामीण विकास शाखा)
Email ID- (drdagiridih@yahoo.co.in)

–:: आम सूचना ::–

मनरेगा अन्तर्गत संविदा अधारित पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन संख्या–01/2023–24 के ज्ञापांक–1812/अभि, गिरिडीह दिनांक 29.09.2023 एवं विज्ञापन संख्या–02/ 2023–24 के ज्ञापांक–1813/अभि0, गिरिडीह दिनांक 29.09.2023 के द्वारा प्रकाशित विज्ञापन के संबंध में कहना है कि कतिपय आवेदकों द्वारा Online आवेदन करते समय अतिरिक्त योग्यता के रूप में किसी विषय में स्नात्तक/स्नातकोत्तर के अलावा PGDCA/PGDBA/PGDBM/PGDRD/MCA/ B.Sc. (Computer Science)/M.Sc. (Computer Science) में से एक से अधिक अतिरिक्त शैक्षणिक योग्यता का अंक–पत्रक/प्रमाण–पत्र Upload किया गया है। प्रकाशित विज्ञापन की शर्तों के अनुरूप मेधा सूची में किसी एक अतिरिक्त योग्यता के प्राप्तांक प्रतिशत को शामिल किया जाना है। फलस्वरूप संबंधित आवेदकों के मेधा सूची निर्धारण में कठिनाई उत्पन्न हो रही है।

अतः इस सूचना के माध्यम से सभी संबंधित को सूचित किया जाता है कि यदि किसी अभ्यर्थी के द्वारा एक से अधिक अतिरिक्त योग्यता के अंक पत्रक/प्रमाण–पत्रों को विभागीय वेबसाईट के माध्यम से आवेदन करते समय Upload किया गया है, तो वैसे आवेदक इस सूचना प्रकाशन के उपरान्त दिनांक 12.08.2025 तक कार्यालय अवधि के दौरान जिला ग्रामीण विकास शाखा, गिरिडीह में, किस अतिरिक्त शैक्षणिक योग्यता के प्राप्तांक प्रतिशत को मेधा सूची निर्धारण करने हेतु प्रयुक्त किया जाय, से संबंधित स्व–घोशणा पत्र समर्पित कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के उपरान्त स्व–घोशणा पत्र को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उप विकास आयुक्त–सह–
अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक,
गिरिडीह

उपायुक्त–सह–
जिला कार्यक्रम समन्वयक,
गिरिडीह

PR 358321 (Rural Development)25-26*D

उपायुक्त ने किया चलकुशा प्रखंड का दौरा, विभिन्न विकास योजनाओं का लिया जायजा

हजारीबाग(ईएमएस)।हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने शनिवार को चलकुशा प्रखंड का दौरा कर विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उपायुक्त ने पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल द्वारा संचालित ग्रामीण जलापूर्ति योजना की समीक्षा की और जलापूर्ति की सतत व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।उन्होंने चलकुशा के सुदूरवर्ती गांवों में आम बागवानी एवं दीदी बाड़ी योजनाओं का भी निरीक्षण किया।बीडीओ को निर्देशित किया कि और अधिक महिला समूहों का गठन कर इन्हें इन योजनाओं से जोड़ा जाए, जिससे महिला सशक्तिकरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके। संचालित योजनाओं का निरीक्षण करते हुए मानव सृजन दिवस के क्रियान्वयन की जानकारी ली तथा मनरेगा योजनाओं से संबंधित विवरण स्पष्ट रूप से बोर्ड पर अंकित करने का निर्देश दिया।बरसात के कारण क्षतिग्रस्त हुए आवासों का भी आकलन किया गया.उपायुक्त ने क्षति का त्वरित सर्वेक्षण कर पीड़ित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया कई अस्पतालों के औचक निरीक्षण,पाई गईं खामियां

धनबाद(ईएमएस)।पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने असर्फी अस्पताल सहित कई अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया। बताया जाता है कि आयुष्मान में गड़बड़ी मिलने की सूचना पर टीम असर्फी अस्पताल सहित कई अस्पतालों में जांच किया।

e-Proccurement Cell
ENERGY DEPARTMENT
GOVT.OF JHARKHAND
Electrical Executive Engineer
Electric Works Division, Dhanbad

e- Procurement cell

Short E-Tender Reference No- Energy/EWD/Dhanbad/**09/2025-26**

Sl. No	Name of work	Estimated Cost (Rs)	Tender Fee (BID Document Fee)	Bid Security (EMD Fee 2%)	Completion Date
1	Provision of LED Security / Garden / Gate light in the campus and Security Light in Different Building of ITI Bokaro.	19,19,175.00	5000.00	38500.00	30 days
2	Provision of High Bay Light & Earthing Connection in the Workshop of ITI Bokaro.	13,25,454.00	2500.00	27000.00	30 days
3	A/A/R to EI in New Administrative Building (DVC Bld.) of Govt ITI Bokaro.	13,45,863.00	2500.00	27000.00	30 days
4	Provision of L.E.D highbay light and Ceiling fan in the workshop no-1 &2 of ITI Dhanbad	12,00,071.00	2500.00	24500.00	30 days
5	Replacement of Overhead L.T wire into Underground Aluminium Armoured cable and and Providing outdoor feeder Work shop and Hostels at ITI, Dhanbad.	10,99,061.00	2500.00	22000.00	30 days
6	Provision of LED security light on different Building and Hostels Govt. of ITI Dhanbad.	13,73,134.00	2500.00	28000.00	30 days
7	Date of Publication of tender on website	06.08.2025			
8	Online bid submission period	From 07.08.2025 at 10:30 am to 12.08.2025 at 2:00 pm			
9	Technical Bid Opening Date	13.08.2025 at 3:00 pm			
10	Name and address of the office inviting tender	Electrical Executive Engineer, Electric Works Division, Dhanbad			
11	Contact no. of Procurement officer	0326-2311382			
12	Helpline number of e- Procurement cell	0651-2490069			

Note- Only online tender will be accepted.
Any change in B.O.Q can be see on website http://jharkhandtenders.gov.in
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Electrical Executive Engineer
Electric Works Division, Dhanbad

PR 358292 Energy (25-26)_D

संक्षिप्त ख़बरें

झामुमो जिला समिति द्वारा एक दिवसीय बैठक का आयोजन

दुमकाःविधायक बसंत सोरेन के निर्देशानुसार दुमका झामुमो जिला समिति द्वारा एक दिवसीय बैठक सिटी गार्डन में जिला अध्यक्ष शिव कुमार बास्की की अध्यक्षता में की गई।इसमें मुख्य अतिथि के रूप में दुमका जामा विधायक डॉ लुईस मरांडी एवं शिकारीपाड़ा विधायक आलोक कुमार सोरेन जी एवं जिला परिषद अध्यक्ष जोएस बेसरा उपस्थित रहे,इनके अलावा बैठक में जिला सचिव निशित वरन गोलदार,जिला उपाध्यक्ष भैरव दत्ता,जिला प्रवक्ता अब्दुश सलाम अंसारी,चंदन भुवानियां,कादिर राजा,सत्तार खान, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता मरांडी, सचिव सबिता टुडू,जिला के सभी प्रखंड से आए हुए अध्यक्ष /सचिव एवं सैकड़ों सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद थे। इस बैठक में संगठन का मजबूती , सदस्यता अभियान को लेकर , सभी प्रखंड कमिटी /महिला मोर्चा का विस्तार को लेकर एवं एक मुट्ठी चावल और दस नंबर खाता का अभियान अविलंब शुरू करने पर विशेष चर्चा की गई।साथ ही इस बैठक में सभी ने एक स्वर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के स्वस्थ को लेकर ईश्वर से प्रार्थना किया कि गुरुजी जल्द स्वस्थ होकर हमारे बीच लौट आए और मार्ग दर्शन करें।

मासिक लोक अदालत में 28 वादों का निष्पादन के साथ दो लाख से अधिक की राशि का किया गया समझौता

दुमकाःजिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका के तत्वाधान में व्यवहार न्यायालय के न्याय सदन में प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका शत्रुंजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 02 बेंचो का गठन किया गया। मासिक लोक अदालत में न्यायालय में लंबित वादों के अलावा दुमका जिला में स्थित विभिन्न विभागों के फौजदारी संबंधी मामलों का आपसी सुलह समझौता के आधार पर निपटारा किया गया। जिसके लिए दो बेंचो का गठन कर कुल 28 वादों का निष्पादन के साथ साथ 2,11,270/- रुपए का समझौता किया गया ।

जिला स्तरीय साइकिल वितरण अनुमोदन में 20890 छात्र- छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण की स्वीकृति

दुमकाः जिला स्तरीय साइकिल वितरण अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने की। बैठक में जिले के संबंधित पदाधिकारियों द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कक्षा-8 में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक व पिछड़ा वर्ग के पात्र छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण हेतु अनुमोदित सूची प्रस्तुत की गई।आदिवासी कल्याण आयुक्त, झारखंड, रांची के पत्र के आलोक में प्राप्त सूची का प्रखंडवार गहन परीक्षण किया गया। कुल 20890 छात्र/छात्राओं के नाम को अनुमोदन प्राप्त हुआ, जिसमें दुमका जिला के सभी प्रखंडों से पात्र विद्यार्थियों की संस्तुति की गई।जिसमें 11,200 छात्रों एवं 9690 छात्राओं के बीच साइकल का वितरण किया जाएगा। इसमें सर्वाधिक शिकारीपाड़ा में (3428), रामगढ़ में (3062), काठीकुंड में (2862) साइकिल का वितरण किया जाएगा।इसके अतिरिक्त, प्रखंड विकास पदाधिकारी, जामा द्वारा 2023-24 एवं 2024-25 के लिए छूट हुए कुल 17 छात्र/छात्राओं की सूची को भी अनुमोदन प्राप्त हुआ।बैठक में उपायुक्त ने सभी प्रखंडों को निर्देश दिया कि साइकिल वितरण की प्रक्रिया पारदर्शी, समयबद्ध और नियमबद्ध ढंग से सुनिश्चित की जाए, ताकि पात्र विद्यार्थियों को समय पर लाभ मिल सके।

जेपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाली आदिम जनजातीय समुदाय की बबीता कुमारी ने की उपायुक्त से शिष्टाचार भेंट

दुमकाःझारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा-2023 में 337वां रैंक प्राप्त कर चयनित हुई बबीता कुमारी ने उपायुक्त अभिजीत सिन्हा से शिष्टाचार भेंट की।आदिम जनजातीय समुदाय से आने वाली बबीता कुमारी दुमका प्रखंड के आसनसोल पंचायत की रहने वाली हैं। इस अवसर पर उपायुक्त ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनकी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिले के लिए गर्व की बात है।उपायुक्त ने कहा कि बबीता की सफलता विशेष रूप से आदिवासी एवं वंचित समुदायों से आने वाले युवाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत है। यह सिद्ध करता है कि निरंतर परिश्रम, समर्पण और संकल्प से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।बबीता कुमारी ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और कठिन मेहनत को देते हुए कहा कि वे प्रशासनिक सेवा के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी सेवा पहुँचाना चाहती हैं।उपायुक्त ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं और विश्वास जताया कि वे प्रशासनिक कार्यों में समर्पण और संवेदनशीलता के साथ कार्य करेंगी।

दो दिवसीय सावन महोत्सव मेहंदी प्रतियोगिता के साथ सम्पन्न

दुमकाःलायंस क्लब दुमका संथाल परगना द्वारा आयोजित दो दिवसीय सावन महोत्सव का शनिवार को मेहंदी प्रतियोगिता के साथ समापन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कारगिल में शहीद वीर जवानों को नमन कर एवं उनकी वीर गाथा पर प्रकाश डालकर किया गया।कार्यक्रम के एक दिन पूर्व 25 जुलाई को दुमका शहर के विभिन्न विद्यालयों के बाल वर्ग के बच्चों के बीच चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में वर्ग नर्सरी से यूकेजी तक के बच्चों ने भाग लिया। लायंस क्लब द्वारा पहली बार छोटे छोटे बच्चों के बीच इस प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित कराई गई। जिसमें बच्चे एवं उनके अभिभावक काफी उत्साहित दिखे एवं उन्होंने कार्यक्रम की काफी सराहना की। दूसरे दिन 26 जुलाई को लायंस क्लब द्वारा नवनिर्मित सेवा सदन, डंगाल पाड़ा में दुमका शहर के विभिन्न विद्यालयों के 188 छात्राओं के बीच मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया।मेहंदी प्रतियोगिता में सभी छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सुंदर एवं आकर्षक मेहंदी डिजाइन अपने हाथों पर बनाकर दिखाया। मेहंदी एवं चित्रांकन प्रतियोगिता में चयनित सभी प्रतिभागियों को बैग, छाता, पेंसिल, एवं अल्पाहार प्रदान किया गया। साथ ही निर्णायक मंडली द्वारा खुशी कुमारी, साक्षी कुमारी, आदित्य नारायण, सुहानी, आर्य राय, एवं नाजिया को विशेष पुरस्कार दिया गया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन लायन शालिनी अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन सतीश कुमार, सचिव लायन प्रदीप मुखर्जी, कोषाध्यक्ष लायन सुनील जायसवाल, आरसी लायन ए के सिन्हा, लायन राकेश सिंघानिया, लायन सुनील कुमार शाहा, लायन राजकिशोर सिंह, लायन संदीप पटवारी, लायन डॉक्टर समीम अंसारी, लायन डॉक्टर मनोज कुमार घोष, लायन डॉक्टर श्वेता स्वराज, लायन शालिनी अग्रवाल, लायन पूजा पटवारी, लायन शहनवाज परवीन, लायन रंजीता देवी, एवं अन्य लायंस सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन लायंस क्लब के सचिव लायन प्रदीप मुखर्जी द्वारा किया गया, वहीं धन्यवाद ज्ञापन लायन अखिलेश कुमार सिन्हा द्वारा किया गया।

दो दिवसीय 8 बॉल पूल प्रतियोगिता का आयोजन

दुमकाः शहर में पहली बार 8 बॉल पूल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता का फाइनल रविवार को खेला जाएगा आयोजन में दुमका जिले के कुल 16 खिलाड़ियों ने भाग लिया। दो दिवसीय इस टूर्नामेंट का आयोजन रॉयल गेम जॉन दुमका की तरफ से किया जा रहा है । बड़े शहरों की तरह अब दुमका जैसे शहर में भी पूल मनोरंजन का एक साधन है और यहां भी खिलाड़ियों में काफी उत्साह है लोग बढ़-चढ़कर इस आयोजन में भागीदारी निभा रहे हैं।मुख्य अतिथि के तौर पर जामा मस्जिद के कमेटी सदस्य शमशेर आलम ने बताया कि जहां एक और युवा तेजी से मोबाइल और सोशल मीडिया में अपना समय बर्बाद कर रहे हैं ऐसे में इस तरह के इनडोर खेल को बढ़ावा देने से लोगों का मानसिक और शारीरिक दोनों विकास होगा भाग लेने वाले प्रतिभागी में शहर के प्रतिष्ठित डॉ मनीष भारती ने कहा कि खेल स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा होता है और आज के व्यस्त माहौल में लोगों को किसी न किसी गेम से जरूर जुड़ना चाहिए।मौके पर थे रॉयल गेम जोन के तरफ से गौरव,सोहेल,अक्षय अमित और गोलू मौजूद थे।

बांसजोड़ा उप डाकघर में 19 जुलाई से सभी सेवाएं पूरी तरह ठप : अरविंद सिंह

जिससे क्षेत्र के हजारों उपभोक्ता परेशानी में हैं

लोयाबाद।बांसजोड़ा उप डाकघर में 19 जुलाई से सभी सेवाएं पूरी तरह ठप हैं,जिससे क्षेत्र के हजारों उपभोक्ता परेशानी में हैं। पिछले सात दिनों से डाकघर में लगातार हंगामे की स्थिति बनी हुई है।उपभोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच रोजाना नोकझोंक हो रही है।जिससे पोस्ट ऑफिस इंचार्ज अरविंद सिंह भी तनाव में हैं।इस कार्य ठप होने का कारण पोस्टल विभाग द्वारा आईटी 2.0 सॉफ्टवेयर अपडेट हो रहा है।अब तक डाकघर का संचालन निजी कंपनी सीसीएस के माध्यम से किया जा रहा था, लेकिन अब इसे केंद्र सरकार की नई डिजिटल प्रणाली के तहत लाया जा रहा है।धनबाद जिले के करीब 40 उपडाकघरों में यह प्रक्रिया एक साथ शुरू की गई है, लेकिन लोयाबाद में उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ी हुई है।स्टाफ को दी गई ट्रेनिंग,पर संसाधनों की भारी कमी है। हालांकि डाककर्मियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया है,लेकिन पूरी तरह से ट्रेंड नही हो पाया,नतीजा, ट्रेनिंग की कमी और दूसरी तरफ नेटवर्क,बिजली और मशीनों की खराबी के कारण सेवाएं बहाल नहीं हो पा रही हैं।रजिस्ट्री,स्पीड पोस्ट, खाता जमा-निकासी,पेंशन भुगतान समेत सभी कार्य ठप हैं।प्रतिदिन लगभग 4 लाख रुपये का ट्रांजेक्शन प्रभावित हो रहा है।रक्षा बंधन से पहले राखी भेजना चुनौती।डाक सेवाएं ठप होने का सबसे बड़ा असर आने वाले रक्षा बंधन पर पड़ा है।बहनें अपने भाइयों को राखी नहीं भेज पा रही हैं।मजबूरी में लोगों को 10 किलोमीटर दूर धनबाद हेड पोस्ट ऑफिस या रेलवे आरएमएस जाना पड़ रहा है।यह बुजुर्गों और महिलाओं के लिए खासा मुश्किल हो गया है।नेटवर्क और बिजली बनी सबसे बड़ी बाधा।बीएसएनएल का नेटवर्क पूरी तरह ठप है।वहीं,डाकघर में इन्वर्टर या जनरेटर जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं।कुछ मशीनें खराब हैं और बाकी बैकअप नहीं दे रही हैं। इन हालात में डाककर्मी अपने निजी मोबाइल इंटरनेट से किसी तरह डाक वितरण का कार्य कर रहे हैं।उपभोक्ताओं को लग रहा फाइन, बढ़ रहा गुस्सा। सेवाएं बंद होने से आरडी और जीवन बीमा जैसे खातों में समय पर किस्त नहीं जमा हो पा रही है,जिससे ग्राहकों को फाइन देना पड़ रहा है।उपभोक्ताओं का कहना है कि जब गलती विभाग की है तो फाइन भी विभाग ही वहन करे। 25 हजार की आबादी हो रही प्रभावित जिसमे लोयाबाद, बांसजोड़ा, निचितपुर, कनकनी, सेन्द्रा और कोकप्लांट जैसे क्षेत्रों की करीब 25 हजार जनसंख्या डाक सेवाओं के बंद रहने से सीधे तौर पर प्रभावित हो रही है।जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जताई नाराजगी।लोयाबाद चेम्बर के सचिव सुनील पांडे ने कहा रक्षाबंधन सर पर है और डाक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।सॉफ्टवेयर अपडेट राखी के बाद किया जाता तो अच्छा रहता। हमने विभाग से वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है।बांसजोड़ा के कांग्रेस नेता बिनोद विश्वकर्मा ने कहा कि डाक विभाग की सुस्ती से उपभोक्ताओं का विश्वास उठता जा रहा है।व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई तो आंदोलन करेंगे।सेन्द्रा के रवि रवानी ने कहा बहन को राखी भेजनी है, लेकिन समय निकट है और डाकघर बंद है।अब समझ नहीं आ रहा कि राखी कैसे पहुंचेगी। कौशल्या देवी ने कहा कि दवा लेनी है लेकिन पैसे निकाल नहीं पा रही हूं।रोजाना पोस्ट ऑफिस का चक्कर लगा रही हूं,कोई सुनवाई नहीं हो रही।वही ,सब-डिविजनल इंस्पेक्टर,पोस्टल विभाग के संतोष कुमार से पूछे जाने पर बताया कि पूरा भारत मे एक साथ नई सॉफ्टवेयर लांच किया गया,उसी का काम चल रहा है।ये किसी अधिकारी के हाथ मे नही था कि रक्षाबंधन के बाद काम शुरू हो।लोयाबाद मामले की जानकारी नहीं थी,जांच करवा कर समस्याओं को दूर किया जाएगा।

हेमंत सोरेन इस निर्णय को वापस ले नहीं तो भाजपा सड़क से लेकर सदन तक करेंगी उग्र आंदोलन : रुपेश मंडल

अटल मोहल्ला क्लिनिक का नाम बदलकर मदर टेरेसा एडवांस हेल्थ क्लिनिक करने पर भाजपा ने किया सीएम हेमंत सोरेन का पुतला दहन

दुमकाःझारखंड सरकार द्वारा अटल मोहल्ला क्लिनिक का नाम बदलकर मदर टेरेसा एडवांस हेल्थ क्लिनिक करने के निर्णय का भारतीय जनता पार्टी लगातार विरोध कर रही है।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष से लेकर सांसद, विधायक व अन्य नेताओं द्वारा हेमंत सोरेन सरकार की तीखी आलोचना की जा रही है। गौरतलब है कि झारखंड में सरकार की ओर से संचालित सभी अटल मोहल्ला क्लिनिक अब मदर टेरेसा एडवांस हेल्थ क्लिनिक के नाम से जाने जाएंगे। यह निर्णय गुरुवार 24 जुलाई को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया।भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रूपेश मंडल के नेतृत्व में इस निर्णय का कड़ा विरोध करते हुए आज शनिवार को दुमका के टीन बाजार चौराहा पर हेमंत सोरेन मुर्दाबाद नारों के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया।पुतला दहन कार्यक्रम में युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रूपेश मंडल ने कहा कि राज्य भर में करीब 140 मोहल्ला क्लिनिक संचालित हैं. इन क्लिनिकों की स्थापना शहरी और ग्रामीण गरीबों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उनके गांवों-मुहल्लों में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पूर्ववर्ती भारतीय जनता पार्टी की सरकार के द्वारा अटल जी की पुण्यतिथि पर 16 अगस्त 2019 में की गई थी, पिछले 6 सालों में हेमंत सरकार कुछ नया नहीं कर पा रही तो योजनाओं का नाम बदलकर अपनी पीठ थपथपा रही है। हेमंत सोरेन इस निर्णय को वापस ले नहीं तो भाजपा सड़क से लेकर सदन तक उग्र आंदोलन करेगी।भाजपा जिलाध्यक्ष गोरव कांत ने कहा कि आयुष्मान भारत और अटल मोहल्ला क्लिनिक जैसी योजनाएं बीजेपी की क्रांतिकारी सोच की देन हैं, जिनसे गरीब और आम लोगों को सुलभ स्वास्थ्य सेवा मिली है, लेकिन हेमंत सरकार इन योजनाओं का नाम बदलकर अपने राजनीतिक एजेंडे को साध रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।अटल बिहारी वाजपेयी झारखंड राज्य के निर्माता रहे हैं और उनका नाम झारखंड के जन-जन की स्मृतियों में है। ऐसे में उनके नाम को हटाकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास न केवल भारत रत्न का, बल्कि पूरे झारखंड की आत्मा का अपमान है।उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि अगर वह नई स्वास्थ्य योजना शुरू करना चाहती है तो उसमें नए नाम रखने की स्वतंत्रता है, लेकिन पहले से स्थापित और लोकप्रिय योजनाओं का नाम बदलना ओछी राजनीति का उदाहरण है।अमरेंद्र सिंह ने कहा कि मदर टेरेसा का सम्मान करता हूं, लेकिन उनके नाम पर कुछ संस्थाओं ने जिस तरह का काम किया है, नवजात बच्चों के साथ उनका क्या व्यवहार रहा है यह पूरा देश जानता है।झारखंड में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण हो रहे हैं, यह कदम भी उसी कड़ी का हिस्सा तो नहीं।निवास मण्डल ने कहा कि अटल क्लीनिक का नाम बदलने का निर्णय झारखंड के निर्माता अटल का नाम लोगों की स्मृति से हटाने की साजिश है।झारखंड की जनता ऐसे फैसलों को कभी स्वीकार नहीं करेगी। पुतला दहन कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष गौरव कांत,अमरेंद्र सिंह मुन्ना, निवास मण्डल, रुपेश मण्डल, धर्मेंद्र सिंह, मार्शल ऋषिराज टुडू, बबलू मंडल, जिला महामंत्री पवन केसरी, दीपक स्वर्णकार, अजय वर्मा, संतोष शाह, पंकज वर्मा, विमल मरांडी, गुंजन मरांडी, नवल किस्कू, गायत्री जयसवाल, मृणाल मिश्रा अजय गुप्ता संतोष सोरेन, श्याम देव हेंब्रम, सुजीत यदुवंशी, अमन राज, राजू पूजहर, दीपांशु कोच, मनीष कुमार, रमेश मंडल, प्रवीण सिंह, कुस पाल, इंद्रजीत कुमार आदि मौजूद थे।

जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

दुमकाःउप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में शनिवार को विडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनाओं की समीक्षा बैठक की गई।बैठक में प्रमंडल संख्या 01 एवं 02 अंतर्गत हर घर जल सर्टिफिकेशन तथा भौतिक रूप से पूर्ण एवं चालू (आच्छादित) योजनाओं को ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को हस्तांतरण संबंधित बिन्दुओं पर समीक्षा की गई। साथ ही साथ स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत वितीय वर्ष 2025-26 में छुटे हुए सभी योग्य लाभुको तथा अबुआ आवास के योग्य लाभुकों को व्यक्तिगत शौचालय का लाभ देने हेतु आईएमआईएस में प्रविष्टी का निदेश दिया गया। बैठक में निदेश दिया गया कि सभी प्रखंड वॉश समन्वयक अबुवा आवास के योग्य लाभुकों को व्यक्तिगत शौचालय का लाभ देने हेतु अपने अपने प्रखंड से सूची प्राप्त कर प्रविष्टी कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही सभी कनीय अभियंता को निदेश दिया गया कि सभी योजनाओं के आरएमएस डाटा प्राप्त कर संबंधित योजना से मिलान करते हुए झर जल पोर्टल पर अपडेशन कराना सुनिश्चित करेंगे। समीक्षा के क्रम में गोवर्धन योजना एवं प्लास्टिक कचरा संग्रहण केन्द्र के क्रियाशील एवं समुचित संचालन हेतु निदेशित किया गया। बैठक में कार्यपालक अभियंता 01 एवं 02, सभी सहायक अभियंता, सभी कनीय अभियंता, सभी जिला समन्वयक एवं सभी प्रखंड वॉश समन्वयक उपस्थित थे।

बीबीए - बीसीए का परिणाम जारी

दुमकाःसिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय द्वारा बीबीए और बीसीए सेमेस्टर - 1 परीक्षा 2024, सत्र 2024-27 तथा बीबीए और बीसीए सेमेस्टर - 4 परीक्षा 2025, सत्र 2022-25 का परिणाम शनिवार को घोषित किया गया है।जिसमें बीबीए सेमेस्टर - 1 के 98.04 प्रतिशत, बीसीए सेमेस्टर - 1 के 94.12 प्रतिशत, बीबीए सेमेस्टर - 4 के 94.87 प्रतिशत तथा बीसीए सेमेस्टर - 4 के 100 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

अधिक से अधिक पौधा रोपण करने का प्रण लिया

दुमकाः मयूराक्षी ग्रामीण महाविद्यालय रानीश्वर मे राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 4 एवं आई क्यू ए सी के तत्वाधान मे आई क्यू ए सी सह प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर आबिद राजा की अध्यक्षता मे कारगिल दिवस के अवसर पर वन महोत्सव की शुरूआत की गयी ।इस अवसर पर इकाई 4 कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर प्रशांत पातर ने महाविद्यालय मे आम, थूजा, और शो प्लांट के पौधे लगाकर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी । इस अवसर पर डॉ प्रशांत पातर ने एक पौधा माँ के नाम से पौधा लगाकर अधिक से अधिक पौधा रोपण करने का प्रण लिया साथ आई क्यू ए सी को ऑर्डिनेटर प्रोफेसर आबिद राजा ने कार्यक्रम मे पौधा रोपण कर सभी के प्रेरित किया। प्रोफेसर आबिद राजा ने कहा पेड़ पौधे से हमारे आसपास का वातावरण स्वच्छ रहता, और एक स्वच्छ वातावरण के लिए पेड़ पौधे लगाना अति आवश्यक है। इकाई 4 कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रशांत पातर ने पौधा रोपण के कार्यों के लिए प्रेरित किया साथ ही उन्होंने प्रण लिया अपने गोद लिए गाँव परिहारपुर, बगतिटोला मे अधिक से अधिक पौधा रोपण करेंगे।

डबरा के नंदू का डेरा से 50 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थलों पर पहुँचाया

अतिवृष्टि से हुए जल भराव वाली बसाहटों के लिये पर्याप्त राहत शिविर बनाए

भोपाल(ईएमएस)। ग्वालियर जिले में अतिवृष्टि से हुए जल भराव से प्रभावित गाँवों के लोगों के लिये एहतियात बतौर पर्याप्त राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। साथ ही जहाँ पर अत्यधिक जल भराव हुआ है वहाँ के लोगों को जिला प्रशासन की टीमों द्वारा एसडीआरएफ की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के सभी एसडीएम को जल प्रभावित क्षेत्रों में 24 घंटे नजर रखने और आवश्यकता पड़ने पर लोगों को तत्काल नजदीकी राहत शिविर में आश्रय दिलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राहत शिविरों में भोजन, पेयजल व प्राथमिक चिकित्सा के पुख्ता इंतजाम रखने के भी निर्देश दिए।शनिवार को डबरा विकासखंड के ग्राम नंदू का डेरा में अत्यधिक जल भराव होने की सूचना मिलने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने की कार्रवाई की गई। ग्राम खेड़ीरायमल में भी रेस्क्यू ऑपरेशन कर लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। एसडीएम दिव्यांशु चौधरी ने बताया कि नंदू का डेरा से एसडीआरएफ की मदद से 50 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। इनमें से 23 लोगों को डबरा के कम्युनिटी हॉल व रैन बसेरा में बनाए गए राहत शिविरों में पहुँचाया गया है। ग्राम खेड़ीरायमल के लोगों को एसडीआरएफ की मदद से रेस्क्यू कर ग्राम पंचायत खेड़ी रायमल के पंचायत भवन में बनाए गए राहत शिविर में पहुँचाया गया है।जिले के मुरार विकासखंड के अंतर्गत ग्राम टिहौली के पीछे स्थित बड़ेरा निवासी 55 वर्षीय प्रीतम सिंह कुशवाह के बैसली नदी पर बने रपटे को पार करते समय पैर फिसलने से बहने की सूचना मिलने पर एसडीएम ग्वालियर ग्रामीण सूर्यकांत त्रिपाठी बचाव टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुँचे।

98405 श्रद्धालुओं ने किया बाबा बासुकीनाथ पर जलार्पण

दुमकाःश्रावणी मेला के 16 वें दिन शाम 7 बजे तक 98405 श्रद्धालुओं ने बाबा बासुकीनाथ पर जलार्पण किया।सामान्य रुट लाइन से 81,639 ,शीघ्र दर्शनम से 6361।

पूर्व मध्य रेल
निविदा सूचना
ई: निविदा सूचना सं. एस.जी. 664–14–संकेत–2025–26
भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई: निविदा आमंत्रित की जाती है।
1. कार्य का नाम : हजारीबाग टाउन और कंसार नवादा के बीच आईबीपी का प्रावधान हेतु। **2. कार्य का आकलित मुल्य :** ₹ 2,26,16,020.36 (लगभग), **3. कार्य का अग्रधन राशि :** ₹ 2,63,100.00, **4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 13.08.2025 (12:00 बजे)। **5.** ऐसी ई: निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई निविदा के ई निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य :– प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट : http//www.ireps.gov.in का अवलोकन करे।
वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता, धनबाद
पीआर/0660/डीएचएन/एस एण्ड टी/टी/25–26/32

बहन-बेटियों के लिए सम्मान का प्रतीक है "लाड़ली बहना योजना" : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सतना जिले के सिंहपुर में मना मातृशक्ति उत्सव

भोपाल(ईएमएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार महिलाओं की आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समरसता और सभी की अधिकार सम्पन्नता के लिए सामाजिक रचना के ताने-बाने में सभी स्तर पर आवश्यक योगदान दे रही है। इसी का परिणाम है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप किसान, युवा, गरीब कल्याण और महिला सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाएं और कार्यक्रम संचालित हैं। हमारी संस्कृति में देश के लिए मातृत्व भाव विद्यमान है, हम सब भारत माता पर सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए सदैव तत्पर हैं। आज का मातृशक्ति सम्मेलन- माताओं-बहनों के प्रति सनातन संस्कृति के अनुरूप अनन्य श्रद्धा-स्नेह-प्रेम और सम्मान का प्रकटीकरण है। भारत की कुटुम्ब या परिवार परम्परा हमारी संस्कृति को समृद्ध और सशक्त बनाती है। परिवार परम्परा का आधार मातृशक्ति ही है। बेटियां एक ही नहीं दो परिवारों का उद्धार करती हैं। बहन-बेटियों के प्रति इस सम्मान के परिणामस्वरूप ही प्रदेश में "लाड़ली बहना योजना" आरंभ की गई। सावन के महीने में लाड़ली बहनों के खाते में 1250 रूपए के साथ 250 रूपए अतिरिक्त रूप से आने वाले हैं। यह बहन-बेटियों प्रति हमारी सरकार का आदर और स्नेह है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सतना जिले के सिंहपुर में आयोजित मातृशक्ति उत्सव के अंतर्गत आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

प्रदेश की सभी बहनें हमारा मान हैं, अभिमान हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत बहनों को जारी की जाने वाली राशि में चरणबद्ध रूप से वृद्धि होगी और वर्ष 2028 तक बहनों को तीन हजार रूपए प्रतिमाह उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण और उनके कल्याण के लिए 1500 करोड़ रूपए से अधिक प्रतिमाह अंतरित किए जा रहे हैं। प्रदेश की सभी बहनें हमारा मान हैं, अभिमान हैं। इनके मान-सम्मान और कल्याण के लिए हम कोई कसर नहीं रखेंगे। दीपावली के बाद आने वाली भाईदूज तक राज्य सरकार सभी लाड़ली बहनों को 1250 रुपए से बढ़ाकर हर माह 1500 रूपए सहायता राशि देगी। बहन-बेटियों के सशक्तिकरण केलिए स्व-सहायता समूहों का संचालन, नौकरियों और स्थानीय व नगरीय निकायों और पंचायतों में आरक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा और विधानसभा में बहनों का 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। माताओं-बहनों के कल्याण के लिए ही सभी परिवारों को पक्के मकान, घर-घर गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। दीदीयां लखपति बनकर प्रगति कर रही हैं, बेटियों के लिए शिक्षा की उचित व्यवस्था है, उन्हें साइकिलें उपलब्ध कराने के साथ-साथ परीक्षा में अच्छा परिणाम लाने पर प्रोत्साहन स्वरूप लेपटॉप उपलब्ध कराए जा रहे हैं। डॉक्टर-इंजीनियर बनने के लिए भी आवश्यक हरसंभव सहायता बेटियों को उपलब्ध है। उद्योगों में काम करने वाली बहनों के लिए भी राज्य सरकार विशेष सहायता प्रदान कर रही है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की जिन्दगी बदलने के लिए उन्हें बिजली में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सोलर पम्प पर अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। अगले डेढ़ माह में बरगी नहर का कार्य पूर्ण हो रहा है, इससे रीवा-सतना क्षेत्र में पेयजल और सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। हमारी सरकार ने हर खेत तक पानी पहुंचाने का संकल्प लिया है और हम इसे पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2002-03 तक केवल 7 लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुविध उपलब्ध थी। वर्तमान में हम 55 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2028 तक 100 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में इस वर्ष 2600 रूपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया गया। अगले दो साल में संभवतः 2700 रूपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के माध्यम से शीघ्र ही गरीबों के लिए 4 करोड़ आवास स्वीकृत होने वाले हैं, वर्ष 2028 तक 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन की व्यवस्था है, बच्चों की शिक्षा के लिए सांदिपनी विद्यालय जैसे स्कूल विद्यमान हैं, यह सब रामराज की संकल्पा को साकार करने के समान है।

पूर्व मध्य रेल
ई निविदा सूचना
धनबाद, दिनांक : 25.07.2025
मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)/पूर्व मध्य रेल/धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–
ई–निविदा सं.: C-772-TKS-2-GCT-25
क्र. सं. : 1., **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** टोकीसूद–2–(TKS) स्टेशन पर गति शक्ति मल्टी–मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) का पूरी तरह से रेलवे भूमि पर पैंतीस वर्ष (35 वर्ष) अर्थात 420 महीने की अवधि के लिए विकास। क्र. सं. : 2., **टोकीसूद स्टेशन पर गति शक्ति मल्टी–मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) के विकास का लगभग लागत :** रू 44,41,56,224/–, क्र. सं. : 3., **ब्याने की राशि:** रू 4,44,15,700/–, क्र. सं. : 4., **निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समय :** ई–निविदा बंद होने की तारीख 18.08.2025 को 15:00 बजे।, ई–निविदा खुलने की तारीख 18.08.2025 को 15:30 बजे से।, क्र. सं. : 5., **वेबसाईट, का विवरण :** http://www.ireps.gov.in. ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी। रेल प्रशासन के पास किसी/समस्त प्रपत्र को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पूर्व मध्य रेल/धनबाद
पीआर/0676/डीएचएन/वा./टी/25–26/36

कारगिल युद्ध में बिहार रेजिमेंट के 18 जांबाजों ने दिया बलिदान

हर साल 26 जुलाई को सैनिक और स्थानीय लोग करते हैं पुष्पांजलि अर्पित

पटना,(ईएमएस)। मई 1999 में पाकिस्तानी सैनिकों ने कारगिल के बटालिक सेक्टर में घुसपैठ की थी। बिहार रेजिमेंट की पहली बटालियन कश्मीर में तैनात थी और वह इस चुनौती के लिए तैयार थी। 28 मई को मेजर एम सर्वानन अपनी टुकड़ी के साथ 14,229 फीट की ऊंचाई पर पेट्रोलिंग करने निकले। अचानक पाकिस्तानी सैनिकों ने गोलीबारी शुरू कर दी तब मेजर सर्वानन ने 90 एमएम रॉकेट लॉन्चर उठाया और दुश्मन के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमला बोल दिया। उनके निशाने से दो घुसपैठिए ढेर हो गए, लेकिन इस जंग में मेजर सर्वानन ने पहला बलिदान दिया। उनकी शहादत के साथ ही कारगिल युद्ध शुरु हो गया।बिहार रेजिमेंट के सैनिकों ने अद्भुत साहस दिखाया। इनके साथ बिहार के जांबाज-मुजफ्फरपुर के सिपाही प्रमोद कुमार, पटना के नायक गणेश प्रसाद यादव और सिपाही ओमप्रकाश गुप्ता ने अग्रिम पंक्ति में लड़ते हुए अपनी वीरता से इतिहास रच दिया। कारगिल युद्ध में बिहार रेजिमेंट के 18 सपूतों ने बलिदान दिया और 26 जुलाई 1999 को टाइगर हिल पर तिरंगा फहराने का गौरव दिलाया।26 जुलाई 1999 को जब कारगिल की बर्फीली चोटियों पर तिरंगा लहराया तो यह सिर्फ एक युद्ध की जीत नहीं थी, बल्कि बिहार रेजिमेंट के 18 वीर सपूतों की शहादत का गौरव था। ऑपरेशन विजय के तहत चली इस जंग में बिहार के सैनिकों ने अदम्य साहस और बलिदान से दुश्मन को धूल चटाई। मेजर एम सर्वानन से लेकर नायक शत्रुघ्न सिंह तक, इन जांबाजों ने इतिहास रचा।आज यानी 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर पटना का कारगिल चौक इन शहीदों की अमर गाथा को गर्व से बयां करता है जो नई पीढ़ी को प्रेरित करता है। दरअसल 1999 की गर्मियों में जब कश्मीर की वादियां शांत थीं तब पाकिस्तानी घुसपैठियों ने कारगिल की चोटियों पर कब्जा कर लिया था। यह एक सुनियोजित साजिश थी जिसका जवाब देने के लिए भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय शुरू किया। इस युद्ध में बिहार रेजिमेंट की पहली बटालियन ने बटालिक सेक्टर में मोर्चा संभाला, जहां दुश्मन ने ऊंची चोटियों पर कब्जा जमाया था।बिहार रेजिमेंट के एक और नायक शत्रुघ्न सिंह की गाथा तो हर भारतीय के रोंगटे खड़े कर देती है। जुब्बार पोस्ट पर दुश्मन की गोलियों से जख्मी होने के बावजूद, वह 11 दिनों तक रेंगकर तीन किलोमीटर पीछे अपने पोस्ट पर लौटे। उनके पैर और कमर में गोलियां लगी थीं फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी। इस अदम्य साहस के लिए उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया। इसी तरह समस्तीपुर के नायक दिलीप सिंह ने 28 दिनों तक जुब्बार पोस्ट पर जंग लड़ी और शहीद हो गए। उनकी वीरता के लिए उन्हें सूबेदार के पद पर प्रोमोशन दिया गया।बिहार रेजिमेंट की पहली बटालियन का नेतृत्व तत्कालीन कर्नल ओपी यादव ने किया था। उन्होंने बटालिक सेक्टर में दुश्मन से कई चौकियों को मुक्त कराया। उनकी रणनीति और सैनिकों के अदम्य साहस ने टाइगर हिल पर तिरंगा फहराने का रास्ता साफ किया। इस युद्ध में बिहार के 18 सैनिकों ने शहादत दी जिनमें पटना के नायक गणेश प्रसाद यादव और मुजफ्फरपुर के सिपाही अरविंद कुमार पांडेय जैसे नाम शामिल हैं। इन शहीदों की वीरता को सम्मान देने के लिए मेजर सर्वानन और नायक गणेश प्रसाद यादव को मरणोपरांत वीर चक्र से नवाजा गया।कारगिल युद्ध में बिहार के 18 बलिदानियों के शहादत दी जिसमें नायक गणेश प्रसाद यादव (पटना), सिपाही अरविंद कुमार पांडेय (मुजफ्फरपुर), सिपाही अरविंद पांडेय (पूर्वी चंपारण), सिपाही शिवशंकर प्रसाद गुप्ता (औरंगाबाद), लांस नायक विद्यानंद सिंह (भोजपुर) सिपाही हरदेव प्रसाद सिंह (नालंदा), नायक बिशुनी राय (सारण), नायक सूबेदार नागेश्वर महतो (रांची), सिपाही रम्भू सिंह (सिवान) गनर युगंबर दीक्षित (पलामू), मेजर चंद्रभूषण द्विवेदी (शिवहर), हवलदार रतन कुमार सिंह (भागलपुर), सिपाही रमण कुमार झा (सहरसा), सिपाही हरिकृष्ण राम (सिवान), गनर प्रभाकर कुमार सिंह (भागलपुर), नायक सुनील कुमार सिंह (मुजफ्फरपुर), नायक नीरज कुमार (लखीसराय), लांस नायक रामवचन राय (वैशाली)।

बिहार में आए दिन हो रहीं हत्याएं, प्रशासन अपराधियों के सामने हुआ नतमस्तक

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नीतीश सरकार पर साधा निशाना

पटना,(ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नीतीश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में एक के बाद एक आपराधिक घटनाओं हो रही हैं। प्रशासन अपराधियों के सामने नतमस्तक हो चुका है। सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसी घटनाएं कम क्यों नहीं हो रही हैं? बिहार में हत्या, लूट, अपहरण, बलात्कार की घटनाएं लगातार हो रही हैं। चिराग ने कहा कि अब तो ऐसा लग रहा है कि प्रशासन इन घटनाओं को रोक पाने में नाकामयाब है, जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनका दर्द समझना होगा। प्रशासन या तो लीपा पोती में लगा है या कंट्रोल कर पाना उसके बस में नहीं है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चिराग पासवान ने कहा कि मुझे इस बात का दुख है कि मैं ऐसी सरकार को समर्थन कर रहा हूं, जहां अपराध पूरी तरह बेलगाम हो चुका है। यहां बिहारी सुरक्षित नहीं है। जरूरत है कि सरकार समय रहते चेत जाए। बता दें बिहार में पिछले कुछ दिनों में हत्या की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। बीते दिनों पटना के एक प्रसिद्ध व्यापारी गोपाल खेमका की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या को अंजाम उस वक्त दिया गया। जब खेमका अपनी कार से अपार्टमेंट के बाहर उतरे थे जैसे ही वह कार से उतरे वैसे ही बाहर हेलमेट लगाकर खड़े बदमाश ने उन पर गोली बरसा दी थी।इस घटना के बाद भी बिहार के कई जिलों से हत्याओं की खबर सामने आई। वहीं, बीते सप्ताह बदमाशों ने एक गैंगस्टर चंदन मिश्रा की अस्पताल में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड का एक सीसीटीवी भी सामने आया था, जिसमें पांच बदमाशों ने अस्पताल में घुसकर हत्याकांड को अंजाम दिया। वहीं इसके बाद जश्न मनाते हुए फरार हो गए। इसके अलावा भी राज्य में लूट और बलात्कार की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।बता दें इससे पहले लोजपा (आर) अध्यक्ष चिराग पासवान ने बुधवार को कहा था कि वह बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर की ईमानदार भूमिका की सराहना करते हैं, क्योंकि जो भी जाति, पंथ या धर्म के बजाय राज्य के बारे में सोचता है, उसका वहां स्वागत है। इस दौरान जब उनसे किशोर द्वारा उनके बिहार पहले, बिहारी पहले के नारे को हाईजैक करने के बारे में पूछा गया था तो पासवान ने कहा कि कोई भी दूसरे के एजेंडे को हाईजैक नहीं कर सकता।

संक्षिप्त ख़बरें

भागलपुर में पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने किया हमला, सब इंस्पेक्टर आईसीयू में भर्ती

भागलपुर,(ईएमएस)। भागलपुर के पीरपैंती में पुलिस टीम पर हमला हुआ, जिसमें सब इंस्पेक्टर दुबे देवगुरु गंभीर रूप से घायल हुए और उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। यह घटना तब हुई जब पुलिस अपहरण की सूचना पर निजी वाहन में और सादे कपड़ों में मौके पर पहुंची।बात दें कि कहलगांव पुलिस को अपहरण की जानकारी मिली थी। इसके बाद रात 10 बजे पुलिस टीम एक निजी गाड़ी में सादे कपड़ों में गांव पहुंची। गांव में किसी ने पुलिस को देखकर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। गोलियों की आवाज सुनकर सैकड़ों ग्रामीण इकट्ठा हो गए और उन्होंने पुलिस टीम को घेर लिया। इस दौरान दोनों ओर से कुल 18 राउंड फायरिंग हुई। इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ ने एसआई दुबे देवगुरु सहित 4 पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। ग्रामीणों ने उन पर पत्थर फेंके और लाठी-डंडों से भी मारा। मारपीट में एसआई दुबे देवगुरु को गंभीर हालत में अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।हमले की सूचना पर दूसरी पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जिसमें कहलगांव थाने के एसआई शत्रुघ्न कुमार, एनटीपीसी थानाध्यक्ष सुशील कुमार और डीएसपी कल्याण आनंद शामिल थे। गांव वालों ने उन पर भी हमला कर दिया, जिसके बाद इन सभी पुलिसकर्मियों को भागकर जान बचानी पड़ी। कुछ पुलिसकर्मियों के जूते मौके पर ही छूट गए। घायल अफसरों और पुलिसकर्मियों को एनटीपीसी अस्पताल और फिर मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।ऐसा प्रतीत होता है कि चूंकि पुलिस टीम सादे कपड़ों में और निजी वाहन में थी, गांव के मुहाने पर राजेश को रोकने की कोशिश के दौरान पुलिस के एक जवान द्वारा फायरिंग किए जाने से ग्रामीणों ने उन्हें अपराधी समझ लिया और उन पर हमला कर दिया।

चलती एंबुलेंस में महिला से बलात्कार ड्राइवर और टेक्नीशियन गिरफ्तार

गया,(ईएमएस)। बिहार में एक बेहद शर्मनाक घटना सामने आई है, जहाँ होमगार्ड भर्ती की दौड़ में बेहोश हुई एक महिला के साथ एंबुलेंस के ड्राइवर और टेक्नीशियन ने कथित तौर पर चलती एंबुलेंस में बलात्कार किया। यह घटना बोधगया क्षेत्र के बीएमपी 3 परेड ग्राउंड में हुई, जब महिला अभ्यर्थी दौड़ के दौरान बेहोश हो गई थी। इसके बाद महिला को तुरंत अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस बुलाई गई। पुलिस के अनुसार, अस्पताल ले जाते समय एंबुलेंस चालक विनय कुमार और टेक्नीशियन अजीत कुमार ने कथित तौर पर महिला के साथ दुष्कर्म किया।मामला घटना के अगले दिन सामने आया जब पीड़िता ने डॉक्टरों और फिर पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने के दो घंटे के भीतर, एंबुलेंस चालक और टेक्नीशियन को गिरफ्तार किया गया। एसडीपीओ सौरभ जायसवाल के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने छापेमारी कर आरोपियों को पकड़ा।मामले की गंभीरता को देखकर फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को भी घटनास्थल पर सबूत जुटाने के लिए भेजा गया है। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से भी आरोपियों की पहचान करने में मदद मिली। थाने में केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। एसएसपी आनंद कुमार ने बताया कि मामले की जांच पूरी कर जल्द से जल्द आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा।

बच्चे ने पकड़ लिया किंग कोबराः दांत से काटकर दो टुकड़े कर दिए, सांप की हो गई मौत

बेतिया,(ईएमएस)। बिहार के बेतिया से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक बच्चे ने खेलते खेलते सांप को पकड़ लिया और खिलौना समझकर दांत से उसके दो टुकड़े कर दिए। थोड़ी ही देर में किंग कोबरा की मौत हो गई और डेढ़ साल का बच्चा बेहोश गया। जिसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।घटना पश्चिम चंपारण जिले के मझौलिया प्रखंड के मोहच्छी बनकटवा गांव की है। बच्चे को बेहोशी की हालत में मझौलिया पीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेतिया के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार सुनील साह का एक साल का बेटा गोविंदा शुक्रवार दोपहर को अपने घर में खेल रहा था। दादी मातेश्वरी देवी ने बताया कि इसी दौरान घर में दो फीट लंबा कोबरा सांप निकल आया। मासूम ने सांप को खिलौना समझकर उसे पकड़ लिया। फिर उसे दांत से काट दिया। इसके तुरंत बाद कोबरा की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बच्चे ने काटकर सांप के दो टुकड़े भी कर दिए थे। बेतिया स्थित जीएमसीएच अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. दिवाकांत मिश्रा ने बताया कि बच्चे में जहर के कोई भी लक्षण नहीं हैं। फिलहाल उसका उपचार जारी है। बच्चे की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस वाकये के बाद परिजन घबरा गए। वहीं, बच्चे के काटने से सांप की मौत पर लोग हैरानी जता रहे हैं।

बालू कारोबारी हत्या मामले में आरोपी से पूछताछ में कई खुलासे

पटना : पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल अंतर्गत पियरपुरा थानाक्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दो अपराधियों को एक देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान राजा कुमार एवं रॉकी कुमार के रूप में हुई है, जो अरवल जिले के किंजर थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पियरपुरा थाना क्षेत्र के ढालापर निवासी अजीत पासवान अपने भांजे राजा कुमार से अवैध हथियार मंगवा रहा है। राजा कुमार के कहने पर रामकुमार उर्फ रॉकी ने अपने दोस्त राजा को देसी कट्टा पहुंचाने के लिए योजना बनाई थी। इसी दौरान पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान इनके पास से एक देसी कट्टा बरामद किया गया। फिलहाल दोनों आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। एक अन्य मामले में सिटी एसपी ने बताया कि 10 जुलाई को रानीतालाब थाना क्षेत्र के थाना गांव में बालू कारोबारी रमाकांत यादव की हत्या कर दी गई थी। घटना के अगले दिन पुलिस ने गांव में स्थित रामकुमार यादव के घर से एक देसी कट्टा बरामद किया था।

बिहार में आयोग ने 7.23 करोड़ मतदाताओं के फॉर्म जमा कर किया डिजिटलीकरण

सभी मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में किए जाएंगे शामिल

पटना,(ईएमएस)। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से बिहार में विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) चलाया जा रहा है। आयोग के मुताबिक 7.23 करोड़ मतदाताओं के फॉर्म जमा हो चुके हैं और उनका डिजिटलीकरण कर लिया है। इन सभी मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। शेष मतदाताओं के फॉर्म और बीएलओ रिपोर्ट्स का डिजिटलीकरण भी 1 अगस्त 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इस तरह से अब तक 99.8 फीसदी बिहार के मतदाताओं को कवर किया जा चुका है।जिन मतदाताओं ने फॉर्म नहीं भरा है, जिनका निधन हो गया है या जो स्थायी रूप से अन्यत्र चले गए हैं, उनकी सूची सभी राजनीतिक दलों को सौंप दी गई है। जिन दलों को सूची सौंपी गई है उनमें बसपा, बीजेपी, माकपा, कांग्रेस, राजद, जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय लोक समता पार्टी, भाकपा माले, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास), नेशनल पीपल्स पार्टी और आम आदमी पार्टी शामिल है। आयोग की ओर से राजनीतिक दलों के साथ सूची इसलिए साझा की गई हैं, ताकि 1 अगस्त को प्रकाशित होने वाली ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी भी तरह की त्रुटियों को सुधारा जा सके।स्थानीय बीएलओ-बीएलए की ओर से रिपोर्ट में जो जानकारी दी है, उसमें करीब 22 लाख मृत मतदाताओं के नाम शामिल है। इसके अलावा करीब 7 लाख मतदाता जो एक से ज्यादा स्थानों पर पंजीकृत हैं। वहीं करीब 35 लाख मतदाता जो स्थायी रूप से अन्यत्र चले गए हैं या जिनका पता नहीं चल पाया। करीब 1.2 लाख मतदाताओं के एन्यूमरेशन फॉर्म अभी प्राप्त नहीं हुए हैं। आयोग के मुताबिक एसआईआर के पहले चरण की सफल पूर्णता का श्रेय बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, 38 जिलाधिकारी, 243 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, 2,976 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, 77,895 मतदान केंद्रों पर तैनात बीएलओ, स्वयंसेवकों, सभी 12 राजनीतिक दलों, उनके 38 जिला अध्यक्षों और उनकी ओर से नामित 1.60 लाख बीएलए को जाता है।एसआईआर आदेश के मुताबिक 1 अगस्त से 1 सितंबर तक कोई भी मतदाता या राजनीतिक दल तय प्रपत्रों में आवेदन कर अपने किसी छूटे हुए योग्य मतदाता का नाम जोड़ने या किसी अपात्र मतदाता को हटाने की आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

पटना में वाहन जांच के दौरान मिनी टैंकर से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद

पटना : राज्य में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद शराब की अवैध तस्करी लगातार जारी है। हालांकि पुलिस और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम इस पर अंकुश लगाने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। इसी क्रम में पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल अंतर्गत रानीतालाब थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मिनी टैंकर से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। टैंकर पर इंडियन ऑयल लिखा हुआ था ताकि शक न हो। रानीतालाब थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि एक मिनी टैंकर पिकअप वैन में शराब की खेप अरवल से पटना लाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कनपा पुल के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया। जांच के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध पिकअप वैन (नंबर BR06GA 4234) को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक गाड़ी लेकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर वाहन को रोक तो लिया, लेकिन तब तक चालक मौके से फरार हो गया।

एक अगस्त तक बिहार के सभी जिलों में बारिश के आसार, पटनावासियों को भी मिली गर्मी से राहत

पटना : बिहार में मानसून सक्रिय है। राज्य सभी जिलों में अगले सात दिनों बारिश और वज्रपात के आसार हैं। मौसम विभाग ने शनिवार और रविवार को उत्तर मध्य, उत्तर-पूर्व, दक्षिण पश्चिम, दक्षिण मध्य और दक्षिण पूर्व बिहार के अनेक स्थानों पर बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 26 जुलाई से एक अगस्त को बिहार के सभी जिलों एक या दो स्थानों पर बारिश और वज्रपात के आसार हैं। शनिवार सुबह से ही पटना, जहानाबाद, अररिया, पटना, वैशाली, समस्तीपुर समेत कई इलाकों में बारिश हुई। पटना के कई जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। तेज हवा ने मौसम को सुहाना बना दिया है। लोगों का कहना है कि बारिश ने उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई है। मौसम वैज्ञानिक का कहना है कि मानसून ट्रफ लाइन वर्तमान में दक्षिण बिहार के करीब सक्रिय है, जिसके कारण इन क्षेत्रों में बारिश हो रही है। वहीं बंगाल की खाडी में कम दबाव का क्षेत्र मजबूत हुआ है। इसका असर भी बिहार के मौसम पर दिख रहा है। अगले तीन दिनों तक मौसम ऐसा ही रहेगा। अधिकतम तापमान में गिरावट आएगी। पिछले 24 घंटे में नालंदा में 66.4 एमएम, गया में 56.8 एमएम, 49 एमएम, रोहतास में 43 एमएम, नवादा में 42.4 एमएम, पटना में 39.6, जमुई में 38.4 एमएम, बांका में 38.2 एमएम बारिश हुई है। वहीं पूरे बिहार का तापमान 40 डिग्री से कम रिकॉर्ड किया गया। सबसे अधिक गर्मी पश्चिम चंपारण में पड़ी। यहां का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं सहरसा में 24.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मां के साथ खेत में आई थीं बच्चियां, नहर में डूबने से दो की मौत, गांव में छाया मातम

औरंगाबाद : औरंगाबाद जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र के सलुपरा गांव में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में दो बालिकाओं की नहर में डूबकर मौत हो गई। मृत बच्चियों की पहचान गांव के ही सुनील यादव की 11 वर्षीय पुत्री आरती कुमारी और कमलेश यादव की 14 वर्षीय पुत्री गुड़िया कुमारी के रूप में की गई है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों बालिकाएं अपनी मांओं के साथ खेतों में धान की रोपनी के लिए आई थीं। खेत के समीप बह रही नहर के किनारे वे खेलने लगीं। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे नहर में गिर गईं। नहर की तेज धार में दोनों बहने लगीं। घटना की जानकारी मिलते ही खेतों में काम कर रहे कुछ तैराकी जानने वाले मजदूर नहर में कूदे और काफी दूर जाकर दोनों को बाहर निकाला। इसके बाद परिजन दोनों को आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मदनपुर थाना की पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। इस हृदयविदारक हादसे के बाद गांव में मातम छा गया है। परिजन सदमे में हैं और दोनों की मांओं का रो-रोकर बुरा हाल है। गांववाले भी इस घटना से गहरे आहत हैं।

जमीन रजिस्ट्री कराने आए युवक के साथ मारपीट, चाकू से किया घायल, मची अफरातफरी

सीवान : सीवान जिला निबंधन कार्यालय परिसर शनिवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब रजिस्ट्री कराने आए एक युवक के साथ चार लोगों ने मारपीट की और उसे चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बंजरिया गांव निवासी राकेश कुमार सिंह के रूप में हुई है। घटना के संबंध में घायल राकेश ने बताया कि वह अपने दादा रामजीत सिंह के साथ उनके द्वारा दान में दी जा रही जमीन की रजिस्ट्री कराने आया था। जब दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी हो रही थी, तभी चार लोग वहां पहुंचे और अचानक हमला कर दिया। राकेश के अनुसार, उसके सिर पर चाकू से वार किया गया, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। घायल अवस्था में राकेश को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। राकेश ने बताया कि उसके दादा रामजीत सिंह उसी के साथ रहते हैं और उनकी देखरेख वही करता है। शनिवार को रजिस्ट्री कराने आए थे, तभी यह हमला हुआ। जिला निबंधन कार्यालय में प्रतिदिन सैकड़ों लोग जमीन की खरीद-बिक्री और रजिस्ट्री के लिए आते हैं। कई लोग बड़ी राशि भी साथ लाते हैं। ऐसे में सुरक्षा की व्यवस्था भी रहती है, लेकिन घटना के समय वहां तैनात सुरक्षा कर्मी मूकदर्शक बने रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सुरक्षा व्यवस्था ऐसी ही रही तो किसी दिन कोई बड़ी वारदात हो सकती है। घटना के बाद कार्यालय के कर्मियों ने डायल 112 को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घायल राकेश और उसके दादा को सुरक्षित उनके घर पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जब इस संबंध में जिला निबंधन कार्यालय के वरीय पदाधिकारी से बात की गई तो शुरुआत में उन्होंने ऐसी किसी घटना से इनकार किया। बाद में उन्होंने कहा कि हल्की मारपीट की घटना कार्यालय गेट पर हुई है, परिसर के अंदर नहीं। उन्होंने चाकूबाजी की बात को भी गलत बताया। अवर निबंधक पंकज कुमार झा ने कहा कि घटना आपसी विवाद का मामला है और कार्यालय गेट पर मारपीट हुई थी। उन्होंने परिसर में किसी प्रकार की चाकूबाजी से इनकार किया है।

बैदौली गांव में पत्नी की गला रेतकर हत्या, पति हिरासत में

गोपालगंज : गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के बैदौली गांव में शनिवार की रात एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान शोभा देवी (35 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। मामले में मृतका के पति बहारन यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शोभा देवी की शादी वर्ष 2009 में गोपालगंज नगर थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव निवासी बहारन यादव से हुई थी। करीब दस वर्ष पूर्व बहारन ने कुचायकोट थाना क्षेत्र के बैदौली गांव में जमीन खरीदकर मकान बना लिया था और वहीं अपने परिवार के साथ रहने लगा। वह मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। ग्रामीणों के अनुसार, बहारन को नशे की लत थी और दंपती के बीच अक्सर घरेलू विवाद होते रहते थे, जिस कारण शोभा देवी अधिकतर समय मायके में ही रहती थी। हाल ही में उसे जानकारी मिली कि बहारन ने बैदौली स्थित जमीन किसी अन्य को बेच दी है। इस पर शोभा देवी शुक्रवार को अपने मायके बेलवा से ससुराल पहुंची और पति से जमीन वापस लेने का दबाव बनाने लगी। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार रात शोभा देवी ने अपने बच्चों को मायके भेज दिया था और स्वयं ससुराल में रुक गई थी। देर रात करीब 1 बजे बहारन ने शोर मचाया कि किसी ने शोभा की गला काटकर हत्या कर दी है, इसके बाद वह घर से फरार हो गया।शनिवार सुबह सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी पति को छापेमारी कर हिरासत में ले लिया। मृतका के मायकेवालों ने आरोप लगाया है कि बहारन यादव ने ही जमीन विवाद के चलते शोभा की हत्या की है। थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। हत्या में प्रयुक्त हथियार की तलाश की जा रही है। फॉरेंसिक टीम घटनास्थल की जांच कर रही है और पति से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में महिला सब-इंस्पेक्टर ने की आत्महत्या

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-11 में एक महिला सब-इंस्पेक्टर ने आत्महत्या कर ली। उनका शव घर में पंखे से लटका मिला। महिला सब-इंस्पेक्टर की 2021 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुई थी और वर्तमान में अमन विहार थाने में तैनात थीं। जानकारी के मुताबिक, मृतका का दांपत्य जीवन सामान्य नहीं था और कुछ दिन पहले पति से तलाक होने के कारण वह काफी परेशान रहती थीं। पुलिस को घटना स्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है, लेकिन पुलिस इस पर कुछ भी बोलने से बच रही है। महिला मूल रूप से झज्जर, हरियाणा की रहने वाली थीं। उनके भाई ने जब घर पहुंचकर उन्हें फांसी पर लटका देखा, तो पुलिस को सूचना दी। शाहबाद डेरी थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह आत्महत्या है या इसके पीछे कोई और वजह।

ओडिशाः नाबालिग से गैंगरेप और जिंदा दफनाने की कोशिश

पुरी,(ईएमएस)। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां दो भाइयों ने 15 वर्षीय नाबालिग लड़की से गैंगरेप किया। इसके बाद जब नाबालिग 5 महीने की गर्भवती हो गई, तब दोनों आरोपी भाईयों ने लड़की को जिंदा दफनाने की कोशिश की। पुलिस ने दोनों आरोपियों भाग्यधर दास (60) और पंचानन दास (55) को गिरफ्तार कर लिया है। वे पिछले एक साल से नाबालिग के साथ रेप कर रहे थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी नाबालिग को लगातार अबॉर्शन कराने की धमकी दे रहे थे और उस मदद के बहाने बुलाकर गड्ढे में जिंदा गाड़ने की धमकी दी। पीड़िता किसी तरह बच निकली और अपने पिता को पूरी आपबीती सुनाई, जिसके बाद कुजांग पुलिस स्टेशन में रेप और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया गया। इस मामले में तीसरा संदिग्ध, तुलु, अभी भी फरार है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी भाई एक मठ (आश्रम) में काम करते थे, जहां नाबालिग अक्सर जाती थी। नाबालिग के पिता ने आरोप लगाया कि उन्होंने शुरुआत में एक स्थानीय पंचायत पदाधिकारी को जानकारी दी थी, लेकिन उसने घटना को दबाने के लिए पैसे ऑफर किए और पुलिस में शिकायत करने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी।

कारगिल युद्धः एक पूर्व मेजर का दर्द और जीत की यादें

नई दिल्ली,(ईएमएस)। 1999 के कारगिल युद्ध की यादें आज भी भारतीय सेना के कई जवानों के दिल और दिमाग में ताजा हैं। पूर्व मेजर अशोक शर्मा, जो कारगिल युद्ध के दौरान 244 हैवी मोटर रेजीमेंट के बैटरी कमांडर थे, ने अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि युद्ध में गंभीर चोटें लगने के कारण उन्हें 33 साल की उम्र में सेना छोड़नी पड़ी। शर्मा अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी हैं जिन्होंने भारतीय सेना में सेवा दी है। वे 1998 में ऑपरेशन विजय की लड़ाई लड़ने के बाद कारगिल में पोस्टेड हुए थे। कारगिल युद्ध के दौरान, उन्हें 151 किलोमीटर का दायरा संभालना था और उन्होंने युद्ध जीतने में हर संभव मदद की। टाइगर हिल पर हमले के दौरान उन्होंने पूरे डिवीजन की आर्टिलरी को सपोर्ट किया। ब्लैक रॉक और थ्री पिंपल की लड़ाई के दौरान उन्हें गंभीर चोटें आईं। हालांकि, घायल जवानों के लिए यह लड़ाई आज भी जारी है, क्योंकि उन्हें रोज शारीरिक दर्द से जूझना पड़ता है। इसके बावजूद, कारगिल विजय की खुशी इतनी अधिक है कि उनके सभी दर्द कम हो जाते हैं। आर्मी छोड़ते वक्त कमांडर शर्मा की उम्र मात्र 33 वर्ष थी। 26 जुलाई को जीत की घोषणा हुई और देशभर में जश्न मनना शुरू हो गया। उस दिन को याद करते हुए वे बताते हैं, हर साल 26 जुलाई को इस जीत का जश्न मनाया जाता है, लेकिन हम जैसे घायल जवानों के लिए आज भी लड़ाई जारी है। हम लोगों को अपने शरीर को मेंटेन रखने के साथ साथ रोज फिजिकल दर्द से लड़ना पड़ता है। हालांकि आज भी कारगिल विजय की खुशी इतनी ज्यादा है कि उसके सामने सभी दर्द कम हो जाते हैं।

कांग्रेस का मोदी सरकार पर तंज...ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री की दोस्ती खोखली साबित हो रही

नई दिल्ली (ईएमएस)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर भारतीय कूटनीति की विफलता का आरोप लगाकर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री की दोस्ती खोखली साबित हो रही है। कांग्रेस (महासचिव) के संचार प्रभारी रमेश ने लिखा कि 19 जून, 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा चीन को क्लीन चिट देने की भारत को पहले ही भारी कीमत चुकानी पड़ी है। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी बहुप्रचारित दोस्ती अब खोखली साबित हो रही है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि भारतीय कूटनीति की घोर विफलता, खासकर पिछले दो महीनों में, चार तथ्यों से सबसे दिखाती है। ये तथ्य प्रधानमंत्री मोदी और उनके ढोल पीटने वालों और जयजयकार करने वालों के बड़े-बड़े दावों की पोल खोलते हैं। 10 मई, 2025 से अब तक ट्रंप 25 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया था।

देश में किसानों से ज्यादा छात्र कर रहे आत्महत्या सुप्रीम कोर्ट ने की गाइडलाइंस जारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों ने चौंकाने वाला सच सामने आया है। जहां देश में किसानों से अधिक छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर स्वतः संज्ञान लेकर कहा, "कैंपस में कुछ गड़बड़ है, जिस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।"

दरअसल 2022 में 1,70,924 आत्महत्या के मामलों में से 13,044 छात्र थे। 2001 में यह संख्या 5,425 थी। 2021 के अनुसार, हर 100 आत्महत्याओं में 8 छात्र शामिल। 2,248 छात्रों ने सिर्फ परीक्षा में असफल होने के कारण जान दी।

पेशेवार लोगों के आत्महत्या का प्रतिशत (2021):

25.6 प्रतिशत दिहाड़ी मजूदर, 12.3 प्रतिशत स्वरोजगार, नौकरीपेशा 9.7 प्रतिशत, बेरोजगार 8.4 प्रतिशत, छात्र 8 प्रतिशत और किसान 6 प्रतिशत है।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में स्वंत संज्ञान लेकर 15 गाइडलाइंस जारी की

सभी शिक्षण संस्थानों को मानसिक स्वास्थ्य नीति अपनानी होगी। 100 से अधिक छात्रों वाले संस्थानों में प्रशिक्षित काउंसलर/मनोवैज्ञानिक तैनात करना अनिवार्य होगा। परीक्षा या कोर्स बदलाव पर हर छात्र को मेंटर दिया जाए। कोचिंग संस्थान बैच को परफॉर्मेंस के आधार पर न बांटें। संस्थानों में हेल्पलाइन नंबर और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का प्रावधान।

सभी शिक्षकों व स्टाफ को साल में दो

बार ट्रेनिंग। इतना ही नहीं एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, विकलांग छात्रों से भेदभाव नहीं। यौन उत्पीड़न, रैगिंग पर तत्काल कार्रवाई और पीड़ित को सुरक्षा देना जरुरी करे। अभिभावकों के लिए तनाव पहचानने व दबाव न डालने की जागरूकता। संस्थानों को हर साल मानसिक स्वास्थ्य रिपोर्ट तैयार कर नियामक संस्थाओं को देनी होगी। खेल, कला, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट पर जोर और छात्रहित वाली परीक्षा प्रणाली।

करियर काउंसलिंग और विकल्पों की जानकारी। हॉस्टल का वातावरण नशा, हिंसा और उत्पीड़न से मुक्त। हॉस्टल में सेफ्टी डिवाइस (छत, बालकनी, पंखे आदि)। कोटा, जयपुर, चेन्नई, दिल्ली जैसे कोचिंग हब में विशेष काउंसलिंग। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा कि जब तक संसद कोई ठोस कानून नहीं बनाती, ये गाइडलाइंस पूरे देश में लागू और बाध्यकारी रहेंगी।

आराध्या सिंह ने हनुमान चालीसा का 234 भाषाओं में किया अनुवाद

मोतिहारी,(ईएमएस)। दुनियाभर के युवाओं तक सनातन धर्म की भावना को सरल भाषा में पहुंचाने के उद्देश्य से बिहार के पूर्वी चंपारण की आराध्या सिंह ने अनोखा कमाल किया है, जो न केवल सराहनीय है बल्कि प्रेरणादायी भी है। महज 14 साल की उम्र में उन्होंने हनुमान चालीसा का 234 भाषाओं में अनुवाद किया है। उनकी इस ख्याति की हर तरफ चर्चा हो रही है। आराध्या ने कुल 234 भाषाओं में हनुमान चालीसा का अनुवाद किया है। इसमें मैथिली, भोजपुरी, संस्कृत, अंग्रेजी, कोरियन, जापानी और लैटिन सहित कई अन्य देसी और विदेशी भाषाएं शामिल हैं। आराध्या सिंह ने बताया कि हनुमान चालीसा के ट्रांसलेशन में उन्हें 6 माह का समय लगा है। उन्होंने बताया कि पिछले साल छठ पर्व के समय उन्होंने इस काम की शुरुवाती की थी। हर भाषा के भाव और भावार्थ को समझकर सावधानीपूर्वक इस काम को करते हुए 6 महीने में 234 भाषाओं में हनुमान

चालीसा के अनुवाद पूरा किया है।

इस बारे में आराध्या बताती हैं कि इस प्रयास का मुख्य उद्देश्य देश-विदेश में रहने वाले युवाओं को सनातन धर्म से जोड़ना है। उनका एकमात्र लक्ष्य धार्मिक आस्था को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। मेरी कोशिश है कि युवा हनुमान चालीसा पढ़ें, समझें और इसका पाठ करें।

आराध्या ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दिया। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की सराहना कर कहा कि एलजेपीआर अध्यक्ष ने उन्हें कई बार इस काम के लिए प्रेरित कर प्रोत्साहन दिया। जिस वजह से 234 भाषाओं में हनुमान चालीसा का अनुवाद कर पाना संभव हुआ। वहीं अपनी रचना को लेकर उन्होंने बताया कि 234 भाषाओं में हनुमान चालीसा का अनुवाद करने बाद वह प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन की तैयारी में हैं।

जम्मू-कश्मीर में 4.1 तीव्रता का भूकंप, जान-माल का नुकसान नहीं

श्रीनगर,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 4.1 रही। इसका केंद्र पांच किलोमीटर की गहराई पर 33 अंश उत्तरी अक्षांश और 76.14अंश पूर्वी देशांतर पर स्थित था। जम्मू-कश्मीर के साथ ही इस भूकंप के झटके हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला तक महसूस किए गए। राहत की बात यह है कि फिलहाल किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। यहां बताते चलें कि पिछले सप्ताह किश्तवाड़ में भी 3.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। झटके देर रात 1:36 बजे महसूस हुए थे, लेकिन उस समय भी कोई नुकसान नहीं हुआ। विशेषज्ञों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर भूकंपीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र है। यहां बड़े भूकंप की संभावना हमेशा बनी रहती है। इसी वजह से प्रशासन लगातार अलर्ट पर रहता है।

जातिगत सर्वेक्षण का दिखने लगा असर तेलंगाना में हर उप-जाति को होगा लाभ

हैदराबाद,(ईएमएस)। जातिगत सर्वेक्षण के आधार पर अब राज्य की 59 अनुसूचित जातियों और 33 अनुसूचित जनजातियों को शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत स्तर पर वित्तीय सहायता जैसी सुविधाएं विशेष रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी। इन योजनाओं को हर जाति और उपजाति की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसकी शुरुआत तेलंगाना सरकार कर रही है। यहां हाल ही में किए गए व्यापक जाति सर्वेक्षण के आधार पर एक अभूतपूर्व कदम उठाने की योजना बनाई है, जिसके तहत प्रत्येक उप-जाति के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए लाभ और योजनाएं प्रदान की जाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक का

ध्यान मुख्य रूप से सबसे बड़ी अनुसूचित जाति 'मडिगा' और उसके बाद 'माला'उपजाति पर केंद्रित रहा था, लेकिन नई रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि शेष 57 उपजातियां अब भी काफी पिछड़ी हुई हैं। इस आधार पर सरकार अब इन उपेक्षित जातियों के लिए 'कस्टमाइज्ड स्कीम्स'लागू करेगी। इसी तरह की योजनाएं 134 पिछड़ी जातियों की लगभग 50 उपजातियों के लिए भी तैयार की जाएंगी। यह जानकारी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुधर्शन रेड्डी की अध्यक्षता वाली 11 सदस्यीय विशेषज्ञ समिति द्वारा तैयार की गई 300 पन्नों की रिपोर्ट के बाद सामने आई है, जिसे हाल ही में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को सौंपा गया। राज्य के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क (वित्त एवं योजना, ऊर्जा मंत्री) ने एक अंग्रेजी अखबार से बातचीत में कहा, यह रिपोर्ट केवल आंकड़े नहीं है, बल्कि यह हर समुदाय की सामाजिक और आर्थिक स्थिति की गहरी झलक देती है। हमें अब हर जाति और परिवार स्तर तक विशिष्ट समाधान तैयार करने होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जातियों की संख्यात्मक ताकत के आधार पर सरकार न केवल योजनाएं बनाएगी, बल्कि शिक्षा, रोजगार में आरक्षण, व्यक्तिगत वित्तीय सहायता और राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक में भी ध्यान में रखा जाएगा- यहां तक कि मंडल और जिला परिषद की सीटों तक भी इसका असर दिखेगा।

ईडी के पूर्व अधिकारी को 3 साल की जेल, 5.50 लाख का जुर्माना

बेंगलुरु,(ईएमएस)। बेंगलुरु की विशेष सीबीआई अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के तत्कालीन प्रवर्तन अधिकारी एम. ललित बजाड़ को रिश्वत लेने के मामले में दोषी करार देते हुए तीन साल के साधारण कारावास और 5.50 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है।

इस मामले में सीबीआई अदालत के विशेष न्यायाधीश मंजूनाथ संग्रेशी ने शुक्रवार को फैसला सुनाया। सीबीआई की ओर से वरिष्ठ लोक अभियोजक शिवानंद पेरला ने पैरवी की। जानकारी अनुसार फरवरी 2021 में एम. ललित बजाड़ ने, जो उस समय ईडी बेंगलुरु में प्रवर्तन अधिकारी थे, चाइना लोन घोटाले से जुड़े एक केस में निखिल इन्नानी को समन जारी किया। आरोप है कि उन्होंने केस बंद करने के लिए 5 लाख रुपये की रिश्वत मांगी।

पुणे हवाई अड्डे से 10.5 करोड़ रुपये की ड्रग्स ज़ब्त

पुणे, (ईएमएस)। पुणे हवाई अड्डे पर एक बड़ी कार्रवाई में, सीमा शुल्क विभाग ने एक यात्री से 10.47 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना ज़ब्त किया है, जिसकी कीमत लगभग 10.5 करोड़ रुपये है। सीमा शुल्क विभाग ने यात्री अभिनय अमरनाथ यादव को ड्रग मामले में गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वह इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-1096 से बैंकॉक से पुणे हवाई अड्डे पर उतरा था। दरअसल, जब सीमा शुल्क अधिकारियों ने हिरासत में लिए गए यात्री की संदिग्ध हरकतों के चलते जाँच की, तो उसके पास 10.47 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना मिला, जिसकी कीमत लगभग 10.5 करोड़ रुपये है।

e-Proccurement Cell
ENERGY DEPARTMENT
GOVT.OF JHARKHAND
Electrical Executive Engineer
Electric Works Division, Dhanbad

e- Procurement cell
Short E-Tender Reference No- Energy/EWD/Dhanbad/**07/2025-26**

Sl. No	Name of work	Estimated Cost (Rs)	Tender Fee (BID Document Fee)	Bid Security (EMD Fee 2%)	Complet ion Date
1	S/R to E.I. in Mian Class VI Dormitory and Shoping complex in the campus of Sainik School at Tilaiya, Koderma.	18,56,600.00	5000.00	38000.00	30 days
2	Service Cable laying & load distribution for 2nd & 3rd Floor in Newly Constructed DC Office, Dhanbad.	14,11,508.00	2500.00	28500.00	30 days
3	S/R to Garden light in Ganeshen Park and in front of administrative block in the campus of Sainik School at Tilaiya, Koderama.	13,56,509.00	2500.00	27500.00	30 days
4	Replacement of service cable feeder pillar and high mast light LED luminaries in the campus of Sainik School at Tilaiya, Koderma.	20,45,249.00	5000.00	41000.00	45 days
5	S/R to E.I of Additional AC wiring in Civil Court, Giridih.	32,50,063.00	5000.00	65500.00	45 days
6	S/R to E.I in the 'KH' AAWAS (Total 28 Nos Qtr.) in the campus of JAP - 3 Govindpur Dhanbad	20,43,359.00	5000.00	41000.00	45 days
7	S/R to E.I in P.O (D -Type) of 6 nos, Judicial officers qtr. of Block "A" in Magistrate Colony at Chatra.	11,37,218.00	2500.00	23000.00	30 days
8	S/R to E.I in A and B Block of 8 nos, D type Judicial officers qtr at Chhattarmandu, Ramgarh.	12,88,876.00	2500.00	26000.00	30 days
9	Annual Repair to E.I and Replacement of conventional light fitting with LED panel light in Jharkhand Police Academy at Hazaribagh.	25,15,392.00	5000.00	51000.00	45 days
10	S/R to Internal wiring and external lighting in the residence of director - cum- I.G.(Police) of Jharkhand police academy at Hazaribagh.	15,77,685.00	5000.00	32000.00	30 days
11	Date of Publication of tender on website	04.08.2025			
12	Online bid submission period	From 05.08.2025 at 10:30 am to 11.08.2025 at 2:00 pm			
13	Technical Bid Opening Date	12.08.2025 at 3:00 pm			
14	Name and address of the office inviting tender	Electrical Executive Engineer, Electric Works Division, Dhanbad			
15	Contact no. of Procurement officer	0326-2311382			
16	Helpline number of e- Procurement cell	0651-2490069			

Note- Only online tender will be accepted.
Any change in B.O.Q can be see on website http://jharkhandtenders.gov.in
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Electrical Executive Engineer
Electric Works Division, Dhanbad

PR 358293 Energy (25-26)_D

अब सिद्धामैया और डीके के विशेष कार्य अधिकारी दिल्ली स्थित कर्नाटक भवन में आपस में भिड़े

आखिर क्या हैं इस पूरे मामले की असल वजह

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कर्नाटक की सियासत का आपसी तनाव दिल्ली में खुलकर सामने आ गया, जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के विशेष कार्य अधिकारी (एसडीओ) आपस में भिड़ गए। विवाद इतना बढ़ गया कि कर्नाटक भवन में दोनों अधिकारियों के बीच जमकर तू-तू मैं-मैं हुई, इसके बाद औपचारिक शिकायतें दर्ज की गईं और मामले की जांच की मांग उठी।

सूत्रों के मुताबिक, यह टकराव मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी सी मोहन कुमार और डिप्टी सीएम के विशेष कार्य अधिकारी एच अंजनेया के बीच हुआ। बताया जा रहा है कि कुमार ने अंजनेया को सबके सामने धमकी देकर कहा कि वह उन्हें मार सकते हैं। यह पूरी घटना अन्य सरकारी कर्मचारियों की मौजूदगी में हुई।

इसके बाद अंजनेया ने मामले में अतिरिक्त रेजिडेंट कमिश्नर (एआरसी) और कर्नाटक की मुख्य सचिव शालिनी राजनीश को एक औपचारिक शिकायत दी है। अपनी चिट्ठी में अंजनेया ने लिखा, "अगर मेरे साथ कोई 'दुर्घटना' होती है, तब इसके लिए मोहन कुमार जिम्मेदार होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मोहन कुमार पहले भी एक व्यक्ति के साथ हिंसक व्यवहार कर चुके हैं। अपनी शिकायत में डिप्टी सीएम डीके एसडीओ अंजनेया ने दावा किया, "मुझे जूते से मारा गया, जिससे मेरी प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है। उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाया जाए और मुझे न्याय दिलाया जाए। उन्होंने विभागीय जांच की भी मांग की है।

इस विवाद की शुरुआत एक मौखिक बहस से हुई थी, लेकिन मामला तब और बिगड़ गया जब कर्नाटक भवन की कुछ महिला कर्मचारियों ने डीके के अधिकारी अंजनेया पर अभद्र भाषा और अमर्यादित शब्दों के इस्तेमाल का आरोप लगाया।

सीएमओ के अधिकारियों का कहना है कि महिला कर्मचारियों की शिकायत के बाद मोहन ने अंजनेया से इस बारे में बात की, जिससे मामला और गरमा गया। दोनों अधिकारियों के बीच जोरदार बहस और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला।

शाम को महिला कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से मुलाकात की और डिप्टी सीएम के अधिकारी के व्यवहार को लेकर चिंता जाहिर की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अतिरिक्त रेजिडेंट कमिश्नर को निर्देश दिया कि वह महिला कर्मचारियों की शिकायत की जांच करें और आवश्यक हो, तब औपचारिक जांच शुरू की जाए। इस पूरे घटनाक्रम ने कर्नाटक की राजनीति में अंदरूनी खींचतान और गुटबाजी को फिर उजागर कर दिया है, जो अब दिल्ली की गलियों तक पहुंच चुकी है।

यह घटना कर्नाटक कांग्रेस के भीतर सिद्धारमैया और डीके के बीच चल रही सत्ता की खींचतान का एक और उदाहरण है। दोनों नेताओं के बीच पहले भी कई बार प्रशासनिक और राजनीतिक मुद्दों पर मतभेद सामने आ चुके हैं, जिसमें बजट आवंटन, कैबिनेट पोर्टफोलियो और नौकरशाही नियुक्तियों जैसे मामले शामिल हैं।

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

छात्रों की खुदकुशी पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता-सुधार के लिये नियम

छात्रों की खुदकुशी रोकने पर नाकाम सिस्टम पर सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी केवल एक न्यायिक टिप्पणी नहीं है। बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगा है। हाल के कुछ वर्षों में छात्रों की आत्महत्याओं में बेतहाशा वृद्धि ने सिद्ध कर दिया है, भारत का शैक्षणिक तंत्र बच्चों के मानसिक बोझ, प्रतियोगी दौड़ और असफलता का भय बन गया है। कोचिंग हब बन चुके कोटा, हैदराबाद, पटना बड़े महानगर और अन्य शहरों से हर महीने छात्र एवं छात्राओं की आत्महत्या की रोजाना खबरें आना बडा सामान्य हो गया है। शायद ही ऐसा कोई दिन छूटता हो, जब समाचार पत्रों में आत्महत्या की खबर देखने को ना मिलती हो। सामाजिक व्यवस्था और शिक्षा के क्षेत्र में यह एक खतरनाक संकेत है। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों के लिए जो 15 दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वह शिक्षा के मानवीय संवेदनशील पक्ष को बहाल करने की दिशा में स्वागत योग्य पहल है। मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा के लिए बेहतर नीति लागू करने, प्रशिक्षित काउंसलर नियुक्त करने, छात्रों के बीच नंबर के आधार पर तुलना न करने, कोचिंग संस्थानों के पाठ्यक्रम का मानकीकरण जैसे बिंदु पर सुप्रीम कोर्ट ने ध्यान दिया है। यह नीतिगत हस्तक्षेप स्पष्ट करता है। शिक्षा केवल अंक लाने या रैंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं हो सकता। किताबी ज्ञान और रटंतु विद्या किसी का कैरियर नहीं बना सकती है। शिक्षा पारिस्थिति और वर्तमान की आवश्यकता को देखते हुए जरूरी है। शिक्षा का तंत्र ऐसा हो, जिसमें हर छात्र को समझा जाए, सुना जाए, मानसिक रूप से जिस शिक्षा के लिए वह पात्र हो, उसे जानकर शिक्षित किया जाए। सुप्रीमकोर्ट के इन निर्देशों की खास बात यह है कि इनमें न केवल छात्रों की मानसिक स्थिति को प्राथमिकता दी गई है। कोचिंग और शैक्षणिक संस्थानों की जवाबदेही भी तय की गई है। यह समझना आवश्यक है, 15 से 25 वर्ष के बीच की आयु के युवा प्रतियोगी परीक्षाओं और कैरियर बनाने के लिए सबसे संवेदनशील उम्र होती है। परीक्षा का दबाव, माता-पिता की अपेक्षाएं और भविष्य की अनिश्चितता, छात्र को अकेलेपन और भविष्य की संभावनाओं की चिंता में धकेल देती हैं। आर्थिक और मानसिक रूप से इस उम्र के युवा डर और भय में जीते हैं। शैक्षणिक एवं कोचिंग संस्थाएं इस मानसिक स्थिति की उपेक्षा करती हैं। ऐसी स्थिति में छात्र और छात्राओं के ऊपर बहुत प्रेशर होता है। जब उन्हें लगता है, इतना प्रेशर उनके लिए झेल पाना संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में वह आत्महत्या जैसी कदम उठा लेते हैं। सामाजिक और पारिवारिक सोच से जिस तरह बच्चों के ऊपर, भविष्य की चिंता को लेकर डर और भय बनाया जा रहा है। जो युवाओं को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का कारण बन रहा है। माता-पिता, कोचिंग संस्थान सरकार की शिक्षा नीति, प्रतियोगी परीक्षाओं में एक पद के पीछे हजारों बेरोजगारों की भीड़ से युवा अशांत और असुरक्षित है। ऐसी स्थिति में वह आत्महत्या जैसा कदम उठा लेता है। इसके लिए माता-पिता, कोचिंग संस्थान और सामाजिक दबाव और केरियर की चिंता जिम्मेदार है। इस दिशा में राज्य सरकारों और केंद्र सरकार की भूमिका और जिम्मेदारी सबसे महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट ने नीति आयोग को 90 दिन के अंदर दिशा-निर्देश की रिपोर्ट सौंपने को कहा है। जो आगे चलकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हिस्सा बने, यह आशा है। शिक्षा जगत केवल ज्ञान और डिग्री देने की प्रक्रिया नहीं है। शिक्षा इंसान को बेहतर इंसान बनाने की यात्रा है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो प्रतिस्पर्धा के स्थान पर रोजगार उपलब्ध कराए। जिस तरह पानी अपना रास्ता स्वयं बनाता है। वैसे ही कैरियर में सफलता, अनुभव और समय के साथ मिलती है। परिवार, केंद्र एवं राज्य सरकारों को यह समझना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने जो पहल की है। उसमे शिक्षा को अधिक सुरक्षित, समावेशी रोजगार मुखी, करुणाशील बनाने की दिशा में सार्थक पहल हो सकती है। वर्षों पुरानी शिक्षा के आयाम वर्तमान में काम नहीं आते हैं। जिस तरह से रोजाना नए-नए तकनीकी परिवर्तन हो रहे हैं। रोजगार के नए-नए तौर तरीके सामने आ रहे हैं। डिजिटल तकनीकी के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों का ज्ञान हमेशा कंप्यूटर और मोबाइल पर हमेशा उपलब्ध है। जो ज्ञान पहले 20 से 30 वर्षों में बदलाव की स्थिति में आता था, अब वह तीन से चार महीने में बदल जाता है। वर्तमान पीढ़ी के साथ मोबाइल और कंप्यूटर छाया की तरह साथ-साथ चलता है। ऐसी स्थिति में वर्तमान और भविष्य की जरूरत के हिसाब से पढ़ाई और प्रशिक्षण की आवश्यकता है। इस बात को ध्यान रखने की जरूरत है। ज्ञान अनुभव में आता है, उसके बाद जरूरत के अनुसार ज्ञान में परिवर्तन, समय के साथ होता है। शिक्षा व्यवस्था में इस बात का ध्यान रखा जाना जरूरी है। पहले जो शिक्षा व्यवस्था के नियम थे, वह वर्तमान एवं भविष्य के लिये प्रभावी साबित नहीं हो रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह बदलाव विश्व व्यापी है। सारा विश्व एक ही ज्ञान के सहारे आगे बढ़ रहा है। शिक्षा और तकनीकी का आदान-प्रदान बहुत कम समय में सारे विश्व में एक साथ देखने को मिलता है। सुप्रीम कोर्ट जब इस समस्या पर विचार कर रही है। सुप्रीमकोर्ट को सरकारों की सोच से हटकर वर्तमान और भविष्य की जरूरत को ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा व्यवस्था बने। अंकों के स्थान पर ज्ञान को प्राथमिकता मिले, इस दिशा में सोचने की जरूरत है। जिस तरह से युवा पीढ़ी, परिवार समाज और करियर के दबाव में आत्महत्या जैसी कदम उठा रही है। इसको तत्काल रोकने की जरूरत है। शिक्षा तंत्र में डिग्री के स्थान पर जरूरत के अनुसार रिसर्च वर्क ज्यादा से ज्यादा हो। अनुभव के आधार पर बदलते हुए ज्ञान पर देकर शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव करना होगा।

ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता- नए भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि

पीयूष गोयल

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर पहचान देने के साथ-साथ रोजगार के असंख्य अवसरों का सृजन करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप लोगों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगा। भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है। प्रधानमंत्री की रणनीति- वर्ष 2014 में, मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को पुनः स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई। विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना, इस व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है। एफटीए, व्यापार नीतियों के बारे में अनिश्चितताओं को दूर करते हुए निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाते हैं। विकसित देशों के साथ एफटीए, जिनके भारत के साथ प्रतिस्पर्धी व्यापारिक हित नहीं हैं, दोनों पक्षों के लिए लाभप्रद है, जबकि पिछली सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने का रवैया अपनाया था। यूपीए शासनकाल में, विकसित देशों ने भारत के साथ व्यापार वार्ता लगभग रोक दी थी और उस समय भारत को दुनिया की पाँच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार में आसानी और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभरने में सहायता की है। आज, दुनिया भारत की अद्भुत गाथा में भागीदारी के साथ-साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहती है। बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त- यह एफटीए ब्रिटेन के बाजार के सभी क्षेत्रों में भारतीय वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा। यह लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों के टैरिफ को समाप्त करते हुए व्यापार मूल्य के लगभग 100 प्रतिशत को कवर करता है। इस समझौते के अंतर्गत 56 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार से सृजित होने वाले व्यापक अवसरों के वर्ष 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है।

छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। फुटबॉल, क्रिकेट उपकरण, रग्बी गेंदें और खिलौने बनाने वाली कंपनियों का ब्रिटेन में अपने कारोबार में उल्लेखनीय विस्तार होगा।

आज भी याद आते हैं मिसाइल मैन डॉ. कलाम

हर्षवर्धन पान्डे

सपने वो नहीं होते जो आपको रात में नींद में आएं लेकिन सपने वे होते हैं जो रात में सोने ना दें। ऐसी बुलंद सोच और अग्नि सरीखी ऊँची उड़ान रखने वाले मिसाइलमैन कलाम ही थे जिन्हें जनता का राष्ट्रपति यूँ ही नहीं कहा जाता था। उनका जीवन सादगी, समर्पण और देशभक्ति का प्रतीक है। एक वैज्ञानिक, शिक्षक, लेखक और भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में, उन्होंने न केवल विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में योगदान दिया, बल्कि लाखों युवाओं को सपने देखने और उन्हें साकार करने की प्रेरणा भी दी। अपने राष्ट्रपति पद के 5 बरस के कार्यकाल में डॉ. अबुल पकिर जैनुलआब्दीन अब्दुल कलाम ने अन्य राष्ट्रपति के कार्यकालों के मुकाबले न केवल अमिट छाप छोड़ी बल्कि ऐसी मिसाल भारतीय राजनीति में दूर -दूर तक देखने को नहीं मिलती। डॉ. कलाम ने राष्ट्रपति पद के दरवाजे ना केवल आम आदमी के लिए ही नहीं खोले बल्कि समाज के हर तबके को अपने साथ जोड़ने की कोशिश की। अपनी सादगी से उन्होंने पूरे देश की जनता का दिल जीता। डॉ. कलाम की शख्सियत ही यूँ थी कि हर कोई उनका मुरीद हो जाता था। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए भी वह आम इंसान की तरह सादगी में रहते थे। वह देश के उन सम्मानित व्यक्तियों में से एक थे जिन्होंने एक वैज्ञानिक और एक राष्ट्रपति के रूप में अपना अमूल्य योगदान देकर देश सेवा की। राष्ट्रपति पद पर अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद से डॉ. कलाम शिलांग, अहमदाबाद और इंदौर के भारतीय प्रबंधन संस्थानों तथा देश एवं विदेश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में अतिथि प्रोफेसर के रूप में कार्यरत थे। डॉ. कलाम ने राष्ट्राध्यक्ष रहते हुए राष्ट्रपति भवन के दरवाजे आम जन के लिए खोल दिए जहां बच्चे उनके विशेष अतिथि होते थे। वे हमेशा शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने की बात करते थे। उनकी दृष्टि थी कि भारत 2020 तक एक विकसित राष्ट्र बने, जिसे उन्होंने अपनी पुस्तक विजन 2020 में विस्तार से व्यक्त किया।

15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में पैदा हुए अब्दुल कलाम ने मद्रास इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलोजी से स्नातक करने के बाद भौतिकी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग का अध्ययन किया और फिर उसके बाद रक्षा शोध एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) से जुड़ गए। उनका बचपन भी बड़ा संघर्ष पूर्ण रहा। प्राइमरी स्कूल के बाद कलाम ने श्वाट्‌र्ज हाईस्कूल, रामनाथपुरम में प्रवेश लिया। वहां की शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने 1950 में सेंट जोसेफ कॉलेज, तिरुचिन्नापल्ली में प्रवेश लिया। वहां से उन्होंने भौतिकी और गणित विषयों के साथ बीएससी की डिग्री प्राप्त की। अपने अध्यापकों की सलाह पर उन्होंने स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए मद्रास इंस्टीयट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई का रुख किया। वहां पर उन्होंने एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का चयन किया।

कलाम की इच्छा थी कि वे वायु सेना में भर्ती हों तथा देश की सेवा करें। यह इच्छा पूरी न हो पाने पर उन्होंने बे-मन से रक्षा मंत्रालय के तकनीकी विकास एवं उत्पाद का चुनाव किया। वहां पर उन्होंने 1958 में तकनीकी केन्द्र सिविल विमानन में वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक का कार्यभार संभाला। उन्हीं दिनों इसरो में स्वदेशी क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से ''उपग्रह प्रक्षेपण यान कार्यक्रम' की शुरुआत हुई। कलाम को इस योजना का प्रोजेक्ट डायरेक्टर नियुक्त किया गया जिसे उन्होंने अंजाम तक पहुंचाया। जुलाई 1980 में ''रोहिणी' उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा के निकट स्थापित करके भारत को ''अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष क्लब' के सदस्य के रूप में स्थापित कर दिया। उनकी देखरेख में भारत ने अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों का विकास किया जिसने भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया। इसके अलावा, उन्होंने 1980 में ही एसएलवी थर्ड के सफल प्रक्षेपण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसने भारत को अंतरिक्ष में उपग्रह प्रक्षेपण की क्षमता प्रदान की। डॉ. कलाम ने भारत को रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से रक्षामंत्री के तत्कालीन वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. वीएस अरुणाचलम के मार्गदर्शन में ''इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम' की शुरुआत की। इस योजना के अंतर्गत ''त्रिशूल' ''आकाश', ''नाग', ''अग्नि' एवं ''ब्रह्मोस' मिसाइलें विकसित हुईं। डॉ. कलाम ने जुलाई 1992 से दिसम्बर 1999 तक रक्षा मंत्री के विज्ञान सलाहकार तथा डीआरडीओ के सचिव के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। उन्होंने भारत को ''सुपर पॉवर' बनाने के लिए 11 मई और 13 मई 1998 को सफल परमाणु परीक्षण किया। इस प्रकार भारत ने परमाणु हथियार के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की और यह डॉ.कलाम की ही रणनीति थी कि पोकरण विस्फोटों की भनक अमरीका तक को नहीं लगी और परीक्षण सफल हुआ। डॉ. कलाम नवम्बर 1999 में भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे और फिर 25 जुलाई 2002 को भारत के ग्यारहवें राष्ट्रपति बने। उनका कार्यकाल उनकी सादगी और जनता से जुड़ाव के लिए जाना जाता है। उन्होंने राष्ट्रपति भवन को जनता का भवन बनाया और विशेष रूप से युवाओं के साथ हर दिन समय बिताया। वे 25 जुलाई 2007 तक इस पद पर रहे। उनको पहली बार राष्ट्रपति बनाने में नेताजी ने मास्टर स्ट्रोक उस दौर में चला था जब तत्कालीन दौर के वामपंथी दल और विपक्ष एनडीए के इस फैसले के साथ गया था। दूसरी कार्यकाल के लिए सबसे पहले नेताजी ने तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी के साथ डॉ. कलाम को राष्ट्रपति बनाने की बात सामने रखी थी लेकिन कांग्रेस की पसंद प्रणव मुखर्जी थे और वह डॉ.कलाम के साथ नहीं थी। डॉ. कलाम को दूसरे कार्यकाल की कोई चाह नहीं थी लेकिन करोड़ों प्रशंसकों का दिल उन्होनें नहीं तोड़ा और अपने दूसरे कार्यकाल के चयन पर सभी दलों की सम्मति को जरूरी बताया लेकिन कांग्रेस शायद उन्हें दूसरा कार्यकाल न देने एक मन शायद बना चुकी थी।

उनकी जीवनी ''विंग्स ऑ फायर' और तेजस्वी मन आज भी भारतीय युवाओं और बच्चों के बीच बेहद लोकप्रिय पुस्तक है। डॉ. कलाम की लिखी पुस्तकों में ''गाइडिंग सोल्स : डायलॉग्स ऑन द पर्पज ऑफ लाइफ' एक गंभीर कृति है। इनके अतिरिक्त उनकी अन्य चर्चित पुस्तकें ''इग्नाइटेड माइंड्स : अनलीशिंग द पॉवर विदिन इंडिया' ''एनिवजनिंग अन एमपार्वड नेशन : टेक्नोलॉजी फॉर सोसायटल ट्रांसफारमेशन', ''डेवलपमेंट्स इन फ्ल्यूड मैकेनिक्सि एण्ड स्पेस टेक्नालॉजी', ''2020: ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम' सह लेखक- वाईएस राजन, ''इनिवजनिंग ऐन इम्पॉएर्वड नेशन : टेक्नोलॉजी फॉर सोसाइटल ट्रांसफॉरमेशन' सह लेखक- ए सिवाथनु पिल्ललई बेस्टसेलर रही हैं। डॉ. कलाम ने तमिल भाषा में कविताएं भी लिखी जो अनेक पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई हैं। उनकी कविताओं का एक संग्रह ''द लाइफ ट्री' के नाम से अंग्रेजी में भी प्रकाशित हुआ है। डॉ. कलाम की योग्यता के दृष्टिगत सम्मान स्वरूप उन्हें अन्ना यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, कल्याणी विश्वविद्यालय , हैदराबाद विश्वविद्यालय, जादवपुर विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, मैसूर विश्वविद्यालय, रूड़की विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, मद्रास विश्वविद्यालय, आंध्र विश्वविद्यालय, भारतीदासन छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, तेजपुर विश्वविद्यालय, कामराज मदुरै विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी मुंबई, आईआईटी कानपुर, बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी, इंडियन स्कूल ऑफ साइंस, सयाजीराव ऑफ बड़ौदा, मनीपाल एकेडमी ऑफ हॉयर एजुकेशन ने अलग-अलग ''डॉक्टर ऑफ साइंस' की मानद उपाधियां प्रदान की। जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय हैदराबाद ने तो उन्हें ''पीएचडी' तथा विश्वभारती शान्ति निकेतन और डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विविद्यालय औरंगाबाद ने उन्हें डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की मानद उपाधियां प्रदान की। इनके साथ वे इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग, इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज बेंग्लुरू, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस नई दिल्ली के सम्मानित सदस्य, एरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रानिक्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियर्स के मानद सदस्य, इजीनियरिंग स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया के प्रोफेसर तथा इसरो के विशेष प्रोफेसर रहे। डॉ. कलाम को नेशनल डिजाइन अवार्ड-1980 (इंस्टीटयूशन ऑफ इंजीनियर्स भारत), डॉ. बिरेन रॉय स्पेस अवार्ड-1986 (एरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया), ओम प्रकाश भसीन पुरस्कार, राष्ट्रीय नेहरू पुरस्कार-1990 (मध्य प्रदेश सरकार), आर्यभट्ट पुरस्कार-1994, प्रो. वाई नयूडम्मा मेमोरियल गोल्ड मेडल-1996, जीएम मोदी पुरस्कार-1996, एचके फिरोदिया पुरस्कार-1996, वीर सावरकर पुरस्कार-1998 आदि मिले। उन्हें राष्ट्रीय एकता के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार (1997) भी प्रदान किया गया।

भारत सरकार ने उन्हें क्रमशः पद्म भूषण (1981), पद्म विभूषण (1990) एवं ''भारत रत्न' सम्मान (1997) से भी विभूषित किया गया।

राष्ट्रपति के रूप में डॉ. कलाम की पहचान अलहदा थी। अपनी अनोखी संवाद शैली के चलते डॉ. कलाम अपने भाषणों में बच्चों को हमेशा शामिल करते थे। व्याख्यान के बाद वह अक्सर छात्रों से उन्हें पत्र लिखने को कहते थे और प्राप्त होने वाले संदेशों का हमेशा तुरंत जवाब देते थे। वीआईपी की परम्पराओं को तोड़कर हर बार मंच से नीचे उतरकर बच्चों से हाथ मिलाने चले जाते थे। अपने कार्यकाल में लाभ के पद संबंधी विधेयक को मंजूरी देने से इनकार करके यह साबित कर दिया था कि वह एक ''रबर स्टैम्प' राष्ट्रपति नहीं हैं। इतना कुछ होने के बाद भी बतौर राष्ट्रपति अपने कार्यकाल में कई आलोचना का भी सामना करना पड़ा। डॉ.कलाम ने अपने पांच साल के कार्यकाल में 21 में से केवल एक दया याचिका पर कार्रवाई की और बलात्कारी धनंजय चटर्जी की याचिका को नामंजूर कर दिया जिसे बाद में फांसी दी गई। यही नहीं, उन्होंने संसद पर आतंकवादी हमले में दोषी करार दिए जाने के बाद मौत की सजा पाने का इंतजार कर रहे अफजल गुरु की दया याचिका पर फैसला लेने में देरी को लेकर अपने आलोचकों को जवाब दिया और कहा कि उन्हें सरकार की ओर से कोई दस्तावेज नहीं मिला जिसके चलते वह कोई कदम नहीं उठा सके। बिहार में वर्ष 2005 में राष्ट्रपति शासन लगाने के विदेश से लिए गए अपने विवादास्पद फैसले पर भी उनको बड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। हालांकि उन्होंने यह कहते हुए आलोचनाओं को खारिज कर दिया कि उन्हें कोई अफसोस नहीं है।

राष्ट्रपति पद से विदाई के बाद डॉ. कलाम रिटायर और टायर्ड नहीं हुए। तकरीबन 300 से भी ज्यादा कालेजों और स्कूल में वह अपना लेक्चर देने गए। उनके जीवन में 2011 में एक मौका ऐसा भी आया जब अमरीका के एयरपोर्ट में पूर्व राष्ट्रपति होने के बाद भी उनकी सघन तलाशी ली गयी जहाँ उनके कपड़े उतारे जाने की घटना से पूरा देश आहत हुआ था लेकिन डॉ. कलाम ने इस पर कुछ भी नहीं कहा। यह उनकी महानता और जीवटता थी जो उन्हें महामहिम सरीखे शिखर पर ले गई और हमेशा आम इंसान की तरह बेरोकटोक अपना काम समर्पित भाव से करते रहे। डॉ.कलाम ने अपने कार्यकाल में कई राजसी परम्पराओं को तोड़ा। महामहिम होते भी वह सादा जीवन थे। पूरा देश मानो उनका परिवार था।

इस जेनरेशन के बच्चों क़े लिए डॉ. कलाम ही आईकन थे। बच्चों से खुलकर बातें करना, उनको पढ़ाना उन्हें बहुत अच्छा लगता था और संयोग देखिये शिलांग में 27 जुलाई 2015 की शाम डॉ. कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में एक व्याख्यान दे रहे थे तब दिल का दौर पड़ने से वे बेहोश हो कर गिर पड़े जिससे उनकी साँसों की डोर हमेशा थम गई और पूरा देश महान वैज्ञानिक के निधन से शोक संतप्त हो गया। बेशक उनके निधन से देश ने महान वैज्ञानिक खो दिया है लेकिन इतिहास के पन्नों में वह जनता के राष्ट्रपति के रूप में वह आज भी हमारे दिलों में हमेशा अमर रहेंगे। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपने कार्यों और विचारों से भारत को नई दिशा दी। उनकी सादगी, दृढ़ संकल्प और देश के प्रति प्रेम हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वे न केवल एक वैज्ञानिक या राष्ट्रपति थे बल्कि एक ऐसे शिक्षक थे जिन्होंने हमें सपने देखने और उन्हें सच करने का साहस दिया।

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के भारत के मिसाइल रत्न हैं

संजय गोस्वामी

डॉ अब्दुल कलाम कलाम की पुण्यतिथि 27 जुलाई पर विशेष

डॉ कलाम साहब को मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता था। वे भारत के भारतीय गणतंत्र के ग्यारहवें निर्वाचित राष्ट्रपति थे। डॉ अब्दुल कलाम को पीपल्स प्रेजिंडेट भी कहा जाता था उनका मानना था कि श्इंतजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। ऐसे प्रेरणादायी शब्द से छात्रों को संबोधित करते रहते थे।

एक साधारण परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को धनुषकोडी गाँव (रामेश्वरम, तमिलनाडु) में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम परिवार में इनका जन्म हुआ। अपनी मेहनत और बुद्धिमता से ना सिर्फ विज्ञान के क्षेत्र में प्रसिद्धि हासिल की और भारत के राष्ट्रपति पद तक का सफर तय किया बल्कि ये भी साबित किया कि अगर कोई इंसान ठान ले तो कुछ भी असंभव नहीं है। 1963 में कलाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान, इसरो से जुड़े और यहां भी भारत की ताकत को बढ़ाने में अपना योगदान दिया। सैटेलाइट लॉन्च वेहिकल यानी ैस्ट के प्रॉजेक्ट मिशन से जुड़े। अब्दुल कलाम को मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है उन्होंने अपनी मेहनत और क्षमता के दम पर भारत को वो शक्ति दी जिससे भारत अपनी धाक दुनिया के सामने जमा सका। 1982 में कलाम रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, क्त्क्व् से जुड़े और उनके नेतृत्व में ही भारत ने नाग, पृथ्वी, आकाश, त्रिशूल और अग्नि जैसे मिसाइल विकसित किए। इन्होंने भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किये। उनके भाषणों में कम से कम एक कुरल का उल्लेख अवश्य रहता था। राजनीतिक स्तर पर कलाम की चाहत थी कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका विस्तार हो और भारत ज्यादा से ज्याद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाये। भारत को महाशक्ति बनने की दिशा में कदम बढाते देखना उनकी दिली चाहत थी। उन्होंने कई प्रेरणास्पद पुस्तकों की भी रचना की थी और वे तकनीक को भारत के जनसाधारण तक पहुँचाने की हमेशा वकालत करते रहे थी। बच्चों और युवाओं के बीच डाक्टर कलाम अत्यधिक लोकप्रिय थे। वह भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के कुलपति भी थे।ष्ट्रपति पद से सेवामुक्त होने के बाद डॉ कलाम शिक्षण, लेखन, मार्गदर्शन और शोध जैसे कार्यों में व्यस्त रहे और भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिल्लोंग, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर, जैसे संस्थानों से विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर जुड़े रहे। इसके अलावा वह भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर के फेलो, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ स्पेस

साइंस एंड टेक्नोलॉजी, थिरुवनन्थपुरम, के चांसलर, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के प्रोफेसर भी रहे।उन्होंने आई। आई। आई। टी। हैदराबाद, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी और अन्ना यूनिवर्सिटी में सूचना प्रौद्योगिकी भी पढ़ाया था।कलाम हमेशा से देश के युवाओं और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के बारे में बातें करते थे। इसी सम्बन्ध में उन्होंने देश के युवाओं के लिए "व्हाट कैन आई गिव" पहल की शुरुआत भी की जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सफाया है। देश के युवाओं में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें 2 बार (2003 - 2004) 'एम।टी।वी। यूथ आइकॉन ऑफ़ द इयर अवार्ड' के लिए मनोनित भी किया गया था।वर्ष 2011 में प्रदर्शित हुई हिंदी फिल्म 'आई ऍम कलाम' उनके जीवन से प्रभावित है। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड्स, इंडिया 2020 जैसी कई मशहूर और प्रेरणा देने वाली किताबें लिखी हैं। जो खासकर छात्रों को प्रेरित करती रही।इन्होंने 1974 में भारत द्वारा पहले मूल परमाणु परीक्षण के बाद से दूसरी बार 1998 में भारत के पोखरान-द्वितीय परमाणु परीक्षण में एक निर्णायक, संगठनात्मक, तकनीकी और राजनैतिक भूमिका निभाई।! सपने वो नहीं होते जो रात को सोने समय नींद में आये, सपनें वो होते हैं जो रातों में सोने नहीं देतेश्। ऐसे दमदार विचार रखने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम अब इस दुनिया में नहीं रहे। किये।27 जुलाई 2015 की शाम डॉ अब्दुल कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में श्रहने योग्य ग्रहश् पर एक व्याख्यान दे रहे थे जब उन्हें जोरदार कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) हुआ और ये बेहोश हो कर गिर पड़े। लगभग 6:30 बजे गंभीर हालत में इन्हें बेथानी अस्पताल में आईसीयू में ले जाया गया और दो घंटे के बाद इनकी मृत्यु की पुष्टि कर दी गई। जिसके बाद करोड़ों लोगों के प्रिय और चहेते डॉ अब्दुल कलाम परलोक सिधार गए।

अब्दुल कलामः जो सपना देखना भी सिखा गए और जीना भी

योगेश कुमार गोयल

डा. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर विशेष

'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। देश के महान् वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वह एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम ने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों को दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया, उसी के दिल को जीत लिया। देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें।

15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड', 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी। 1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर।

देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए कलाम साहब ने अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका पूरा परिवार (कुल 52 सदस्य) उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे।

भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड एसेसमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है।

डा. कलाम कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो।

उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। यह महान् विभूति 27 जुलाई 2015 को भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग में एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ने पर सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई।

हरियाली तीजः परंपरा की जड़ें और आधुनिकता की डालियाँ

प्रियंका सौरभ

हरियाली तीज केवल श्रृंगार, झूला और व्रत का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय स्त्री के आत्मबल, प्रेम और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है। आधुनिकता की दौड़ में यह त्योहार भले ही प्रदर्शन का माध्यम बनता जा रहा हो, पर इसकी आत्मा अब भी स्त्री के मन, पर्यावरण और लोकसंस्कृति में जीवित है। यह पर्व रिश्तों में स्थायित्व, समाज में समरसता और जीवन में हरियाली लाने का संदेश देता है। आवश्यकता है इसे सादगी, सामूहिकता और संवेदना के साथ फिर से जीने की, ताकि परंपरा आधुनिकता के संग आगे बढ़े।

हरियाली तीज का नाम लेते ही आँखों के सामने एक चित्र उभरता है—हरा चूनर ओढ़े खेत, बारिश की बूंदों से भीगी धरती, झूलती बालाएं, मेंहदी रचे हाथ और लोकगीतों की सुमधुर गूंज। पर यह चित्र अब केवल स्मृति में रह गया है, क्योंकि आधुनिकता की तेज़ रफ्तार ने परंपराओं के रंगों को हल्का कर दिया है। फिर भी हरियाली तीज आज भी भारतीय स्त्रियों के मन में गहरे तक रची-बसी है। यह पर्व आज केवल धार्मिक या पारंपरिक नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक और सांस्कृतिक संदर्भों में भी विशेष महत्व रखता है।

हरियाली तीज वर्षा ऋतु में मनाया जाने वाला एक प्रमुख पर्व है, जो शिव-पार्वती के पुनर्मिलन की स्मृति में विवाहित महिलाओं द्वारा मनाया जाता है। यह श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया को आता है, जब आसमान बादलों से भर जाता है और धरती पर हरियाली बिछ जाती है। हरियाली तीज का मूल भाव प्रेम, समर्पण, सौंदर्य और प्रकृति के साथ तादात्म्य का है। पहले जहां इस पर्व को गाँवों और कस्बों में सामूहिक रूप से खुले वातावरण में मनाया जाता था, वहीं आज शहरी अपार्टमेंटों, वातानुकूलित हॉलों और सोशल मीडिया की चमक में इसकी आत्मा कहीं खोती जा रही है।

प्रश्न यह नहीं है कि पर्व मनाया जा रहा है या नहीं, प्रश्न यह है कि हम किस भाव से उसे निभा रहे हैं। पहले यह त्योहार स्त्रियों को सालभर की व्यस्तता और परिश्रम से थोड़ी राहत देने वाला, उनके भावनात्मक संसार को सहेजने वाला एक सहज अवसर होता था। स्त्रियाँ बिना किसी दिखावे के, प्राकृतिक परिवेश में एक-दूसरे से मिलती थीं, अपने सुख-दुख साझा करती थीं, लोकगीतों में अपने अनुभवों को पिरोती थीं। लेकिन अब यह पर्व कहीं-कहीं 'सर्वश्रेष्ठ श्रृंगार प्रतियोगिता', 'तीज क्वीन' और 'सेल्फी विद स्विंग' जैसे आयोजनों में तब्दील हो गया है, जहाँ संवेदना की जगह प्रतियोगिता ने ले ली है।

हरियाली तीज स्त्री मन के उस पक्ष को उजागर करता है जो प्रेम, प्रतीक्षा और पारिवारिक समर्पण से जुड़ा होता है। आज के दौर में जब रिश्ते त्वरित संवाद और क्षणिक भावनाओं में बदलते जा रहे हैं, तब यह पर्व स्थायित्व, आस्था और धैर्य का संदेश देता है। यह पर्व यह भी सिखाता है कि संबंधों को केवल अधिकार से नहीं, कर्तव्य और भावना से निभाया जाता है। पति की दीर्घायु के लिए व्रत रखना हो या शिव-पार्वती जैसे दांपत्य संबंधों की कल्पना, इन सबमें एक ऐसा भाव छिपा है जो स्त्री को त्याग का नहीं, बल्कि आत्मबल का प्रतीक बनाता है। आधुनिक संदर्भ में देखें तो यह पर्व कई नए अर्थों को जन्म देता है। जहां पहले तीज केवल विवाहित स्त्रियों तक सीमित थी, अब कई स्थानों पर इसे अविवाहित लड़कियाँ भी आत्मिक अनुभूति और सामूहिक संस्कृति के रूप में मनाने लगी हैं। कार्यरत महिलाओं के लिए यह पर्व अपने अस्तित्व और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ने का एक माध्यम बनता जा रहा है। वही महिलाएं, जो दिनभर कार्यालयों में कंप्यूटर की स्क्रीन के सामने बैठी रहती हैं, तीज के अवसर पर झूला झूलते हुए कुछ पल के लिए प्रकृति के साथ जुड़ जाती हैं। यह जुड़ाव आज की मानसिक थकान और तनाव के दौर में एक भावनात्मक उपचार जैसा है।

परंतु आधुनिकता की यह यात्रा केवल सकारात्मक बदलाव नहीं लाती। तीज अब एक 'सोशल मीडिया इवेंट' बन गया है, जहाँ हर महिला को यह सोचकर श्रृंगार करना पड़ता है कि उसकी फोटो सबसे सुंदर दिखे। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर #TeejLook, #GreenDressChallenge और #TeejVibes जैसे ट्रेंड त्योहार को ग्लैमर से तो भरते हैं, पर उसकी आत्मा को खोखला भी करते हैं। त्योहार अब मन की खुशी से ज़्यादा दिखावे की होड़ में शामिल हो गया है। यही कारण है कि त्योहार बीतने के बाद भी मन संतुष्ट नहीं होता, क्योंकि वह जुड़ाव, वह सामूहिकता, वह आत्मीयता अब केवल तस्वीरों में सीमित रह जाती है।

हरियाली तीज की सबसे सुंदर बात यह थी कि यह पर्व हमें प्रकृति के करीब ले जाता था। खेतों में लगे झूले, पेड़ों पर टंगे कागज़ के फूल, मिट्टी से बने शिव-पार्वती के स्वरूप — ये सब हमें याद दिलाते थे कि हम प्रकृति के ही अंश हैं। आज जब हम जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वॉर्मिंग, पेड़ों की कटाई और प्रदूषण जैसे संकटों से जूझ रहे हैं, तब तीज जैसे पर्व हमें पर्यावरण संरक्षण की चेतना दे सकते हैं। अगर हर तीज पर एक पेड़ लगाने की परंपरा शुरू की जाए, अगर बच्चों को झूला झुलाने के साथ-साथ पेड़ से प्रेम करना सिखाया जाए, तो यह पर्व केवल धार्मिक नहीं, पर्यावरणीय आंदोलन बन सकता है।

तीज में महिलाएं लोकगीत गाती थीं, जिनमें नारी की पीड़ा, उसकी उम्मीदें, उसकी हंसी, और उसका समाज से संवाद छुपा होता था। आज वह लोकगीत मोबाइल की रिंगटोन बन चुके हैं या यूट्यूब के व्यूज तक सिमट गए हैं। हमें इन गीतों को फिर से जीवन में लाना होगा। नारी की आवाज़ को उसकी भाषा, उसकी धुन, और उसके लोकसंगीत में फिर से पिरोना होगा। यदि हम सच में महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं तो इन सांस्कृतिक मंचों को पुनर्जीवित करना जरूरी है, क्योंकि यही स्त्रियों को आत्म-अभिव्यक्ति की सबसे स्वाभाविक ज़मीन देते हैं।

आज जब महिलाएं शिक्षा, सेवा, राजनीति और विज्ञान के हर क्षेत्र में भागीदारी निभा रही हैं, तब यह आवश्यक है कि त्योहारों को भी उनके नए रूपों में स्वीकार किया जाए। तीज को केवल पारंपरिक श्रृंगार और व्रत तक सीमित न कर, उसे आत्मचिंतन, सांस्कृतिक संवाद और सामाजिक चेतना से जोड़ना होगा। तीज केवल घर की चारदीवारी में मनाया जाने वाला त्योहार नहीं होना चाहिए, बल्कि यह महिला जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, लोकसंस्कृति संरक्षण और सामाजिक संवाद का अवसर बन सकता है। अगर एक महिला तीज के दिन वृक्षारोपण करे, कुपोषित बच्चों के लिए भोजन बांटे, घरेलू हिंसा के खिलाफ एक संवाद करे, तो वह इस पर्व को नई चेतना दे सकती है।

शहरीकरण और उपभोक्तावाद ने हमारे त्योहारों को उपहारों, महंगे लहंगे और इंस्टाग्राम-योग्य सजावटों में बदल दिया है। तीज अब रेडीमेड परिधानों, ब्यूटी पार्लरों और फैशन शो विद झूला थीम का केंद्र बन गई है। हम भूलते जा रहे हैं कि इस पर्व का सौंदर्य उसकी सादगी में था—माँ के हाथों से बुना गया हरा दुपट्टा, बहन द्वारा सजाया गया झूला, पड़ोसी की दी हुई मेंहदी। यही सादगी त्योहार को उत्सव बनाती थी, यही आत्मीयता इसे जीवंत बनाती थी। अगर आधुनिकता को अपनाते हुए हम सादगी और आत्मीयता को न छोड़ें तो यह पर्व और अधिक समृद्ध बन सकता है।

हरियाली तीज स्त्री मन की वो कविता है, जिसे वह हर वर्ष प्रकृति के पन्नों पर लिखती है। यह पर्व बताता है कि स्त्री केवल त्याग की प्रतिमूर्ति नहीं, बल्कि सृजन की शक्ति है। जब वह झूला झूलती है, तो वह केवल आनंद नहीं लेती, वह समय से संवाद करती है—बीते हुए पलों से, आने वाले कल से। जब वह शिव-पार्वती की पूजा करती है, तो वह केवल धार्मिक कर्म नहीं करती, वह अपने भीतर की ऊर्जा, समर्पण और शक्ति को पहचानती है। और जब वह हरे वस्त्र पहनती है, तो वह केवल श्रृंगार नहीं करती, वह जीवन की हरियाली को अपनाती है।

इसलिए ज़रूरत है कि हम हरियाली तीज को फिर से उसकी आत्मा के साथ जोड़ें। परंपरा और आधुनिकता को विरोधी ध्रुव नहीं, सहयात्री बनाएं। परंपराओं को संजोते हुए नई पीढ़ी को यह समझाएं कि त्योहार केवल कपड़े पहनने और फोटो खिंचवाने का अवसर नहीं, बल्कि जीवन के मूल मूल्यों को जीने का नाम है। अगर हम तीज के इस भाव को समझें, तो यह पर्व हमारे समाज को और भी सुंदर, समावेशी और संवेदनशील बना सकता है।

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, श्रावण शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, तीज, रविवासरे, मघा नक्षत्रे, व्यय योगे, तैतिल करणे, सिंह की चंद्रमा, मु. सफर माह 2, फूलम प्रारंभ मूल समाप्त सांय 5/49 धान्य छेदन उग्र कर्म तथापि पूर्व दिशा की यात्रा उत्तम होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल..........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तमवृत्ति वाला, दानी-मानी, क्राकरी का व्यापारी, सोने-चांदी का व्यापार तथा चूना तथा दूध, दही का व्यापार व डेरी वाला होगा।

मेष राशि :- किसी से अचानक परेशानी, स्त्री-वर्ग से तनाव तथा मानसिक बेचैनी होगी।

वृष राशि :- स्त्री-शरीर बाधायें, अस्थिरता एवं व्यवसायिक उद्विघ्नता का वातावरण बनेगा।

मिथुन राशि :- अनावश्यक बाधायें पीड़ित रखें, कुछ चिन्तायें बनी ही रहेंगी, ध्यान दें।

कर्क राशि :- सोचे हुये कार्य पूरा करने का प्रयास करें अन्यथा रुकावट व कष्ट बनेगा।

सिंह राशि :- किसी धोखे व हानि से बचें, बाधा से विपरीत कार्यगति अवश्य ही बनेगी।

कन्या राशि :- स्त्री-वर्ग से उल्लास, योजनायें फलीभूत होंगी, सोचे हुये कार्य अवश्य बनेंगे।

तुला राशि :- कुछ कार्यों में स्थायित्व, सामर्थ वृद्धि, प्रयत्न सफल अवश्य होंगे, ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- कुटुम्ब में परेशानी, स्वभाव में खिन्नता, मानसिक बेचैनी अवश्य बनेगी।

धनु राशि :- तनाव व क्लेश, स्त्री-शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी तथा खिन्नता अवश्य होगी।

मकर राशि :- इष्ट-मित्र फलप्रद हों, समयानुकूल सफलता से हर्ष हो, विशेष लाभ होगा।

कुंभ राशि :- मानसिक बेचैनी, अर्थ-व्यवस्था बढ़े, परिश्रम से अनुकूल कार्य अवश्य बनेंगे।

मीन राशि :- मन में खिन्नता, बेचैनी, उद्विघ्नता तथा असमंजस का वातावरण बनेगा।

बच्चों के लिए इस प्रकार बनाये माउथ-फ्रेशनर

अगर आज मानते हैं कि माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता केवल बड़ों को होती है तो अपना विचार बदल दें। इसका कारण है कि बच्चों के भी दांत खराब हो सकते हैं इसलिए हमारी तरह ही छोटे बच्चों को भी माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता होती है पर बाजार में बिकने वाले माउथ फ्रेशनर उनके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं क्योंकि उनमें बहुत अधिक मात्रा में रसायन होते हैं। ऐसे में उनके लिए एक ऐसा माउथ फ्रेशनर होना चाहिए जो पूरी तरह प्राकृतिक हो और स्वाद में भी कड़वा न हो। आप चाहें तो अपने बच्चों के लिए घर पर ही माउथ फ्रेशनर तैयार कर सकती हैं। अनार के छिलकों का इस्तेमाल करके माउथ फ्रेशनर बनाया जा सकता है। ये माउथ फ्रेशनर न केवल बच्चों के लिए फायदेमंद रहेगा बल्किर बड़े भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

अनार के छिलके में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है, जो ओरल हेल्थ के लिए अच्छा होता है। अनार के छिलके से तैयार माउथ फ्रेशनर मुंह के अल्सर और मुंह की दुर्गंध को दूर करने का काम करता है। अनार का एंटी-माइक्रोबायल एक्टिविटी स्ट्रेपटोकोक्स म्यूटेन बैक्टीरिया को पनपने नहीं देता है. कैसे तैयार करें अनार के छिलके का माउथ फ्रेशनर?

अनार को काटकर उसके दानों को सफाई से निकाल लें. अनार के छिलके को धूप में सूखने के लिए रख दें। जब छिलके पूरी तरह सूख जाएं तो उन्हें पीसकर पाउडर तैयार कर लें। एक गिलास पानी में एक चम्मच इस पाउडर को मिलाकर उबालें। इसे ठंडा होने दें। जब ये घोल ठंडा हो जाए तो इस छान लें। इस तरल को किसी जार या शीशी में भरकर रख दें। आपका माउथ फ्रेशनर तैयार है. बच्चा जब भी कुछ खाए तो उसे माउथ फ्रेशनर से मुंह साफ करने की आदत डालें। ऐसा करने से दांतों में कैविटी की समस्या भी नहीं होगी।

गाती है मल्हार जिंदगी पल पल सावन बरसे!

गाती है मल्हार ज़िंदगी, पल-पल सावन होता है !प्रसिद्ध साहित्यकार रहे डॉ योगेंद्रनाथ शर्मा अरुण की ये पंक्तियां आध्यात्मिकता और प्रकृति का ऐसा संगम है ,जिसमे से तीज की खुशी झांकती नज़र आती है। हरियाली तीज का पर्व इस वर्ष 27 जुलाई, रविवार को मनाया जा रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 26 जुलाई को रात 10:41 बजे से होगी और यह तिथि 27 जुलाई रात 10:41 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार व्रत और पर्व 27 जुलाई को रखा जाएगा। इस दिन एक विशेष संयोग भी बन रहा है — रवि योग, जो 27 जुलाई शाम 4:23 बजे से शुरू होकर 28 जुलाई सुबह 5:40 बजे तक रहेगा। मान्यता है कि रवि योग में किया गया व्रत और पूजन अत्यंत शुभ और फलदायक होता है। हरियाली तीज विशेषकर सुहागिनों द्वारा पति की लंबी उम्र और वैवाहिक सुख-शांति के लिए रखा जाता है।हरियाली तीज का विशेष महत्व है।इस दिन सुहागिनें व्रत रखकर अपने पति की लंबी आयु और स्वयं अखंड सौभाग्यवती बने रहने के लिए भगवान शिव और मां पार्वती का पूजन करती हैं। हरियाली तीज का उपवास सावन मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को रखा जाता है। इस तिथि को ही माता पार्वती और भगवान शिव को दोबारा मिलन हुआ था।इसलिए इसे सुखद उत्सव के रूप में मनाया जाता है। लड़कियां यह उपवास मन वांछित वर की प्राप्ति के लिए रखती है। हरियाली तीज उपवास पूजा के लिए पीला वस्त्र, केला के पत्ते, जनेऊ, कच्चा सूत, नए वस्त्र, बेलपत्र, धतूरा, भांग, कपड़ा, एक जोड़ी जनेऊ/ यज्ञोपवीत भगवान शिव और गणेश जी को चढ़ाए और मां पार्वती को एक हरी साड़ी, सुहाग का 16 श्रृंगार सामान से माता पार्वती की पूजा करे।16 श्रृंगार में सिंदूर, बिंदी, बिछुआ, मेहंदी, चूडियां, महौर, खोल, कुमकुम, कंघी, इत्र आदि शामिल हैं। इसके अलावा, कलश, अक्षत्, दूर्वा, तेल, घी, कपूर, अबीर, श्रीफल, चंदन, गाय का दूध, गंगाजल, दही, चीनी, शहद और पंचामृत चीजें भी हरियाली उपवास पूजा के लिए आवश्यक है। उपवास और पूजा अर्चना के साथ ही सावन मस्ती का महीना भी है।जिसमे तीज पर लड़कियां और महिलाएं झूला भी झूलती है।इसके लिए किसी वृक्ष या गैलरी में झूला डालकर उन्मुक्त हवाओ की सैर करती है । सावन के लोकगीत भी बहुत चर्चित है जिन्हें गाकर भारतीय संस्कृति को जिंदारखने की कोशिश की जाती है। हरियाली तीज पर प्रायः रिमझिम बरसात रहती है। बारिश की फुहारों के साथ सावन के झूले आनन्ददायक बन जाते है। लेकिन अब झूले भी अतीत बनकर रह गए है। सावन के महीने का खास व्यंजन घेवर है। जिसे खाने का अलग ही मजा है। इस माह मंदिरों व अन्य धार्मिक स्थलों पर भागवत की कथाएं भंडारे होते रहते हैं। विवाहित महिलाएं अपने मायके जाकर यह त्यौहार मनाती हैं तो नवविवाहिताओं को सिंधारा भेजा जाता है। सावन का महीना भगवान शिव की स्तुति का खास अवसर है।सावन माह में प्रकृति भी हरियाली की चादर ओढ़ लेती है। तब हर किसी के मन में उन्मुक्तता की खुशी झलकती हैं| यह आस्था, सौंदर्य और प्रेम का उत्सव है।चारों तरफ हरियाली होने के कारण इसे हरियाली तीज कहते हैं| इस अवसर पर महिलाएं झूला झूलती हैं, गाती हैं और खुशियां मनाती हैं|महिलाएं इस दिन उमामहेश्वरसायुज्य सिद्धये हरितालिका व्रतमहं करिष्ये मंत्र का जाप करती है| इस व्रत को पूर्ण निष्ठा से करने पर प्रत्येक स्त्री को वांछित फल मिलता है| भगवान शिव ने पार्वती जी को वरदान दिया था कि इस व्रत को जो भी स्त्री पूर्ण श्रद्धा से करेंगी उसे तुम्हारी तरह अचल सुहाग की प्राप्ति होगी|तीज के अवसर पर विवाहिताए अपने मायके जाना चाहती हैं ।एक गीत भी है, बहुत दिना हो गए पिया मोय, सावन शुगन मनाऊंगी, भैया आयो मोय लिवावे, मैं पीहर कू जाऊंगी।वही कच्चे नीम की निबौरी, सावन जल्दी अईयो रे, अम्मा दूर मत दीजौ, दादा नहीं बुलावेंगे, भाभी दूर मत दीजौ, भइया नहीं बुलावेंगे।सावन में खूब गुनगुनाया जाता है। गांव में झूले पर झूलती हुई लड़कियों को देखकर उनके मन की उन्मुक्तता का अहसास होता है। लड़कियां पेड़ व मुंडेरों पर बैठी हुई चिड़ियों को देखकर अपने मन के भाव को कुछ यूं प्रकट करती हैं, पेड़ पै दो चिड़ियां चूं-चूं करती जाएं, वहां से निकले हमारे भइया, क्या-क्या सौदा लाए जी, मां को साड़ी, बाप को पगड़ी और लहरिया लाए जी, बहन की चुनरी भूल आए, सौ-सौ नाम धराए जी।

प्रकृति का त्योहार है तीज

तीज श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाई जाती है। इसलिए यह श्रावणी तीज के नाम से भी जानी जाती है। सौंदर्य, प्रेम के उत्सव और आस्था के इस व्रत का महिलाओं के लिए बड़ा महत्व है, विशेष रूप से नव विवाहिताओं के लिए। यह त्योहार मुख्य रूप से उत्तर भारत (राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर पदेश, बिहार और झारखंड) में धूमधाम से मनाया जाता है। परंपरा के अनुसार नवविवाहिताएं पहला व्रत मायके में रखती हैं और इसके लिए झूले सजाए जाते हैं, लोक गीत गाए जाते हैं। देश के कई हिस्सों में मेले लगते हैं और माता पार्वती की सवारी निकाली जाती है।

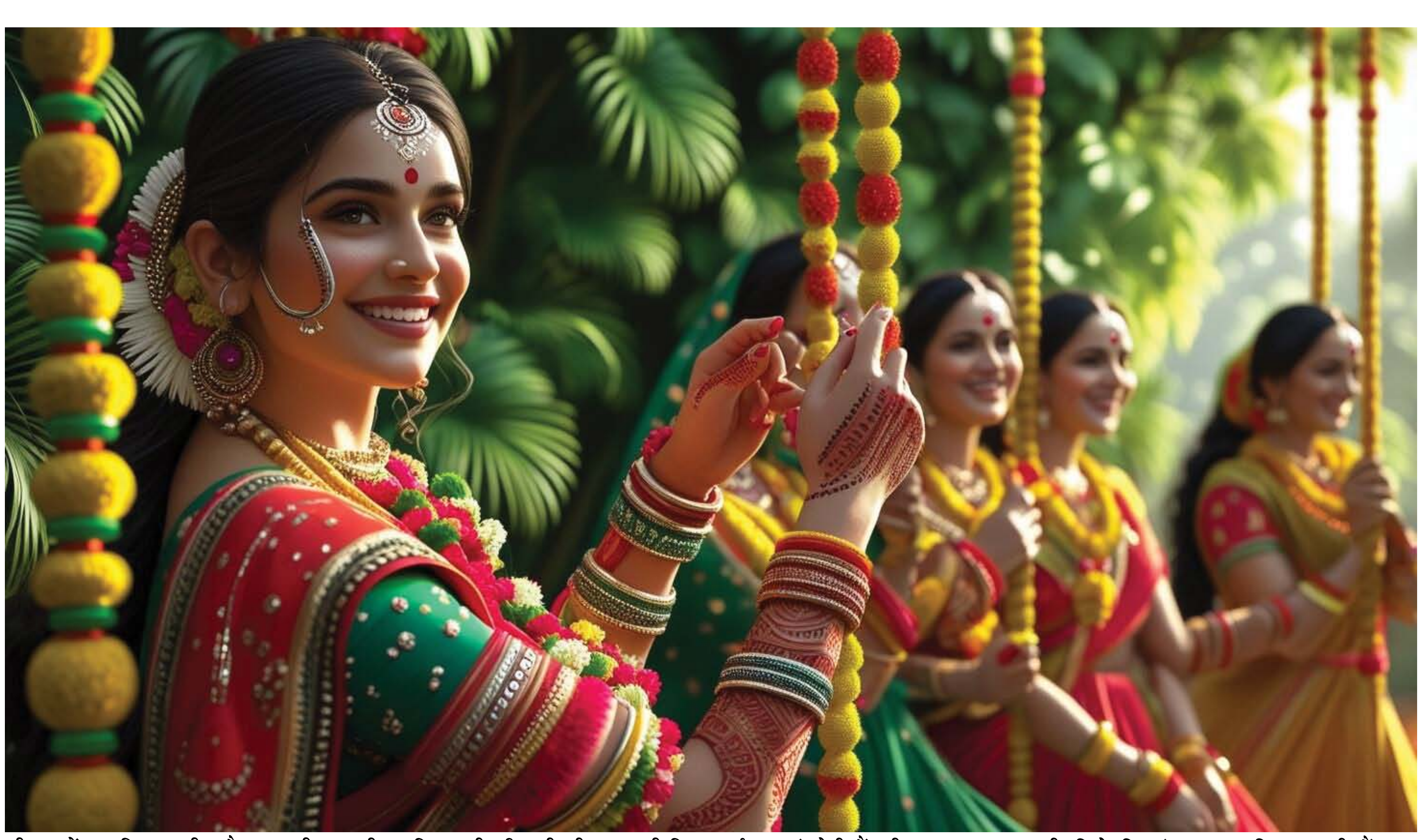

श्रावण का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं।

वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं।

सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यतः महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है।

श्रावण में में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। हाथों में रची मेंहदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं।

तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है।

राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूडियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्धारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है। तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। राजस्थान के गांवों में पहले लड़किया गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलती थी। तीज के दिन से गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलना बन्द कर देती थी। इसलिये गांव की लड़किया एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे-गुड्डी को गांव के पास के नदी,तालाब, जोहड़ में बहा देती थी। जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था।

अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां यह व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर शोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्धारा सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वालि स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है। आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गयी है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व-त्यौहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुनः मनाये जाने लगते हैं। तीज से शुरू होने के बाद त्योंहारों का सिलसिला गणगौर तक चलता है। इसीलिये राजस्थान में एक कहावत प्रचलित है तीज त्योंहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर।

संक्षिप्त खबरें

एनएफएल ने एवीएफसीसीएल में 1.8 लाख का निवेश किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) ने असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड (एवीएफसीसीएल) में 1.8 लाख का निवेश किया है। एनएफएल ने 10 रुपए प्रति शेयर की दर से 18,000 इक्विटी शेयर खरीदकर एवीएफसीसीएल में 18 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है। एवीएफसीसीएल को 25 जुलाई को एक संयुक्त उद्यम के रूप में शामिल किया गया है, जिसका उद्देश्य असम के नामरूप क्षेत्र में नामरूप आईवी अमोनिया-यूरिया फर्टिलाइजर प्लांट की स्थापना करना है। इस जॉइंट वेंचर में असम सरकार, ऑयल इंडिया लिमिटेड, हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड, ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और एनएफएल शामिल हैं।

शेयर बाजार में 2025 की सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट रही

सेंसेक्स 721.08 अंक गिरकर 81,463.09 पर बंद

निफ्टी 225.10 अंक टूटकर 24,837 पर बंद

मुंबई (ईएमएस)। बीते सप्ताह भारत के प्रमुख इक्विटी सूचकांकों ने 2025 की सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की है। यह अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार हुआ है कि सेंसेक्स और निफ्टी लगातार चार सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुए हैं। बाजार में भारी वोलैटिलिटी देखने को मिली, जिसका मुख्य कारण भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते पर अनिश्चितता, कंपनियों के मिले-जुले नतीजे, विदेशी निवेश की निरंतर निकासी और अमेरिका-भारत व्यापार सौदे को लेकर असमंजस था। सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 294.64 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी 131.4 अंक नीचे आया। सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को दोनों सूचकांक गिरावट के साथ खुले, लेकिन आईसीआईसीआई और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों में हुई खरीदारी के कारण शुरुआती नुकसान की भरपाई हुई। बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 148.68 अंक गिरकर 81,609.05 पर खुला और 442.61 अंक की तेजी के साथ 82,200.34 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 67.55 अंक गिरकर 24,900.85 पर खुला और 122.30 अंक बढ़कर 25,090.70 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 337.83 अंक बढ़कर खुले, लेकिन अंत में 13.53 अंक नीचे बंद हुए। निफ्टी भी सुबह 91.3 अंक की तेजी से खुला, पर दिन के अंत में 29.80 अंक गिर गया। बुधवार को अमेरिकी और जापानी व्यापार समझौते की खबर से बाजार में तेजी आई, सेंसेक्स 539.83 अंक और निफ्टी 159 अंक चढ़े। गुरुवार को फिर से गिरावट शुरू हुई। सेंसेक्स 542.47 अंक और निफ्टी 157.80 अंक टूटे। शुक्रवार को बजाज फाइनेंस में कमजोरी और विदेशी पूंजी निकासी के चलते बाजार और नीचे गया। सेंसेक्स 721.08 अंक गिरकर 81,463.09 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 225.10 अंक टूटकर 24,837 पर पहुंच गया। विदेशी निवेशक बाहर निकले और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने बाजार पर दबाव डाला। निवेशकों के लिए आगामी सप्ताह चुनौतीपूर्ण रहने की संभावना है।

भारत की स्टील स्लैग रोड तकनीक ने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई

अमेरिका और ओमान में हो रहा उपयोग

नई दिल्ली (ईएमएस)। वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआरआई) द्वारा विकसित स्टील स्लैग रोड तकनीक अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता पा रही है। अमेरिका के शिकागो और ओमान जैसे देशों में भी इस तकनीक का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। सीआरआरआई के एक वैज्ञानिक ने बताया कि यह तकनीक भारत के सड़क निर्माण क्षेत्र में एक गेम चेंजर साबित होगी। सड़क निर्माण में मुख्य सामग्री प्राकृतिक एग्रीगेट (जैसे बजरी और रोड़ी) होती है, जिसकी वार्षिक खपत लगभग 1.2 बिलियन टन है। इसके कारण पर्यावरण पर भारी दबाव पड़ता है, क्योंकि एग्रीगेट के लिए माइनिंग करनी पड़ती है। स्टील स्लैग रोड तकनीक पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ संसाधनों के पुनर्चक्रण में भी मददगार साबित हो रही है। इसमें स्टील स्लैग का इस्तेमाल कर पारंपरिक सड़क निर्माण सामग्री की जगह ली जाती है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 695.49 अरब डॉलर पर

पिछले सप्ताह में भी भंडार 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रह गया था

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 18 जुलाई 2025 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.18 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 695.49 अरब डॉलर पर आ गया है। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट देखी गई है। इससे पिछले सप्ताह में भी भंडार 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रह गया था। सितंबर 2024 के अंत में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के सर्वोच्च स्तर 704.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया था, लेकिन हालिया आंकड़ों के अनुसार इसमें गिरावट का रुझान देखने को मिल रहा है। 18 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां, 1.20 अरब डॉलर घटकर 587.61 अरब डॉलर रह गईं। विदेशी मुद्रा आस्तियों में डॉलर के मुकाबले यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का असर भी शामिल होता है। हालांकि, स्वर्ण भंडार में इस दौरान मामूली वृद्धि दर्ज की गई और इसका मूल्य 15 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.49 अरब डॉलर हो गया। इस सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में भी गिरावट दर्ज की गई और यह 11.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.68 अरब डॉलर पर आ गया। इसके अलावा, भारत का अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखा गया भंडार भी 1.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.69 अरब डॉलर रह गया। इस गिरावट के पीछे विदेशी बाजारों में मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव, आयात-निर्यात असंतुलन और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को संभावित कारण माना जा रहा है।

आकर्षक लुक के साथ पहली इलेक्ट्रिक स्पोर्ट एमजी साइबेस्टर कार लॉन्च

शुरुआती कीमत 74.99 लाख रुपए एक्स-शोरूम तय

नई दिल्ली,(ईएमएस)। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आखिरकार शनिवार को भारतीय बाजार में देश की पहली इलेक्ट्रिक स्पोर्ट कार एमजी साइबेस्टर को बिक्री के लिए लॉन्च कर दिया है। आकर्षक लुक और दमदार बैटरी पैक से लैस इस इलेक्ट्रिक स्पोर्ट कार की शुरुआती कीमत 74.99 लाख रुपये एक्स-शोरूम तय की गई है। बता दें इस कार को कंपनी ने इस साल के भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो के दौरान शोकेस किया था, जहां इस कार ने खूब सूर्खियां बटोरी थी। एमजी मोटर ने एमजी साइबेस्टर की बुकिंग पहले ही शुरू कर दी थी. ऐसे ग्राहक जिन्होंने इस कार को लॉन्च से पहले बुक किया उन्हें ये कार महज 72.49 लाख रुपए की शुरुआती कीमत में मिलेगी यानी तकरीबन 2.5 लाख का शुद्ध मुनाफा।

कंपनी का दावा है कि ये दुनिया की सबसे फास्ट एमजी कार है, जिसे एक इलेक्ट्रिक स्पोर्ट अवतार में पेश किया है. इस कार के दो दरवाजों और दो सीट वाली इस कन्वर्टिबल स्पोर्ट कार को विशेष रूप से एमजी सेलेक्ट प्रीमियम शोरूम के जरिए से बेचा जाएगा। इस कार का डिज़ाइन 1960 के दशक के एमजी बी रोडस्टर से प्रेरित है। रेट्रो लुक के साथ ही अत्याधुनिक तकनीक से लैस इस कार के फ्रंट बोनट को स्लोपी बनाया गया है, जो नीचे की तरफ झुकता हुआ दिखता है। इस कार में सीजर डोर्स का इस्तेमाल किया है, जो बटन दबाते ही खुलते और बंद होते हैं। इसके फ्रंट में आकर्षक एलईडी लाइटिंग के साथ शार्प डीआरएल और एक शानदार बोनट दिया है जबकि पीछे का हिस्सा इंटिग्रेटेड इंडिकेटर्स के साथ पूरी चौड़ाई वाली एलईडी लाइट बार से और भी खूबसूरत नजर आता है। 20-इंच के हल्के अलॉय व्हील, पिरेली पी-ज़ीरो टायरों के साथ, बेहतरीन ग्रिप और परफॉर्मेंस के लिए डिज़ाइन किए गए इस कार में कई एडवांस फीचर्स हैं। एमजी मोटर का कहना है कि इन दरवाजों को खुलने में पांच सेकंड से भी कम समय लगता है। इन दरवाजों में सेफ्टी सेंसर भी लगाए गए हैं, जिससे यदि इन दरवाजों के आसपास खड़े होने या इनके खुलते या बंद होते वक्त यदि कोई ऑब्जेक्ट बीच में आता है तो ये दरवाजे ऑटोमेटिकली रूक जाते हैं। इससे इनमें हाथ या शरीर के किसी भी अंग के दबने का कोई खतरा नहीं है।

आरबीआई की 7 दिन की वीआरआरआर नीलामी में बैंकों ने बढ़ाई बोली

बैंकों ने 1.25 लाख करोड़ की अधिसूचित राशि से अधिक की बोली लगाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में 7 दिन की वैरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) नीलामी आयोजित की, जिसमें बैंकों ने 1.25 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि से अधिक, यानी 1.42 लाख करोड़ रुपये की बोली लगाई। यह मांग इस बात को दर्शाती है कि बाजार में लिक्विडिटी की जरूरत बढ़ी है। पिछले सप्ताह बैंकों ने आरबीआई के पास जमा किए गए 2 लाख करोड़ रुपये वापस लिए थे, जिससे बाजार में पैसा कम हो गया था और इस नीलामी के जरिए फिर से पैसा उपलब्ध कराया गया। आरबीआई ने इस नीलामी को 5.49 प्रतिशत की कटऑफ रेट पर स्वीकार किया। एक सरकारी बैंक के डीलर ने कहा कि पिछले सप्ताह की वापसी के कारण इस बार मांग अधिक रही। इसके चलते मुद्रा बाजार में ओवरनाइट कॉल रेट गिरकर 5.39 प्रतिशत हो गया, जो पिछले दिन 5.54 प्रतिशत था। यह गिरावट बाजार में सस्ते पैसे का संकेत है। पिछले सप्ताह आरबीआई ने दो बार वीआरआरआर नीलामी कराई थी क्योंकि ओवरनाइट मनी मार्केट रेट ने नीतिगत रीपो रेट से ऊपर जाना शुरू कर दिया था। इन नीलामियों के बाद ओवरनाइट रेट में गिरावट आई, जो मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) से नीचे आ गया। एमएसएफ रेट रीपो रेट से 25 बेसिस पॉइंट ऊपर है, जबकि स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी रेट 25 बेसिस पॉइंट नीचे है। आरबीआई की ये नीलामी और दरों में बदलाव मौद्रिक नीति के तहत बाजार में तरलता बनाए रखने के लिए उठाए गए कदम हैं, ताकि मनी मार्केट स्थिर रहे और बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त पैसा बना रहे। ऐसे कदम से आर्थिक गतिविधियों को सहारा मिलता है और ब्याज दरों में अस्थिरता कम होती है।

रिलायंस ने कैल्विनेटर ब्रांड अधिग्रहित कर पुरानी यादें ताज़ा कीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने प्रसिद्ध फ्रिज ब्रांड कैल्विनेटर का अधिग्रहण कर पुरानी यादों को एक बार फिर ताज़ा कर दिया है। 1970 और 80 के दशक में घर-घर में लोकप्रिय यह फ्रिज ब्रांड अब रिलायंस के कंज्यूमर प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का अहम हिस्सा बनेगा। सोशल मीडिया पर कैल्विनेटर के पुराने विज्ञापन तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें बुज़ुर्ग व्यक्ति के नकली दांत फ्रिज खोलते ही खड़खड़ाने लगते हैं। यह विज्ञापन उस दौर की याद दिलाते हैं जब कैल्विनेटर द टूरिस्ट वन टैगलाइन के साथ भारत में होम रेफ्रिजरेशन को लोकप्रिय बना रहा था।

कैल्विनेटर के अधिग्रहण के साथ रिलायंस ने अपनी नॉस्टैल्जिया आधारित रणनीति को और मजबूत किया है। इससे पहले कंपनी ने अगस्त 2022 में कैम्पा कोला को 22 करोड़ में खरीदा था, जो एक समय में हर घर में लोकप्रिय था लेकिन बाद में मार्केट से गायब हो गया था।

रेलवे ने ऑनलाइन टिकट धोखाधड़ी रोकने 2.5 करोड़ यूजर आईडी बंद की

यूज़र्स के बुकिंग पैटर्न में अनियमितताएं पाए जाने पर लिया फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग में हो रही गड़बड़ियों और धोखाधड़ी को रोकने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। रेलवे ने आईआरसीटीसी की 2.5 करोड़ से अधिक संदिग्ध यूजर आईडी को बंद कर दिया है। यह जानकारी सरकार ने संसद में दी, जहां सांसद ए. डी. सिंह ने इस मामले को उठाया था। उन्होंने सवाल किया था कि करोड़ों यूजर आईडी क्यों बंद की गईं, टिकट बुकिंग खुलते ही टिकट कैसे गायब हो जाते हैं और इस समस्या से निपटने के लिए रेलवे क्या कदम उठा रहा है। सरकार ने बताया कि इन यूजर्स के बुकिंग पैटर्न में अनियमितताएं पाई गईं, जिसके चलते इनकी आईडी को बंद करना जरूरी था। रेलवे ने यह भी बताया कि ट्रेनों की टिकट मांग साल भर एक जैसी नहीं होती। कुछ ट्रेनों की मांग अधिक होती है, खासकर वे जो लोकप्रिय हैं या जिनमें यात्रा का समय कम होता है। ऐसे ट्रेनों के टिकट जल्दी बिक जाते हैं, जबकि अन्य ट्रेनों में टिकट आसानी से मिल जाते हैं। यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए रेलवे ने कई नए नियम लागू किए हैं। 1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आइआरसीटीसी की वेबसाइट या ऐप पर आधार कार्ड से वेरिफिकेशन अनिवार्य होगा। साथ ही, एजेंट तत्काल टिकट बुकिंग खुलने के पहले 30 मिनट तक टिकट बुक नहीं कर पाएंगे। यह कदम टिकट बुकिंग प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए उठाया गया है।

सोने की कीमतों में गिरावट, त्योहार से पहले खरीदारी का सुनहरा मौका

आर्थिक कारणों ने सोना और चांदी दोनों की कीमतों पर दबाव डाला

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगर आप सोने के गहने खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह समय आपके लिए बेहद लाभदायक हो सकता है। सोने की कीमतों में पिछले कुछ दिनों से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है, जिससे खरीदारों के लिए ज्वेलरी सस्ती हो गई है। 24 कैरेट और 22 कैरेट दोनों प्रकार के सोने के रेट में कमी दर्ज की गई है, जिससे त्योहारी सीजन से पहले ग्राहकों के पास खरीदारी का बेहतरीन अवसर है। कीमतों में गिरावट की प्रमुख वजहें अमेरिका के टैरिफ से जुड़ी चिंताओं में कमी, डॉलर इंडेक्स का दो सप्ताह के निचले स्तर तक गिरना और स्पॉट मार्केट में मांग का कमजोर होना हैं। इन आर्थिक कारणों ने सोना और चांदी दोनों की कीमतों पर दबाव डाला है। यही वजह है कि सोना लगातार तीसरे दिन सस्ता हुआ है। दिल्ली में 26 जुलाई 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,620 प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट की कीमत 92,240 प्रति 10 ग्राम है। बीते तीन दिनों में 24 कैरेट सोने में 1860 और 22 कैरेट में 1710 प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई है। अन्य प्रमुख शहरों की बात करें तो मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में 22 कैरेट सोना 92,090 और 24 कैरेट सोना 1,00,470 प्रति 10 ग्राम बिक रहा है।

भारत की विनिर्माण गतिविधि जुलाई में उच्चतम स्तर पर पहुंची

महंगाई-रोजगार की चुनौती बनी चिंता का विषय

मुंबई (ईएमएस)। जुलाई 2025 में भारत की विनिर्माण गतिविधियां 17.5 वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा जारी एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जुलाई में 59.2 पर पहुंच गया, जो जून के 58.4 के मुकाबले उल्लेखनीय वृद्धि है। यह वृद्धि घरेलू और वैश्विक मांग में मजबूती का संकेत देती है। वहीं विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों का संयुक्त पीएमआई 60.7 पर पहुंच गया, जो पिछले एक साल से अधिक समय में सबसे तेज उछाल है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से तेज मांग, तकनीकी निवेश और उत्पादन क्षमता के विस्तार के कारण संभव हुई है। रोजगार के क्षेत्र में भी सकारात्मक विकास देखने को मिला है, खासकर सेवा क्षेत्र में रोजगार सृजन में मजबूती आई है। भारतीय कंपनियां आने वाले 12 महीनों में उत्पादन वृद्धि को लेकर आशावादी हैं। कंपनियों ने इस वृद्धि के पीछे बढ़ती मांग, तकनीक में निवेश और क्षमताओं के विस्तार को मुख्य कारण बताया है। पीएमआई आंकड़ों से यह भी पता चला कि वस्तु उत्पादकों ने सेवा प्रदाताओं की तुलना में उत्पादन में तेजी से वृद्धि दर्ज की है, जो अप्रैल 2024 के बाद से सबसे मजबूत रही।

ब्याज दरों में राहत और बेहतर मौसम से मांग में सुधार की उम्मीदः आईटीसी

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईटीसी लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कंपनी की सालाना आम बैठक (एजीएम) में निवेशकों को संबोधित करते हुए बाजार मांग में नरमी को लेकर सतर्क रुख अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि कमजोर वैश्विक वातावरण, खाद्य महंगाई और भारतीय बाजार में उत्पादों की डंपिंग जैसी वजहों से उपभोक्ता मांग प्रभावित हुई है। इस कारण कंपनी के कारोबार पर भी असर पड़ा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ब्याज दरों में संभावित कटौती, बेहतर मानसून और समग्र महंगाई में कमी से आने वाले महीनों में स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो सकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग में सुधार के संकेत मिल रहे हैं, जो कंपनी के लिए सकारात्मक हैं। एफएमसीजी कारोबार को लेकर उन्होंने बताया कि आईटीसी ने आंतरिक दक्षता बढ़ाने, लागत नियंत्रण, और उत्पाद मिश्रण को बेहतर करने जैसे कई कदम उठाए हैं। मांग में नरमी को देखते हुए कीमतों को भी सावधानीपूर्वक तय किया गया है। गैर-सिगरेट व्यवसाय पर ध्यान देते हुए पुरी ने कहा कि आईटीसी का एफएमसीजी खंड 5 लाख करोड़ के बाजार आकार तक पहुंच गया है और इसे बेहद पूंजी-कुशल तरीके से विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कंपनी की संस्थागत ताकत और दीर्घकालिक रणनीति का परिणाम है। पुरी ने भरोसा जताया कि इन रणनीतियों के परिणाम आने वाली तिमाहियों में दिखने लगेंगे, जिससे कंपनी के विकास को गति मिलेगी।

टाटा समूह ने पांच साल में किया 1 लाख करोड़ का निवेश

एन. चंद्रशेखरन ने कहा, टाटा समूह भविष्य के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार

मुंबई (ईएमएस)। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने समूह की वार्षिक रिपोर्ट में जानकारी दी है कि बीते पांच वर्षों में टाटा समूह ने अपनी कंपनियों में 1 लाख करोड़ से अधिक का निवेश किया है। समूह अब सेमीकंडक्टर, डिजिटल सेवाओं, बैटरियों और अक्षय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को अपनी वृद्धि का अगला चरण मान रहा है। उन्होंने कहा कि टाटा समूह भविष्य के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है।

चंद्रशेखरन ने बताया कि समूह का कुल राजस्व पांच वर्षों में 1.9 गुना बढ़ा है, जबकि शुद्ध लाभ 3.6 गुना तक पहुंच गया है। ऋण अनुपात घटकर 0.7 गुना रह गया है और इक्विटी पर रिटर्न 8.7 से बढ़कर 17.5 फीसदी हो गया है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के बारे में उन्होंने कहा कि कंपनी एकीकृत तकनीकी हार्डवेयर और सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रही है। इस कंपनी में 65,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें 70 फीसदी महिलाएं हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 में 66,000 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। वहीं टाटा की एयर इंडिया ने 78,636 करोड़ का राजस्व और 10,859 करोड़ का घाटा दर्ज किया। टाटा डिजिटल ने 32,188 करोड़ के राजस्व के साथ 4,600 करोड़ का घाटा दिखाया। हालांकि बीमा क्षेत्र की संयुक्त कंपनियों ने लाभ कमाया। चंद्रशेखरन ने कहा कि रणनीतिक अनुशासन और दीर्घकालिक सोच के कारण समूह की नींव मजबूत हुई है, और अब यह अगले तकनीकी युग के लिए तैयार है।

नई स्मार्टवॉच वॉच 3 प्रो को वैश्विक बाज़ार में पेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। अपनी नई स्मार्टवॉच वॉच 3 प्रो को सीएमएफ ने वैश्विक बाज़ार में पेश किया है। इसमें 1.43 इंच की राउंड अमोलेड स्क्रीन दी गई है, जो 670 निट्स की ब्राइटनेस और ऑटो-ब्राइटनेस सेंसर के साथ बेहतर व्यूइंग अनुभव देती है। यह मात्र स्मार्टवॉच नहीं, बल्कि एक एडवांस टेक्नोलॉजी और एआई क्षमताओं से लैस एक शक्तिशाली डिवाइस है।

यह पिछले वर्जन की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत बड़ी स्क्रीन के साथ आती है। डिवाइस का डिज़ाइन भी काफी प्रीमियम है, जिसमें आईपी68 रेटिंग के साथ डस्ट और वॉटर रेसिस्टेंस मिलता है और इसमें सॉफ्ट सिलिकॉन स्ट्रैप शामिल है। वॉच में रोटेटेबल क्राउन बटन के अलावा गेस्चर कंट्रोल भी शामिल है, जिससे यूज़र झटका देकर या वॉच को घुमा कर कंट्रोल कर सकता है। इसमें ब्ल्यूटूथ 5.3 कॉलिंग का सपोर्ट है, जिससे कॉल को हैंडल करना आसान हो जाता है। फिटनेस और हेल्थ के लिए वॉच में हार्ट रेट सेंसर, एसपीओ, स्लीप और स्ट्रेस ट्रैकिंग के अलावा वूमेंस हेल्थ ट्रैकिंग भी दी गई है।

इसमें 350 एमएएच की बैटरी दी गई है जो एक बार चार्ज करने पर 13 दिन तक चल सकती है। एओडी ऑन होने पर यह बैकअप 3.5 दिन तक रहता है और इसे फुल चार्ज करने में 99 मिनट लगते हैं। यूज़र्स के लिए इसमें 131 स्पोर्ट्स मोड शामिल हैं। ड्यूल-बैंड जीपीएस और सभी प्रमुख सैटेलाइट सिस्टम्स का सपोर्ट आउटडोर एक्टिविटीज़ को सटीक बनाता है। इस वॉच की खासियत चैटजीपीटी इंटीग्रेशन है, जिससे यूज़र वॉइस कमांड देकर स्मार्ट फीचर्स जैसे वॉइस नोट्स, फिटनेस कोचिंग और न्यूज़ अलर्ट का लाभ उठा सकता है।

आईएसआई तालिबानी आतंकियों को अपना आदमी बताकर छुड़वा रहे

खैबर पख्तूनख्वा के सीएम का खुलासा, पालतू आतंकियों की खड़ी हो रही फौज

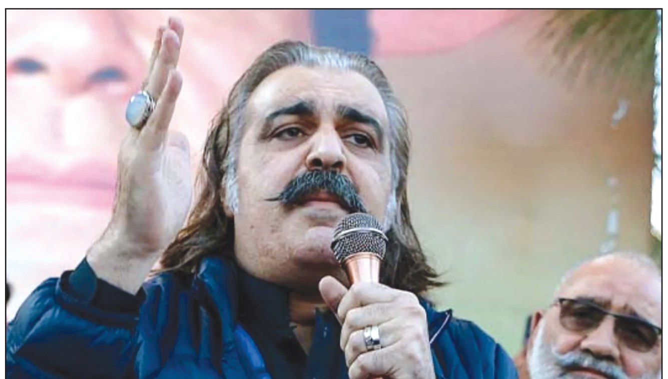

कराची,(ईएमएस)। खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंडापुर ने कबूल किया है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियां आईएसआई और एमआई कुछ तालिबानी आतंकियों को अपने आदमी बताकर छुड़वा लेती हैं और उनका इस्तेमाल अपने ऑपरेशनों के लिए करती है। गंडापुर का यह बयान न सिर्फ पाकिस्तान की आतंकी नीति की परतें खोलता है, बल्कि इस बात की भी पुष्टि करता है कि पेशावर से लेकर कश्मीर तक पालतू आतंकियों की फौज खड़ी की जा रही है, ताकि भारत को निशाना बनाया जा सके।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अली अमीन गंडापुर ने कहा कि हमारी पुलिस ऐसे लोगों को पकड़ती है जो तालिबान से जुड़े होते हैं, लेकिन आईएसआई और एमआई आकर कहती है। ये हमारे लोग हैं, इन्हें छोड़ दो। हम इनका इस्तेमाल करते हैं। जब आतंक के आरोप में पकड़े गए लोगों को खुद सरकारी एजेंसियां छुड़वा रही हों तो आम नागरिक और सुरक्षाबलों का हौसला कैसे बचा रह सकता है?आईएसआई की 'गुड तालिबान' नीति कोई नई नहीं है। इससे पहले अफगानिस्तान, फिर खैबर पख्तूनख्वा और अब जम्मू-कश्मीर तक इस नीति की गूंज सुनाई दे रही है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक जिन तालिबान लड़ाकों को खैबर पख्तूनख्वा में उपयोगी बताकर छोड़ा जा रहा है, उन्हें बाद में भारत विरोधी गतिविधियों के लिए तैयार किया जाता है। इनका उद्देश्य कश्मीर में घुसपैठ बढ़ाना, आतंकी हमलों की योजना बनाना और सीमा पार से फंडिंग और ट्रेनिंग पाना होता है। पाकिस्तान की ओर से बार-बार कहा जाता है कि वह आतंक के खिलाफ है, लेकिन इस बयान ने साबित कर दिया कि गुड तालिबान के नाम पर अब भी आतंक को परोक्ष संरक्षण मिल रहा है।गंडापुर के बयान से साफ है कि पाकिस्तान अब भी आतंक को अपनी रणनीति का हिस्सा मानता है। भारत की सुरक्षा एजेंसियों को अब यह मालूम है कि जो आतंकी पेशावर में पालतू हैं वो कल कश्मीर में बम और बंदूक लेकर घुस सकते हैं। इससे पहले भी घुसपैठ की कई कोशिशों में ऐसे तालिबानी लड़ाके पकड़े गए हैं, जो अफगान-पाक सीमा से लाकर एलओसी तक तैनात थे। अब इस पूरे नेटवर्क को गंडापुर के बयान से आधिकारिक मुहर लग गई है।गंडापुर के बयान से पाकिस्तान में भूचाल आ गया। पूर्व गृहमंत्री मोहसिन नक़वी ने पलटवार करते हुए पूछा कि डेरा इस्माइल खान में तालिबान को कितनी रिश्वत मिलती है? ये विवाद अब महज़ बयानबाज़ी नहीं, बल्कि पाकिस्तान की सत्ता के दो खेमों के बीच सीधी लड़ाई बन गया है, एक तरफ चुनी हुई सरकारें, दूसरी तरफ 'छाया सरकार' यानी खुफिया तंत्र।

मॉर्निंग कंसल्ट के सर्वे में फिर एक बार दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बनकर उभरे पीएम मोदी

75 प्रतिशत लोगों की अप्रूवल रेटिंग मिली

वाशिंगटन,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर दुनिया के सामने अपना लोहा मनवाया है। वे एक बार फिर विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता बनकर सामने आए हैं। अमेरिकी बिजनेस इंटेलिजेंस कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट ने जुलाई 2025 के अपने ताजा सर्वे की रिपोर्ट जारी की है। इसमें पीएम मोदी को 75 प्रतिशत लोगों की अप्रूवल रेटिंग मिली है। सर्वे 4 से 10 जुलाई के बीच हुआ जिसमें 20 देशों के नेताओं की रेटिंग शामिल थी।इस सूची में पीएम मोदी के बाद दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग 59 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर रहे। यह ली जे म्युंग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि दक्षिण कोरिया में सर्वोच्च पद पर आसीन हुए उन्हें अभी सिर्फ एक ही महीना हुआ है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 45 प्रतिशत से भी कम अप्रूवल रेटिंग के साथ 8वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जो कि ट्रंप की लोकप्रियता के लिए एक बड़ा झटका है।मॉर्निंग कंसल्ट सर्वे के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी का कद देश के अंदर और बाहर दोनों जगह और बढ़ गया है। सर्वे में शामिल 75 प्रतिशत लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी को एक लोकतांत्रिक वैश्विक नेता के रूप में स्वीकार किया है। इस पर 7 प्रतशत लोग कोई निर्णय नहीं ले पाए जबकि 18 प्रतिशत लोगों की राय अलग थी। दक्षिणपंथी माने जाने वाले अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली सूची में तीसरे स्थान पर रहे उनके पक्ष में 57 प्रतिशत वोट पड़े। 6 प्रतिशत लोगों ने कोई राय नहीं दी और 37 प्रतिशत प्रतिभागियों ने उन्हें अस्वीकार कर दिया।वहीं इस सर्वे में सबसे कम लोकप्रिय नेताओं में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और चेक रिपब्लिक के प्रधानमंत्री पेट्र फिआला शामिल हैं जिन्हें केवल 18 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है जबकि 74 प्रतिशत लोग दोनों नेताओं से असंतुष्ट दिखाई दिए हैं। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी सूची में 10वें स्थान पर हैं। यह सर्वे रिपोर्ट फिर दर्शाती है कि वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री का बयान, यह लड़ाई आगे चलकर पूर्ण युद्ध में बदल सकती

बैंकॉक,(ईएमएस)। थाईलैंड सरकार ने कंबोडिया के साथ जारी संघर्ष के युद्धस्तर पर बढ़ने की चेतावनी दी है। थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई ने कहा है कि यह लड़ाई बढ़कर एक पूर्ण युद्ध में बदल सकती है। उन्होंने बताया है कि भारी हथियार इस्तेमाल होना शुरू हो गए हैं और सीमा पर 12 जगह लड़ाई जारी है। यह संघर्ष के खतरनाक तरीके से बढ़ने का स्पष्ट संकेत है। थाईलैंड के नेता की चेतावनी से भारत के पड़ोस में युद्ध की आशंकाएं बढ़ गई हैं। एशिया के पड़ोसी देश थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर से झड़पें जारी हैं।थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष में अब तक दोनों देशों में करीब 16 लोग मारे गए हैं। वहीं बॉर्डर के आसपास के इलाकों के हजारों लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित ठिकानों पर शरण लेने को मजबूर है। कंबोडिया ने थाईलैंड पर नागरिक इलाकों पर क्लस्टर हथियारों के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। थाईलैंड ने कंबोडिया पर नागरिक क्षेत्रों में गोलीबारी करने का आरोप लगाते हुए कई गांवों को खाली कराया है।थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री वेचायाचाई की चेतावनी तब आई है, जब विवादित सीमा क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन लड़ाई जारी है। दोनों देशों में सीमा विवाद सैकड़ों वर्ष पुराना है लेकिन बीचे कुछ दिनों में इस टकराव ने गंभीर रुप ले लिया है। थाईलैंड में उबोन रत्चथानी और सुरिन प्रांतों में सबसे ज्यादा लोग प्रभावित हैं। वहीं कंबोडिया के ओद्दार मींचे प्रांत में एक हजार से ज्यादा परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।इस बीच थाई विदेश मंत्री ने कहा है कि संघर्ष में किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है। उनका यह बयान वैश्विक नेताओं की युद्धविराम की अपीलों के बीच आया है। दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ आसियान के अध्यक्ष मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने भी दोनों देशों के बीच बातचीत की पेशकश की है।दुनियाभर से थाईलैंड और कंबोडिया के बीच लड़ाई पर चिंता है। अमेरिका ने दोनों देशों से शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया है।

अब तक 7.5 लाख अफगानी नागिरकों को ईरान ने निकाला

काबुल,(ईएमएस)। ईरान से निकाले गए हजारों अफगान प्रवासी अपने देश लौट रहे हैं। ईरान-अफगानिस्तान के इस्लाम कला बॉर्डर से बीते एक महीने में करीब 7.5 लाख अफगानी आ चुके हैं। अफगान सरकार और स्थानीय संस्थाओं ने इन लोगों को मुफ्त ट्रांजिट बस सेवा उपलब्ध कराई है। इससे वे सीधे अपने-अपने प्रांतों में जा रहे हैं। कई प्रवासियों ने ईरान की पुलिस और ड्राइवरों पर पैसे और सामान छीनने का आरोप भी लगाया है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक युवक ने बताया कि उसे रियल एस्टेट ऑफिस ले जाकर उसका रेंट एग्रीमेंट फाड़ दिया। पुलिस बोली- तुम गुनहगार हो, क्योंकि तुमने इस देश के साथ धोखा किया है। कई अफगानों ने ईरान के साथ बातचीत की मांग की है ताकि वापसी के किराए में कटौती हो और उनकी संपत्तियां वापस मिल सके।

ट्रंप के बर्थराइट सिटीजनशिप आदेश पर फेडरल कोर्ट ने फिर लगाई रोक

वॉशिंगटन डीसी,(ईएमएस)। अमेरिका की फेडरल कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस आदेश पर रोक लगादी है जिसमें कहा गया था कि अगर किसी बच्चे के माता-पिता अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे हैं, तो उस बच्चे को अमेरिकी नागरिकता नहीं मिल सकती है। यह तीसरी बार है जब अदालत ने ट्रम्प के इस आदेश पर रोक लगाई है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने यह भी कहा कि इस मामले पर आखिरी फैसला सुप्रीम कोर्ट करेगा, लेकिन जब तक वहां से कोई आदेश नहीं आता, ट्रम्प का ये नियम लागू नहीं होगा। बोस्टन के जज लियो सोरोकिन ने कहा कि बर्थ राइट सिटीजनशिप संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में जो बच्चा जन्म लेता है, वह अमेरिका का नागरिक होता है और यह नियम कोई राष्ट्रपति अपने आदेश से नहीं बदल सकता है।बता दें ट्रम्प ने अपने शपथ ग्रहण वाले दिन यानी 20 जनवरी को एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर बर्थ राइट सिटीजनशिप पर रोक लगा दी थी। इसके कुछ ही दिन बाद अमेरिका की फेडरल कोर्ट ने ट्रम्प के जन्मजात नागरिकता अधिकार समाप्त करने के फैसले पर रोक लगा दी थी। इससे पहले 28 जून को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प के पक्ष में फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि निचली अदालतों के जज ट्रम्प के जन्म से जुड़ी नागरिकता वाले आदेश पर पूरे देश में रोक नहीं लगा सकते। उन्हें अपने आदेश पर फिर से विचार करना चाहिए। ये जज ट्रम्प के फैसले पर रोक लगाकर उनके काम में अड़चन डाल रहे थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ऐसा करना उनके लिए मुश्किल हो गया था। इससे पहले भी अमेरिका की निचली अदालतों ने तीन अलग-अलग मुकदमों में ट्रम्प के जन्मजात नागरिकता आदेश को लागू होने से पहले ही अस्थायी तौर पर रोक लगा दी थी।

सीजफायर डील टूटने पर ट्रंप ने हमास को ठहराया जिम्मेदार कहा, वह मरना चाहता है

वॉशिंगटन डीसी,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गाजा में सीजफायर पर बातचीत टूटने के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने कहा कि मुझे लगता है कि हमास मरना चाहता है और ये बहुत ही बुरी स्थिति है। अब वक्त आ गया है कि ये काम पूरा किया जाए। इससे कुछ हफ्ते पहले ट्रम्प ने कहा था कि गाजा में जल्द सीजफायर और बंधकों की रिहाई के लिए समझौता हो सकता है। इस हफ्ते ट्रम्प प्रशासन ने दोहा में चल रही बातचीत से अपने वार्ताकारों को वापस बुला लिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को कहा था कि इजराइली बंधकों की रिहाई में हमास रुकावट है। उन्होंने बताया कि इजराइल और अमेरिका अब मिलकर इस संकट से निपटने के लिए रास्ता खोज रहे हैं। नेतन्याहू ने कहा कि हम अमेरिका के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि बंधकों को वापस लाया जा सके। हमास के आतंक के शासन को खत्म किया जा सके और इजराइल व पूरे क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित की जा सके।

इस्तांबुल में शिखर सम्मेलन करना चाहते हैं एर्दोआन, ट्रंप-पुतिन से करेंगे चर्चा

इस्तांबुल,(ईएमएस)। तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तयैप एर्दोआन ने कहा है कि वह इस्तांबुल में शिखर सम्मेलन आयोजित करने की संभावना तलाशने इस हफ्ते रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात करेंगे। एर्दोआन ने कहा कि संभवतः इसी हफ्ते में पुतिन और ट्रंप के साथ बातचीत हो सकती है। उन्होंने कहा कि हम देखेंगे कि क्या हम इन नेताओं को इस्तांबुल में एक साथ ला सकते हैं। यही हमारी कोशिश है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तुर्किए राष्ट्रपति एर्दोआन ने कहा तुर्किए कि विदेश मंत्री हाकन फिदान ने पिछले दिनों इस्तांबुल में यूक्रेन संकट पर तीसरे दौर की वार्ता शुरू होने से पहले रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इस्तांबुल पहुंचने से पहले यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल ने अंकारा में भी उनसे मुलाकात की थी। शांति वार्ता में दोनों पक्ष एक और कैदी विनिमय पर सहमत हुए लेकिन युद्धविराम की शर्तों और राष्ट्रपति शिखर सम्मेलन की संभावना को लेकर मतभेद रहे हैं। यूक्रेनी पक्ष ने पुतिन और जेलेंस्की के बीच अगस्त के अंत तक एक बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा और कहा कि ट्रंप और एर्दोआन की मुलाकात बहुत मूल्यवान होगी।यूक्रेन ने बुधवार को रूस के साथ अपनी सीधी वार्ता के तीसरे दौर का समापन अगस्त के अंत तक जेलेंस्की, पुतिन, एर्दोआन और राष्ट्रपति ट्रंप के साथ नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित करने के प्रस्ताव के साथ किया। जेलेंस्की के कार्यालय प्रमुख एंड्री यरमक के मुताबिक प्रस्तावित शिखर सम्मेलन जेलेंस्की और पुतिन के बीच होगा, जिसमें अमेरिका और तुर्किए के राष्ट्रपतियों की भागीदारी होगी। जेलेंस्की ने युद्ध समाप्त करने के लिए पुतिन से मिलने के प्रस्ताव को दोहराया था, लेकिन पुतिन ने पिछले प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया। एंड्री येरमक ने कहा कि यह साफ है कि रूस अब भी युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार नहीं है, लेकिन अभी भी समय है कि वह इसे खत्म करने पर पुनर्विचार करे।उन्होंने कहा कि मानवीय मुद्दों पर कुछ प्रगति हुई है, जिनमें कैदियों की अदला-बदली और युद्ध के दौरान अपहृत यूक्रेनी बच्चों को वापस लाने की प्रक्रिया शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख रुस्तम उमेरोव ने वार्ता के बाद कहा कि युद्धविराम पर हमने अभी तक कोई प्रगति नहीं की है। रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख व्लादिमीर मेडिंस्की ने भी बैठक के बाद इसी तरह की टिप्पणी की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं।पिछले दौर की बातचीत लगभग दो महीने पहले हुई थी, उसके बाद रूस ने एक ज्ञापन जारी किया, जिसमें युद्धविराम के लिए अपनी शर्तें रखीं। इन शर्तों में यूक्रेन की सेना का निरस्त्रीकरण और रूस के 2022 में आक्रमण के बाद कब्जा किए गए यूक्रेन के चार क्षेत्रों के अधिग्रहण को स्वीकार करना शामिल था। इन क्षेत्रों पर रूस की सैन्य पकड़ बनाए रखना चुनौतीपूर्ण रहा है।ट्रंप ने क्षेत्र में शांति स्थापित करने पर जोर दिया है और हाल के हफ्तों में पुतिन की आलोचना करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह क्रेमलिन के नेता से निराश हैं, लेकिन उनसे पूरी तरह किनारा नहीं किया है। ट्रंप ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि अमेरिका ने एक समझौता कराया है, जिसके तहत यूक्रेन को और हथियार भेजे जाएंगे। इन हथियारों का भुगतान यूरोप में नाटो सहयोगियों करेंगे, जिन्होंने साल की शुरुआत में अपने रक्षा खर्च में वृद्धि करने पर सहमति जताई थी।ट्रंप ने पुतिन को चेतावनी दी कि अगर 50 दिनों के अंदर युद्धविराम नहीं हुआ, तो वह रूस और उन देशों पर नए प्रतिबंध लगाएंगे जो मास्को के उत्पाद खरीदते हैं। वहीं दूसरी ओर रूस अपनी मांगों से पीछे नहीं हटा और लगातार यूक्रेन पर गोलाबारी कर रहा है।

ट्रंप को पसंद आई अपनी तारीफः म्यांमार के जनरल ने की तारीफ तो हट गए अमेरिका के प्रतिबंध

वॉशिंगटन,(ईएमएस)।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को म्यांमार के सैन्य तानाशाह मिन आंग हलैंग ने एक चिट्ठी भेजी थी। इस चिट्ठी में उनकी तारीफों के पुल बांधे गए थे। साल 2021 में तख्तापलट करके जनरल मिन आंग हलैंग ने लोकतांत्रिक सरकार को हटाकर देश को गृहयुद्ध में झोंक दिया। इसके बाद से हजारों लोग मारे जा चुके हैं। 35 लाख से ज्यादा बेघर हैं और आधी आबादी गरीबी की गिरफ्त में है। इस पूरे घटनाक्रम में खास बात यह है कि अमेरिकी ट्रेजरी डिपार्टमेंट ने जिन कंपनियों और व्यक्तियों को प्रतिबंधित सूची से हटाया है, वे सभी म्यांमार की सेना के बेहद करीबी माने जाते हैं। अभी तक सिर्फ यह कहा ही जाता था कि डोनाल्ड ट्रंप को अपनी तारीफ सुनना पसंद है। लेकिन अब इंटरनेशनल मंच पर यह साफ दिखा है। अमेरिका ने म्यांमार की फौजी सरकार से जुड़े कई प्रभावशाली लोगों और कंपनियों पर से प्रतिबंध हटा लिए हैं। लेकिन इस कदम के पीछे भी ट्रंप की तारीफ कारण बना है।दो हफ्ते पहले म्यांमार के फौजी चीफ मिन आंग हलैंग ने डोनाल्ड ट्रंप को एक चिट्ठी भेजी थी।

ट्रंप ने किया फेडरल रिजर्व का दौरा, रेनोवेशन को लेकर चेयरमैन से हुई बहस

वॉशिंगटन डीसी,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फेडरल रिजर्व बैंक के मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने चेयरमैन जेरोम पॉवेल की आलोचना की और फेडरल ऑफिस की रेनोवेशन लागत पर सवाल उठाए। इस दौरान दोनों के बीच बहस भी हुई। ट्रम्प ने दावा किया कि रेनोवेशन की लागत 3.1 बिलियन डॉलर है। इस पर पॉवेल ने असहमति जताते हुए कहा कि मुझे इसकी जानकारी नहीं।मीडिया रिपोर्ट में फेडरल रिजर्व के मुताबिक रेनोवेशन लागत 2.5 बिलियन डॉलर यानी 23 हजार करोड़ रुपए है। इसके बाद ट्रम्प ने अपनी जेब से एक डॉक्यूमेंट निकाला और पॉवेल को दिया। पॉवेल ने डॉक्यूमेंट देखकर उसे वापस करते हुए कहा कि ट्रम्प तीसरी इमारत को लागत में जोड़ रहे हैं। ट्रम्प ने जवाब दिया यह इमारत बन रही है, लेकिन पॉवेल ने तुरंत कहा कि यह इमारत पांच साल पहले बन चुकी है, यह नई नहीं है।ट्रम्प ने कहा कि उनकी सरकार फेडरल रिजर्व में हो रहे कामों पर नजर रख रही है। वह चाहते हैं कि रेनोवेशन का काम पूरा हो और पॉवेल बेंचमार्क ब्याज दरों में भारी कटौती करें। ट्रम्प पहले भी पॉवेल की आलोचना कर चुके हैं। यह मुलाकात दोनों के बीच तनाव को उजागर करती है। दौरे के बाद ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा- रेनोवेशन काम में अभी बहुत वक्त लगना है, अगर इसे कभी शुरू ही नहीं किया जाता तो बहुत बेहतर होता, लेकिन जो है सो है।बता दें ट्रम्प ने 2017 में पॉवेल को फेडरल रिजर्व का चेयरमैन नियुक्त किया था, लेकिन 2018 में ब्याज दरें बढ़ाने के फैसले पर ट्रम्प ने पॉवेल की आलोचना की। ट्रम्प ने कहा था कि वह पॉवेल की नियुक्ति से थोड़ा भी खुश नहीं हैं और फेडरल रिजर्व की नीतियां गलत दिशा में हैं इसके अलावा भी वो पॉवेल को नफरत करने वाला और बेवकूफ कह चुके हैं।

चीन में 24 घंटे में साल भर के बराबर बारिश, हजारों लोगों का किया रेस्क्यू

सड़कें डूबी, रास्ते और पुल टूटे कई गांवों में बिजली भी गुल

बीजिंग,(ईएमएस)। नॉर्थ चीन के बाओडिंग शहर में पिछले 24 घंटे में 448.7 मिमी बारिश हुई, जो एक साल की औसत बारिश 500 मिमी के बराबर है। इस इंडस्ट्रियल शहर में बाढ़ आ गई है, जिसके कारण सड़कें डूब गई, रास्ते और पुल टूट गए और कुछ गांवों में बिजली भी गुल है। बाओडिंग में रेड अलर्ट जारी किया था।बाओडिंग हेबेई प्रांत का हिस्सा है और राजधानी बीजिंग के पास है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस आपदा की वजह से 6 हजार घरों से 19 हजार से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। हेबेई और शानक्सी प्रांत में बाढ़ से निपटने के लिए सरकार ने राहत सामग्री भेजी है, जिनमें 23 हजार इमरजेंसी किट और कंबल शामिल हैं। हेबेई में इमरजेंसी तैयारियों बढ़ा दी गई हैं।बाओडिंग से 160 किमी दूर राजधानी बीजिंग में भी बारिश का खतरा बढ़ गया है। छह घंटे में 50 मिमी से ज्यादा बारिश हो सकती, जिससे अचानक बाढ़, भूस्खलन और अन्य दुर्घटनाएं हो सकती हैं। उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया में भारी बारिश की वजह से कई पैसेंजर ट्रेनें मंगलवार तक रद्द कर दी गई हैं। बाढ़ की वजह से लाखों लोगों के विस्थापन के संकट का सामना करना पड़ रहा है।बता दें बाओडिंग के झुओझोउ इलाके को 2023 में भी भयानक बाढ़ से जूझना पड़ा था, इस बार फिर से 190 मिमी से ज्यादा बारिश की वजह से आफत में फंस गया है।

महिलाओं की शिक्षा का किया समर्थन तो तालिबान ने धर्मगुरु को जेल में डाला

अफगानिस्तान में हजारों अनुयायी, लोग कर रहे गजनवी की रिहाई की मांग

काबुल,(ईएमएस)। अफगानिस्तान में महिलाओं की शिक्षा के समर्थन में आवाज उठाने वाले धार्मिक नेता को तालिबान प्रशासन ने जेल में डाल दिया है। शेख अब्दुल सामी गजनवी जिन्हें देश का वरिष्ठ धर्मगुरु माना जाता है उन्होंने तालिबान प्रमुख की आलोचना की थी। इसका नतीजा यह हुआ कि उन्हें पहले मदरसे से हटाया गया और अब तालिबान की सैन्य अदालत ने उन्हें हिरासत में लिया है।गजनवी ने तालिबान की उस नीति की निंदा की थी, जिसमें लड़कियों की स्कूल और कॉलेज की शिक्षा पर रोक लगाई गई है। उन्होंने कहा था कि इस पाबंदी का इस्लाम में कोई धार्मिक आधार नहीं है। उनका कहना था कि महिलाओं को शिक्षा से वंचित करना गलत है बल्कि समाज के विकास को भी पीछे धकेलता है। सिर्फ लड़कियों की शिक्षा ही नहीं, गजनवी ने तालिबान प्रमुख की उस अपील की भी आलोचना की जिसमें लड़ाकों से कहा गया था कि वे अफगानिस्तान के बाहर यानी पाकिस्तान में किसी प्रकार का जेहाद न करें। ऐसा इसलिए क्योंकि वह जेहाद की श्रेणी में नहीं आता।गजनवी ने साफ कहा कि जेहाद ईमानदार सेनापति का दायित्व होता है और यह केवल शब्दों में सीमित नहीं रह सकता। उन्होंने ऐतिहासिक घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब ने खुद कई सैन्य अभियानों का नेतृत्व किया था। गजनवी की ये बातें तालिबान प्रशासन को अच्छी नहीं लगी। सूत्रों के मुताबिक तालिबान की सैन्य अदालत ने बिना किसी सार्वजनिक सुनवाई के उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया और अगले आदेश तक जेल में रखने का निर्देश दिया। हालांकि तालिबान ने इस गिरफ्तारी को लेकर अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया है।बता दें गजनवी के अफगानिस्तान में हजारों अनुयायी हैं। उनकी गिरफ्तारी ने देश के अंदर बहस छेड़ दी है कि क्या अब धार्मिक नेताओं को भी सवाल उठाने का हक नहीं है? लोगों का कहना है कि गजनवी को जल्द रिहा कर तालिबान को अपनी नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए।

ये क्या हुआ अमेरिका ने आतंकवाद पर पाकिस्तान की थथपा दी पीठ!

वॉशिंगटन(ईएमएस)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर डेलिगेशन के तहत दुनिया को सच दिखाया। सबूत के साथ बताया कि पहलगाम अटैक में पाकिस्तान का हाथ है। पाकिस्तान ने ही अपने आतंकी भेजकर टूरिस्टों की हत्या करवाई। अमेरिका ने कुछ हद तक भारत की बात मानी भी। उसने लश्कर के मुखौटा द रेजिस्टेंस फोर्स को बैन किया। मगर अमेरिका ने एक चालाकी दिखाई। उसने पाकिस्तान का कहीं जिक्र तक नहीं किया। अब अमेरिका उससे एक कदम और आगे बढ़ा है। अब तो उसने आतंकवाद पर पाकिस्तान की पीठ थपथपाई है। मतलब अमेरिका का कहना है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान बढ़िया काम कर रहा है।यह दुनिया जानती है कि पाकिस्तान आतंकवाद का जनक है। उसकी धरती से बड़े-बड़े आतंकी निकले हैं। लादेन भी अमेरिका को वहीं मिला था। अब भी हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकी पाकिस्तान की धरती पर ही पल रहे हैं। इसके बावजूद अमेरिका कथित आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान को शाबाशी दे रहा है। यह सब ऐसे वक्त में हो रहा है, जह 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमला किया था और 26 टूरिस्टों की जान ले ली थी। अगर हकीकत देखा जाए तो यह किसी मजाक से कम नहीं। अब सवाल है कि आखिर अमेरिका के मन में पाकिस्तान को लेकर चल क्या रहा है।अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार से मुलाकात की। इशाक डार अभी वाशिंगटन में हैं। आसिम मुनीर के बाद इशाक डार अमेरिका और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने गए हैं। इस दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने इशाक डार को 'आतंकवाद का मुकाबला करने और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने में पाकिस्तान की साझेदारी' के लिए धन्यवाद दिया। अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने और खनिज क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने पर भी चर्चा की है।इशाक डार से पहले आसिम मुनीर भी अमेरिका में हाजिरी लगा चुके हैं।

गिल-राहुल के बीच 140 रन की साझेदारी, इंग्लैंड से भारत 160 रन पीछे, स्कोर 150 के करीब

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी : भारत पर मंडरा रहा हार का खतरा

नई दिल्ली (ईएमएस)। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में टीम इंडिया की स्थिति बेहद नाजुक होती जा रही है। तीन मुकाबलों के बाद 2-1 से पीछे चल रही भारतीय टीम मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में जारी चौथे टेस्ट में भी कमजोर नजर आ रही है। शुभमन गिल की कप्तानी में खेल रही टीम ने पहली पारी में 358 रन बनाए, लेकिन इंग्लैंड ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 7 विकेट के नुकसान पर 544 रन ठोक दिए हैं और 186 रनों की बढ़त हासिल कर ली है।

इस बढ़त को देखते हुए भारत पर पारी से हार का खतरा साफ नजर आ रहा है। अगर इंग्लैंड चौथे दिन के पहले सत्र में भी बल्लेबाजी करता है तो यह बढ़त आसानी से 250 रनों के करीब पहुंच सकती है, जो कि विदेशी सरजमीं पर तीसरी या चौथी पारी में पार करना बेहद मुश्किल होता है। भारत के सामने न केवल इस मैच को बचाने की चुनौती है, बल्कि पूरी सीरीज भी दांव पर लग गई है। अगर टीम यहां हारती है तो ट्रॉफी से भी हाथ धोना तय है।

भारत के लिए एक और चिंता ऋषभ पंत की फिटनेस है। चोट के कारण वह संभवतः इस मैच में दोबारा बल्लेबाजी नहीं कर पाएंगे। इसका मतलब है कि भारत एक बल्लेबाज कम के साथ उतरेगा, जो पहले से ही संघर्ष कर रही बल्लेबाजी लाइन-अप के लिए और बड़ी मुश्किल होगी। फिलहाल टीम के पास चार प्रमुख बल्लेबाज हैं, जबकि निचले क्रम में तीन ऑलराउंडर जिम्मेदारी संभालेंगे। इस संयोजन से रन बनाना आसान नहीं होगा, खासकर इंग्लैंड की धारदार गेंदबाजी के खिलाफ।

गेंदबाजी की बात करें तो भारत ने इस मैच में 500 से अधिक रन दिए हैं, जो पिछले 10 वर्षों में ओवरसीज टेस्ट में पहली बार हुआ है। जसप्रीत बुमराह जैसे प्रमुख गेंदबाज भी इस मैच में प्रभाव नहीं छोड़ सके हैं। कुल मिलाकर भारतीय टीम का प्रदर्शन इस मुकाबले में अब तक निराशाजनक रहा है और अगर जल्दी वापसी नहीं की गई, तो न सिर्फ यह मैच, बल्कि पूरी सीरीज टीम के हाथ से फिसल सकती है।

मैनचेस्टर । भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले का आज चौथा दिन है। शनिवार का खेल 544/7 से शुरू हुआ। इंग्लैंड की पहली पारी 669 रन पर सिमट गई। इस तरह मेजबानों ने भारत पर 311 रन की बढ़त हासिल कर ली। मेहमानों ने पहली पारी में 10 विकेट पर 358 रन बनाए थे। इंग्लैंड के लिए पहली पारी में जो रूट और बेन स्टोक्स ने शतकीय पारियां खेलीं। वहीं, भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने चार विकेट झटके। फिलहाल भारत की दूसरी पारी जारी है। केएल राहुल ने 141 गेंदों में अपने टेस्ट करियर का 19वां अर्धशतक पूरा किया। वह गिल के साथ 116 रनों की साझेदारी निभा चुके हैं। इंग्लैंड से भारत अब 194 रन पीछे है।

गिल और राहुल के बीच शतकीय साझेदारी हो चुकी है। दोनों अच्छी फॉर्म में नजर आ रहे हैं। इंग्लैंड से भारत 207 रन पीछे है। उसने दो विकेट पर 104 रन बना लिए हैं।

तीसरे सत्र का खेल जारी है। गिल और राहुल के बीच 90 से ज्यादा रनों की साझेदारी हो चुकी है। इंग्लैंड से भारत अब भी 217 रन पीछे है।

दूसरे सत्र का खेल समाप्त हो गया। शुभमन गिल और केएल राहुल ने मोर्चा संभाल लिया है और दोनों के बीच 86 रनों की साझेदारी हो चुकी है। भारत अभी इंग्लैंड से 225 रन पीछे है। शुभमन गिल ने 77 गेंदों में अपने टेस्ट करियर का आठवां अर्धशतक पूरा किया है। वह शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं।

गिल और राहुल के बीच 40 से ज्यादा रनों की साझेदारी हो चुकी है। इंग्लैंड से फिलहाल भारत 260+ रन पीछे है।

दूसरे सत्र का खेल शुरू हो चुका है। शुभमन गिल और केएल राहुल क्रीज पर मौजूद हैं। भारत अभी इंग्लैंड से 310 रन पीछे है।

पहले सत्र का खेल समाप्त हो गया। भारत को दो झटके क्रिस वोक्स ने दिए। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन को अपना शिकार बनाया। दोनों अपना खाता भी नहीं खोल पाए। फिलहाल क्रीज पर शुभमन गिल और केएल राहुल हैं। इंग्लैंड से भारत अब 310 रन पीछे है। भारत को दूसरी पारी के पहले ओवर में दो झटके लगे हैं। क्रिस वोक्स ने पहले यशस्वी जायसवाल को अपना शिकार बनाया। इसके बाद उन्होंने साई सुदर्शन को पवेलियन की राह दिखाई। अब केएल राहुल का साथ देने शुभमन गिल आए हैं। भारत ने शून्य के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिए हैं।

भारत की दूसरी पारी शुरू हो चुकी है। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल क्रीज पर हैं।

महिला कोपा अमेरिका - ब्राज़ील बनाम कोलंबिया - एस्टाडियो बैंको ग्वायाकिल, क्विटो, इक्वाडोर - कोलंबिया की मायरा रामिरेज़ ब्राज़ील की टार्सियाने के साथ प्रतिस्पर्धा करती हुई ।

जो रूट ने तोड़ा रिकी पोंटिंग का 13 साल पुराना रिकॉर्ड, पोंटिंग ने दी बधाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रचते हुए अब तक के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज का स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए यह मुकाम हासिल किया, जिनका रिकॉर्ड पिछले 13 वर्षों से अटूट बना हुआ था। जो रूट अब सिर्फ भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 15,921 रन दर्ज हैं, जबकि रूट के अब 13,409 रन हो गए हैं।मैनचेस्टर टेस्ट के तीसरे दिन यह उपलब्धि हासिल करते समय रूट 120 रन पर नाबाद थे। रिकी पोंटिंग खुद उस समय कमेंट्री कर रहे थे और उन्होंने रूट को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए ऑन-एयर बधाई दी। पोंटिंग ने कहा, जो रूट को बधाई। अब वह टेस्ट क्रिकेट में रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। यह इतिहास का एक शानदार क्षण है। ओल्ड ट्रैफर्ड का यह जानकार दर्शक वर्ग इस पल का गवाह बना। अब बस एक और खिलाड़ी उनसे आगे है सचिन तेंदुलकर।जो रूट की यह पारी उनकी मौजूदा फॉर्म का प्रमाण भी है। इस पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में यह उनका दूसरा शतक है, और उन्होंने इस मुकाबले में 150 रन की अहम पारी खेली। इस प्रदर्शन के साथ ही सीरीज में उनके कुल रन 400 के पार पहुंच गए हैं। खास बात यह है कि इस मैच से पहले वह सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में पांचवें स्थान पर थे, लेकिन अब उन्होंने राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और पोंटिंग को पछाड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। रूट की निरंतरता और तकनीकी उत्कृष्टता ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों में शामिल कर दिया है। जिस तरह से उन्होंने बीते कुछ वर्षों में प्रदर्शन किया है, उसे देखकर क्रिकेट विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर फिटनेस बनी रही तो वह सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को भी चुनौती दे सकते हैं।

टी20 में टिम डेविड का 37 गेंदों पर तूफानी शतक

नई दिल्ली (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिम डेविड ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। सेंट किट्स के वार्नर पार्क में खेले गए मैच में उन्होंने महज 37 गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया, जो टी20 फॉर्मेट में किसी भी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज शतक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड जोश इंग्लिस के नाम था, जिन्होंने सितंबर 2024 में स्कॉटलैंड के खिलाफ 43 गेंदों में शतक बनाया था। डेविड ने अपनी पारी की शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और केवल 16 गेंदों में अर्धशतक जड़ते हुए मार्कस स्टोइनिस का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2022 में श्रीलंका के विरुद्ध 17 गेंदों में फिफ्टी लगाई थी। टिम डेविड की इस शानदार पारी ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नई पहचान दिलाई है। अगर उनके करियर रिकॉर्ड की बात करें, तो उन्होंने अब तक 56 टी20 मुकाबलों में 36.19 की औसत से 782 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं। मैच की शुरुआत में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट पर 214 रन बनाए। कप्तान शाई होप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 57 गेंदों में नाबाद 102 रन की पारी खेली, जिसमें आठ चौके और छह छक्के शामिल थे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम ने केवल 16.1 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। टिम डेविड ने नाबाद शतकीय पारी खेलते हुए मिचेल ओवन के साथ पांचवें विकेट के लिए 128 रन की साझेदारी की और टीम को एकतरफा जीत दिलाई। इस धमाकेदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। ऑस्ट्रेलिया ने इस पांच मैचों की टी20 सीरीज में पहले मुकाबले में तीन विकेट से और दूसरे मैच में आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। तीसरे मुकाबले को जीतकर उसने 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है और सीरीज अपने नाम कर ली है।

एशिया कप 2025 का आयोजन यूएई में होगा

9 से 28 सितंबर तक चलेगी प्रतियोगिता

ढाका (ईएमएस)। एशिया कप 2025 का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 9 से 28 सितंबर तक किया जाएगा। इसकी आधिकारिक पुष्टि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने ढाका में हुई बैठक के बाद की। इस बैठक में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के प्रतिनिधि भी वर्चुअली शामिल हुए। नकवी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट क्रिकेट प्रेमियों के लिए शानदार अनुभव होगा और जल्द ही विस्तृत कार्यक्रम की जानकारी दी जाएगी। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट की मेजबानी मूल रूप से भारत को सौंपी गई थी, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच जारी राजनीतिक तनाव के चलते इसका स्थानांतरण यूएई में कर दिया गया। टूर्नामेंट के मुकाबले दुबई, शारजाह और अबू धाबी जैसे शहरों में कराए जाने की संभावना है। एशिया कप 2025 इस बार टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा और इसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, यूएई, हांगकांग और ओमान जैसी टीमें भाग लेंगी। भारत मौजूदा चैंपियन है, जिसने 2023 में श्रीलंका को हराकर 50 ओवर के फॉर्मेट में यह खिताब अपने नाम किया था।इससे पहले 2023 का एशिया कप भी भारत-पाक संबंधों के कारण हाइब्रिड मॉडल में खेला गया था, जिसमें चार मैच पाकिस्तान और बाकी श्रीलंका में आयोजित किए गए थे। इसी तरह, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पर भी राजनीतिक माहौल का असर पड़ा और भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान जाकर खेलने से इनकार कर दिया, जिससे उसे यूएई में ही अपने सभी मुकाबले खेलने पड़े। टूर्नामेंट के कार्यक्रम को लेकर उत्साह इस बात से भी है कि अगर भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया तो वे तीन बार भिड़ सकते हैं ग्रुप स्टेज, सुपर-4 और फिर फाइनल में। क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह एक रोमांचक अनुभव साबित हो सकता है।

एक साल बाद ग्राहम थोर्प की पत्नी अमांडा का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर ग्राहम थोर्प की मौत को लेकर अब एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पिछले साल 4 अगस्त 2024 को ग्राहम की मौत की खबर आई थी, जिसने क्रिकेट जगत को हिला कर रख दिया था। अब करीब एक साल बाद उनकी पत्नी अमांडा ने खुलासा किया है कि थोर्प की मौत एक हादसा नहीं बल्कि आत्महत्या थी। अमांडा के अनुसार, थोर्प लंबे समय से डिप्रेशन से जूझ रहे थे और उन्होंने खुद उनसे अपनी जान लेने में मदद करने की बात कही थी। उन्होंने बताया कि मरने से पहले थोर्प ने कई जरूरी अपॉइंटमेंट्स कैंसल कर दिए थे और मानसिक रूप से बुरी तरह टूट चुके थे। ग्राहम थोर्प की मौत सरे के एक रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से हुई थी। जांच के बाद यह बात सामने आई कि वह 2022 में इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के बैटिंग कोच की नौकरी से निकाले जाने के बाद गहरे अवसाद में चले गए थे। अमांडा ने बताया कि एशेज सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया में हुए एक विवादास्पद वीडियो लीक होने के बाद उनकी मानसिक हालत और भी ज्यादा बिगड़ गई थी। यही वीडियो उनके तनाव का बड़ा कारण बन गया।यह भी सामने आया है कि कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान उन्होंने आत्महत्या की कोशिश की थी और तब उन्हें तीन हफ्तों तक आईसीयू में भर्ती रहना पड़ा था। ग्राहम थोर्प का करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 100 टेस्ट में 6744 रन बनाए, जिसमें 16 शतक और 39 अर्धशतक शामिल हैं। वनडे में उन्होंने 2380 रन बनाए। कोचिंग में भी उन्होंने खुद को साबित किया, लेकिन निजी जिंदगी की मुश्किलों से वह बाहर नहीं निकल पाए और अंत में दुखद अंत को गले लगा लिया।

एबी डिविलियर्स ने चुनी ऑल टाइम वर्ल्ड इलेवन, सचिन और बुमराह को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली (ईएमएस)। साउथ अफ्रीका के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज एबी डिविलियर्स इन दिनों वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में धमाकेदार प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने तूफानी शतक ठोककर क्रिकेट प्रेमियों को एक बार फिर अपने क्लास की झलक दिखाई। मैदान के इस शानदार खेल के बीच डिविलियर्स ने अपनी ऑल टाइम वर्ल्ड इलेवन का ऐलान कर दिया है, जो क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि इस लिस्ट में उन्होंने भारत के सिर्फ दो खिलाड़ियों को शामिल किया है और उसमें न तो 'क्रिकेट के भगवान' सचिन तेंदुलकर हैं और न ही मौजूदा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह। डिविलियर्स की टीम में ओपनिंग की जिम्मेदारी ग्रीम स्मिथ और मैथ्यू हेडन को दी गई है। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज रिकी पोंटिंग को रखा गया है। मिडल ऑर्डर की बात करें तो डिविलियर्स ने विराट कोहली, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन जैसे आधुनिक युग के बड़े नामों को शामिल किया है।

विकेटकीपर के रूप में डिविलियर्स ने एमएस धोनी को चुना है, जो सातवें नंबर पर खेलते हुए मैच फिनिशर की भूमिका भी निभाएंगे। गेंदबाजी विभाग में दो तेज गेंदबाज और दो स्पिनर को मौका मिला है। मिचेल जॉनसन और पाकिस्तान के मोहम्मद आसिफ को तेज गेंदबाजी का जिम्मा सौंपा गया है, जबकि स्पिन में लीजेंड्स शेन वॉर्न और मुथैया मुरलीधरन को शामिल किया गया है। डिविलियर्स की यह टीम अनुभव और आधुनिक क्रिकेट का अनोखा मिश्रण दिखाती है। उन्होंने ग्लेन मैक्ग्रा को 12वें खिलाड़ी के रूप में चुना है। उनकी इस टीम से एक बात साफ हो जाती है कि डिविलियर्स तकनीक, प्रभाव और विविधता को प्राथमिकता देते हैं, भले ही नाम बड़े हों या नहीं।

एबी डी विलियर्स की ऑल टाइम वर्ल्ड इलेवन : ग्रीम स्मिथ (दक्षिण अफ्रीका), मैथ्यू हेडन (ऑस्ट्रेलिया), रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया), विराट कोहली (भारत), स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया), केन विलियमसन (न्यूजीलैंड), एमएस धोनी (भारत), मिशेल जॉनसन (ऑस्ट्रेलिया), मोहम्मद आसिफ (पाकिस्तान), मुथैया मुरलीधरन (श्रीलंका), शेन वार्न (ऑस्ट्रेलिया)। 12वां खिलाड़ीः ग्लेन मैक्ग्रा (ऑस्ट्रेलिया)

चिन्नास्वामी स्टेडियम को असुरक्षित बताने वाली रिपोर्ट से महिला विश्व कप पर संकट

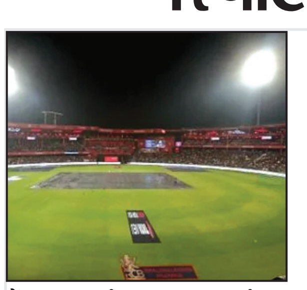

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक सरकार द्वारा गठित न्यायमूर्ति जॉन माइकल डी'कुन्हा आयोग ने बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम को जनसमूह के लिए अनुपयुक्त और असुरक्षित घोषित कर दिया है। यह निष्कर्ष उस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के बाद आया है, जिसमें आईपीएल विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जश्न के दौरान मची भगदड़ में 11 प्रशंसकों की जान चली गई और कई अन्य घायल हुए। इस घटना के बाद राज्य सरकार ने आयोग का गठन किया था, जिसकी रिपोर्ट अब राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष पेश की जा चुकी है।रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टेडियम का वर्तमान ढांचा बड़ी भीड़ के अनुकूल नहीं है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा को गंभीर खतरा है। इस रिपोर्ट के प्रकाश में आने के बाद इस साल के अंत में होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप के शुरुआती मुकाबले और फाइनल जैसे बड़े आयोजन खतरे में पड़ सकते हैं, क्योंकि ये मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही निर्धारित हैं। इससे बीसीसीआई को वैकल्पिक स्थानों पर विचार करना पड़ सकता है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने भी एहतियात के तौर पर अगले महीने होने वाले महाराजा ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट को दर्शकों के बिना कराने का फैसला लिया है। आयोग का कहना है कि बड़ी खेल प्रतियोगिताओं को ऐसे स्थानों पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए, जो बड़ी संख्या में दर्शकों को सुरक्षित रूप से समायोजित कर सकें।रिपोर्ट में सुधारात्मक सुझाव भी शामिल हैं, जैसे प्रवेश और निकास द्वारों का पुनर्गठन तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप आपातकालीन निकासी योजनाओं की तैयारी। आयोग ने चेताया है कि जब तक ये ढांचागत परिवर्तन नहीं होते, तब तक चिन्नास्वामी जैसे आयोजन स्थलों पर बड़े कार्यक्रमों का आयोजन सार्वजनिक सुरक्षा के लिए जोखिम बना रहेगा। इसके साथ ही आयोग ने केएससीए के शीर्ष पदाधिकारियों और आयोजन से जुड़े अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश की है। हालांकि, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स ने इस आयोग और उसकी रिपोर्ट के निष्कर्षों को चुनौती देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया है।

पीसीबी ने एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए घोषित की टीम

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज और टी20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। दोनों के लिए ही अलग-अलग कप्तान बनाये गये हैं। एकदिवसीय सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को टीम का कप्तान बनाया है। वहीं सलमान अली आगा टी20 सीरीज में टीम की कप्तानी करेंगे। एकदिवसीय सीरीज के लिए अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के अलावा तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की भी टीम में वापसी हुई है। पीसीबी चयन समिति ने एकदिवसीय सीरीज के लिए 16 सदस्यीय और टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है। पहले टी20 सीरीज खेली जाएगी और फिर एकदिवसीय सीरीज होगी। एकदिवसीय सीरीज 8, 10 और 12 अगस्त को त्रिनिदाद एंड टोबैगो के ब्रायन लारा क्रिकेट एकेडमी में खेली जाएगी। पाकिस्तान की टीम को इस सीरीज में 31 जुलाई, 2 और 3 अगस्त को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेलने हैं। इसमें सलमान अली आगा टी20 टीम की कप्तानी करेंगे जबकि तेज गेंदबाज हारिस राउफ, हसन अली और शाहीन शाह अफरीदी को भी इस टीम में शामिल किया गया है। पाकिस्तान की टीम को हाल ही में 2-1 से बांग्लादेश से टी20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था ऐसे में अब वह वेस्टइंडीज में जीत हासिल करना चाहेगी। टी20 सीरीज के लिए टीम में बाबर और रिजवान को जगह नहीं मिली है।

दूसरे छोर से सहयोग मिलने पर और खतरनाक हो जाते हैं बुमराहः जोनाथन ट्रॉट

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा कमेंटेटर जोनाथन ट्रॉट ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर अहम टिप्पणी की है। उनका मानना है कि बुमराह जब गेंदबाजी के दूसरे छोर से अच्छा समर्थन पाते हैं, तो बुमराह कहीं ज्यादा असरदार साबित होते हैं। मौजूदा पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पिछड़ रही है और चौथे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने 186 रनों की बढ़त हासिल कर चुका है। इस मैच में बुमराह अब तक कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं, हालांकि ट्रॉट का कहना है कि उन्होंने सधी हुई गेंदबाजी की है, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया।ट्रॉट ने कहा कि बुमराह की इकॉनमी दर इस बात का संकेत है कि उन्होंने अनुशासित गेंदबाजी की, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त दबाव का सहयोग नहीं मिला। जब गेंदबाजी इकाई पूरी ताकत से नहीं खेल रही होती, तो दोनों सिरों से एक साथ दबाव बनाना जरूरी हो जाता है, जिससे बल्लेबाजों पर असर पड़ता है। ट्रॉट ने यह भी जोड़ा कि जब गेंदबाज अकेले दम पर जिम्मेदारी उठाते हैं, तो सफलता मिलना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने भारतीय टीम के गेंदबाजी संयोजन पर भी सवाल उठाए और कहा कि अंशुल कंबोज टेस्ट क्रिकेट की कसौटी पर खरे नहीं उतर पाए।

ऋषभ पंत की चोट पर डेविड लॉयड की टिप्पणी से मचा बवाल

टेस्ट क्रिकेट में विकल्प की बहस फिर तेज़

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट मैच के दौरान भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को चोट लगने के बाद इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड ने एक विवादित बयान देकर क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी है। लॉयड ने एक कार्यक्रम में दावा किया कि मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम के लीजेंड्स लाउंज में मौजूद कई लोगों को यह शक था कि पंत की चोट उतनी गंभीर नहीं थी, जितनी बताई जा रही थी, और वह इसका फायदा उठा रहे थे। उन्होंने यहां तक कह दिया कि कुछ लोगों की राय में पंत को टाइम आउट कर देना चाहिए था।गौरतलब है कि टेस्ट के पहले दिन, जब पंत 37 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे, तो उन्होंने क्रिस वोक्स की एक यॉर्कर को रिवर्स स्वीप करने की कोशिश की और इस दौरान गेंद उनके दाहिने पैर के अंगूठे पर लग गई। बाद में जांच में पता चला कि उनके अंगूठे में फ्रैक्चर है। इसके बावजूद पंत ने हिम्मत दिखाई और शार्दुल ठाकुर के आउट होने के बाद दूसरे दिन बल्लेबाजी करने लौटे। उन्होंने दर्द के बावजूद 54 रनों की अहम पारी खेली, जिसकी मैनचेस्टर के दर्शकों और क्रिकेट पंडितों ने जमकर तारीफ की।हालांकि, डेविड लॉयड की इस टिप्पणी ने लोगों को दो गुटों में बांट दिया है। कुछ लोग पंत की बहादुरी की प्रशंसा कर रहे हैं, वहीं कुछ उनकी चोट को लेकर सवाल उठा रहे हैं। लॉयड ने इस बहाने टेस्ट क्रिकेट में एक बार फिर से गंभीर रूप से चोटिल खिलाड़ियों के लिए वैकल्पिक खिलाड़ी की अनुमति दिए जाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि अगर चोट प्रमाणित रूप से गंभीर हो, जैसे पंत का फ्रैक्चर, जिसमें खिलाड़ी हफ्तों तक फिट नहीं हो सकता, तो टीमों को समान भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी को उतारने की इजाजत मिलनी चाहिए। हालांकि, लॉयड ने यह भी कहा कि इस नियम को बहुत सोच-समझकर लागू करना होगा, ताकि इसका दुरुपयोग न हो पाए, जैसे बल्लेबाज की जगह स्पिनर को लाना। यह विवाद ऐसे समय में आया है जब ऋषभ पंत की वापसी को भारतीय क्रिकेट में एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। अब देखना होगा कि लॉयड की इस टिप्पणी से उठी बहस भविष्य में कोई नियम बदलवाती है या नहीं।

वाशिंगटन, डी.सी., अमेरिका में रॉक क्रीक पार्क टेनिस सेंटर में मुबाडाला सिटी डीसी ओपन के पुरुष एकल क्वार्टर फ़ाइनल में फ़्रांसिस टियाफ़ो (अमेरिका) बेन शेल्टन (अमेरिका) के विरुद्ध सर्विस करते हुए।

बीएसएल में "साइंस एंड प्रैक्टिस ऑफ हैप्पीनेस" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो। 26 जुलाई को बीएसएल के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची के सहयोग से "साइंस एंड प्रैक्टिस ऑफ हैप्पीनेस" विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी के साथ भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची की वरीय फैकल्टी सुश्री तनुश्री दत्ता उपस्थित थीं.कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा के स्वागत भाषण से हुई जिन्होंने अतिथियों के साथ सभी प्रतिभागियों का कार्यक्रम में स्वागत किया तथा नेतृत्व विकास में भावनात्मक कल्याण के महत्व पर जोर दिया. कार्यक्रम के विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए सुश्री नीता बा ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में त्वरित निर्णय, भावनात्मक लचीलापन और प्रामाणिकता जैसी चुनौतियों में अपने व्यवसायिक जीवन को खुशहाल और स्वस्थ रखने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है.कार्यक्रम में बीएसएल के कुल 26 वरीय अधिकारी प्रतिभागी के रूप में शामिल थे तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची की वरीय फैकल्टी सुश्री तनुश्री दत्ता के साथ प्रोफेसर श्री गौरव मनोहर मराठे एवं प्रोफेसर श्री राजशेखर डेविड उपस्थित थे.

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी ने सभी को सुरक्षा शपथ दिलाने के उपरांत अपने सम्बोधन में आज के कठिन और चुनौतीपूर्ण इस्पात व्यवसाय के व्यावसायिक परिदृश्य में ऐसे कार्यक्रमों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला. प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आईआईएम, रांची की फैकल्टी द्वारा इस विषय पर वैज्ञानिक तरीकों से तैयार की गई व्यावहारिक बिंदुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया. कार्यक्रम का संचालन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र के सहायक महाप्रबंधक श्री अमित आनंद द्वारा किया गया तथा श्री ऋषिकेश रंजन और श्री सिद्धो चरण मुर्मू का महत्वपूर्ण सहयोग रहा.

कृषि मंत्री की पहल का असरः

ट्राईफेड ने लघु वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण के लिए सेल का किया गठन

रांची(ईएमएस)। झारखंड की कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के द्वारा लघु वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य,एमएसपी में बढ़ोत्तरी के पत्र का असर होता हुआ दिखने लगा है। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने 19 जुलाई को केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम को पत्र भेजते हुए लघु वनोपज के एमएसपी में यथोचित वृद्धि की मांग की थी। अब केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय से संबद्ध ट्राइबल को ऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड(ट्राई फेड) ने लघु वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण के लिए माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस प्राइसिंग सेल का गठन किया है। इसकी जानकारी राज्य के सिद्धको फेड के सचिव राकेश कुमार सिंह को दी गई है। आपको बता दें की कृषि मंत्री के द्वारा केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री को भेजे गए पत्र में इस बात का उल्लेख किया गया था की साल 2020 से लघु वनोपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य का निर्धारण नहीं होने से वनोपज पर आश्रित जनजातीय समुदाय को आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ रहा है। ट्राईफेड के द्वारा लघु वनोपज मूल्य निर्धारण सेल को कुछ टास्क भी निर्धारित किया है। जिसमें उल्लेखित किया गया है कि 28 राज्यों में वनोपज के संग्रहण, साफ सफाई,प्राथमिक प्रसंस्करण, पैकेजिंग और परिवहन की लागत मूल्य का आकलन किया जाएगा।संग्रहण में लगने वाले लागत की समीक्षा की जाएगी।वही मूल्य निर्धारण सेल अलग अलग राज्यों के नोडल एजेंसी से समन्वय स्थापित कर उनका इनपुट प्राप्त करेगी। जिसके बाद ट्राईफेड को भेजे गए अनुशंसा के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य का निर्धारण होगा।मूल्य निर्धारण सेल लघु वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य की अनुशंसा जनजातीय कार्य मंत्रालय को भेजेगा।मूल्य निर्धारण सेल इस क्रम में लघु वनोपज के व्यापारियों, गैर सरकारी संस्थाओं, आदिवासी कल्याण से जुड़े लोगों,खासकर आदिवासी नेताओं से इस संदर्भ में विचार विमर्श करेगा।इतना ही नहीं जनजातीय क्षेत्रों के उत्पादों के मूल्य संवर्धन,प्रसंस्करण और विपणन में विशेषज्ञता रखने वाली अग्रणी कार्पोरेट कंपनी जैसे आईटीसी जो ई चौपाल के साथ साथ कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन में भी अग्रणी है उनसे भी राय लेगी।

कृषि मंत्री की पहल का असरःट्राईफेड ने लघु वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण के लिए सेल का किया गठन

रांची(ईएमएस)।झारखंड की कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के द्वारा लघु वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य,एमएसपी में बढ़ोत्तरी के पत्र का असर होता हुआ दिखने लगा है। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने 19 जुलाई को केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम को पत्र भेजते हुए लघु वनोपज के एमएसपी में यथोचित वृद्धि की मांग की थी। अब केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय से संबद्ध ट्राइबल को ऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड(ट्राई फेड) ने लघु वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण के लिए माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस प्राइसिंग सेल का गठन किया है। इसकी जानकारी राज्य के सिद्धको फेड के सचिव राकेश कुमार सिंह को दी गई है। आपको बता दें की कृषि मंत्री के द्वारा केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री को भेजे गए पत्र में इस बात का उल्लेख किया गया था की साल 2020 से लघु वनोपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य का निर्धारण नहीं होने से वनोपज पर आश्रित जनजातीय समुदाय को आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ रहा है। ट्राईफेड के द्वारा लघु वनोपज मूल्य निर्धारण सेल को कुछ टास्क भी निर्धारित किया है। जिसमें उल्लेखित किया गया है कि 28 राज्यों में वनोपज के संग्रहण, साफ सफाई,प्राथमिक प्रसंस्करण, पैकेजिंग और परिवहन की लागत मूल्य का आकलन किया जाएगा।संग्रहण में लगने वाले लागत की समीक्षा की जाएगी।वही मूल्य निर्धारण सेल अलग अलग राज्यों के नोडल एजेंसी से समन्वय स्थापित कर उनका इनपुट प्राप्त करेगी। जिसके बाद ट्राईफेड को भेजे गए अनुशंसा के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य का निर्धारण होगा।मूल्य निर्धारण सेल लघु वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य की अनुशंसा जनजातीय कार्य मंत्रालय को भेजेगा।मूल्य निर्धारण सेल इस क्रम में लघु वनोपज के व्यापारियों, गैर सरकारी संस्थाओं, आदिवासी कल्याण से जुड़े लोगों,खासकर आदिवासी नेताओं से इस संदर्भ में विचार विमर्श करेगा।इतना ही नहीं जनजातीय क्षेत्रों के उत्पादों के मूल्य संवर्धन,प्रसंस्करण और विपणन में विशेषज्ञता रखने वाली अग्रणी कार्पोरेट कंपनी जैसे आईटीसी जो ई चौपाल के साथ साथ कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन में भी अग्रणी है उनसे भी राय लेगी।

अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा की 23 अगस्त को बाबा गणिनाथ की जयंती की तैयारियों को लेकर आयोजित की बैठक

धनबाद, शनिवार को धनबाद अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा धनबाद जिला के सदस्यों की बैठक जिलाध्यक्ष विशाल कुमार की अध्यक्षता में हीरापुर स्थित नवरत्न कैटरर के कार्यालय में बैठक संपन्न हुई।

बैठक में आगामी 23 अगस्त को बेकारबांध स्थित ब्लेशिंग वैंकवेट हाल में होने वाली बाबा गणिनाथ जयन्ती की तैयारियों पर चर्चा किया गया। विशाल गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष समाज के छात्र छात्राओं को सम्मानित किया जायेगा। 80% से अधिक अंक लाने वाले समाज के विद्यार्थियों को सभी अपने प्रमाण पत्र कमिटी में सह समय जमा करना आवश्यक है। बैठक में मुख्य रूप से प्रकाश कुमार गुप्ता, कैलाश कुमार गुप्ता, गोल्डेन कुमार, संजय कुमार गुप्ता, राज कुमार गुप्ता, रामअवतार मदेशिया, राजेश कुमार गुप्ता प्रमंडल प्रभारी मनोज कुमार,विवेक गुप्ता, लक्ष्मण गुप्ता विकास कुमार गुप्ता, मनटु साव, शशीप्रकाश, निर्मल कुमार साहु आदि उपस्थित थे।

धनबाद में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, कारगिल विजय दिवस पर देशभक्ति में डूबा शहर

धनबाद(ईएमएस)।कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य पर शनिवार को धनबाद में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा स्टील गेट से प्रारंभ होकर सरायढेला, पुलिस लाइन, हीरापुर, रणधीर वर्मा चौक होते हुए रणधीर वर्मा स्टेडियम तक पहुंची। यात्रा में आर्मी के जवानों के साथ नेवी के रिटायर्ड अधिकारी, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली छात्र-छात्राएं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए।तिरंगा यात्रा के दौरान शहर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। प्रतिभागियों के हाथों में लहराते तिरंगे और भारत माता की जय, वंदे मातरम जैसे नारों से गूंजते मार्गों पर माहौल भावविभोर हो गया। विभिन्न स्थानों पर स्थानीय नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर प्रतिभागियों का स्वागत किया। स्कूली बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी और सेना बैंड की देशभक्ति धुनों ने समां बांध दिया।तिरंगा यात्रा का समापन रणधीर वर्मा स्टेडियम में हुआ, जहां कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर सेना और नेवी से जुड़े अधिकारी, रिटायर्ड सैन्यकर्मी और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।सभी ने शहीदों को पुष्प अर्पित किया और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन किया।वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सैन्य इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, जिसने पूरे देश को एक बार फिर यह एहसास कराया कि भारत की सीमाएं सुरक्षित हाथों में हैं।उन्होंने बताया कि 1999 में पाकिस्तान द्वारा कारगिल की पहाड़ियों पर कब्जे की साजिश के खिलाफ भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन विजय' शुरू किया था।लगभग 60 दिनों तक चले इस संघर्ष में भारतीय सैनिकों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए 26 जुलाई को विजय प्राप्त की थी।

शरारती तत्वों ने जनरल दुकान और होटल में लगाई आग, 5 लाख रुपए का नुकसान

धनबाद ईएमएस)। धनबाद जिले के धनसार थाना क्षेत्र के पुराना स्टेशन यार्ड के समीप शुक्रवार की देर रात शरारती तत्वों ने एक जनरल दुकान और होटल में आग लगा दी, जिससे दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो गया। दुकान के स्टाफ से शनिवार की सुबह सूचना मिलने के बाद पीड़ित दुकानदार रेखा देवी और दिलीप भगत मौके पर पहुंचे तो देखा दुकान पूरी तरह जल कर खाक हो गया है। इसके बाद घटना की जानकारी धनसार थाना की पुलिस को दी गई।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई।इस संबंध में पीड़िता रेखा देवी ने बताया कि बीते कुछ दिनों से क्षेत्र में नशेड़ियों का जमावड़ा लगातार बढ़ता जा रहा था, जिसका उन्होंने विरोध किया था।शायद विरोध का बदला लेने के लिए ही किसी ने दुकान में आग लगा दी।वहीं पति दिलीप भगत ने बताया कि उनकी दो दुकानें थीं। एक जनरल स्टोर, जिसे उनकी पत्नी और बेटी मिलकर चलाती थीं।वहीं दूसरी एक छोटा होटल थी, जिसे वे स्वयं संचालित करते थे। उन्होंने कहा कि इस अगलगी की घटना में दोनों दुकानों के जलने से करीब 5 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।दिलीप भगत ने कहा कि इस दुकान से ही परिवार की रोजी-रोटी चलती थी। दुकान जल जाने से पूरा परिवार सड़क पर आ गया है।उन्होंने पुलिस से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।साथ ही जिला प्रशासन से अपील की है कि सरकारी योजनाओं के तहत उन्हें मदद दी जाए, ताकि वे इस आर्थिक संकट से उबर सकें।इस संबंध में पुलिस ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है और दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

न्यायालय नीलामपत्र पदाधिकारी–सह–जिला सहकारिता पदाधिकारी, बोकारो।

सूचना

एतद् द्वारा पुण्डरू पैक्स लि0, चास के अधोलिखित सर्टिफिकेट देनदारों को सूचित किया जाता है कि आप सभी सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के अंदर बकाया राशि जमा करना सुनिश्चित करें अन्यथा आप सभी के विरूद्ध लोकमांग वसूली अधिनियम के तहत कुर्की जब्ती/वारंट निर्गत किया जाएगा। इसे सख्त ताकिद समझे–

क्र	सर्टिफिकेट देनदार का नाम	पिता/पति का नाम	पता	नीलाम पत्र वाद संख्या	अधियाचित राशि (रू0)	नीलाम पत्र की स्थिति
1	2	3	4	5	6	7
1	श्री मनिन्द्रनाथ महतो	स्व0 स्वर्शर महतो	ग्राम– तुरीडीह, पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, बोकारो।	19/2023–24	13,100	सेक्शन–7 की नोटिस निर्गत
2	श्री विभुति सिंह चौधरी	स्व0 नन्दलाल सिंह चौधरी	ग्राम– टुपरा, पो0 + थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	20/2023–24	10,314	"
3	श्री श्याम तिवारी	स्व0 जगन्नाथ तिवारी	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	21/2023–24	16,200	"
4	श्री निजाम अंसारी	श्री ईशमाईल अंसारी	ग्राम– तुरीडीह, पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, बोकारो।	23/2023–24	14,500	"
5	श्री तपन वट्व्याल	श्री पी0 वट्व्याल	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	24/2023–24	6,000	"
6	श्री मनपुरण दशौन्धी	श्री भागीरथ दशौन्धी	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	25/2023–24	12,900	"
7	श्री रामपद मिस्त्री	स्व0 देवीलाल मिस्त्री	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	26/2023–24	20,720	"
8	श्री ठाकुर सिंह चौधरी	श्री अभिराम सिंह चौधरी	ग्राम– टुपरा, पो0 + थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	27/2023–24	44,420	"
9	श्रीमती गीता देवी	श्री हरेन्द्रनाथ गोस्वामी	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	28/2023–24	1,614	"
10	श्रीमती मालती देवी	स्व0 अनादी परमाणिक	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	29/2023–24	14,017	"
11	श्री मोहन लाल तिवारी	स्व0 बुनियाद तिवारी	ग्राम+पो0– सिलफोर, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	30/2023–24	50,500	"
12	श्री वासुदेव तिवारी	स्व0 हुपलाल तिवारी	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	31/2023–24	15,843	"
13	श्री नेपाल चन्द्र गोस्वामी	स्व0 अमूल्य रत्न गोस्वामी	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	32/2023–24	22,858	"
14	श्री समीर कुमार वट्व्याल	श्री महादेव वट्व्याल	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	34/2023–24	16,190	"
15	श्री अतुल कुमार शेखर बाबू	स्व0 पी0एन0 शेखर	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	35/2023–24	9,392	"
16	श्री दिलीप कुमार महथा	स्व0 शरतेन्दु महथा	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	36/2023–24	24,200	"
17	सुजाता कुमारी	श्री महादेव ओझा	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	37/2023–24	18,400	"
18	श्री राजदेव महथा	स्व0 राखोहरी महथा	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	38/2023–24	6,350	"
19	श्री नरेन्द्रनाथ महतो	स्व0 वनमाली महतो	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	39/2023–24	8,903	"
20	श्री अकाल चन्द्र ओझा	स्व0 बलराम ओझा	ग्राम+पो0– पुण्डरू, थाना– पिण्ड्राजोरा, जिला– बोकारो।	40/2023–24	1,742	"

नोटः–अद्यतन सूद एवं तलबाना भी जमा करना होगा।

नीलाम पत्र पदाधिकारी
–सह–जिला सहकारिता पदाधिकारी, बोकारो।

PR 358290 (Co-opretive) 25-26 (D)

कार्यालय
विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद।

अतिअल्पकालिन निविदा आमत्रंण सूचना सं0 08/2025–26

1. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम :– विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद।
2. विभाग का नाम :– ऊर्जा विभाग
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि :– दिनांक 05.08.25 के 12:00 बजे अपराह्न तक
4. निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय :– दिनांक 06.08.25 के 02:00 बजे अपराह्न तक
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 06.08.25 के 02:30 बजे अपराह्न में
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– विद्युत अधीक्षण अभियंता, विद्युत कार्य अंचल, राँची का कार्यालय/विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद/जिला नियंत्रण कक्ष धनबाद।
7. निविदा खोलने का स्थान :– विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद।

कार्य की विवरणी :–

क0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र की राशि रू0	अग्रधन की राशि रू0	अवधि
1	Emergent Repair Supply and Laying of Main Service Cable for officers Quarter of sahayak shramayukt karyalay Dhanbad.	1,41,373.00	500.00	2 % of the Estimated value	15 days
2	Annual Repair to E.I in the Qtr. B12 & Service Cable, Security Light on the B7-B12 Qtr. At officer's colony bekar bandh, Dhanbad.	2,26,473.00	500.00	2 % of the Estimated value	15 days
3	Ordinary Repair to E.I in the Newely Constructed Qtr. C19,C21 & C23, Service Cable, Security Light on the C19 - C24 Qtr. At officer's colony bekar bandh, Dhanbad.	1,43,357.00	500.00	2 % of the Estimated value	15 days
4	S/R to E.I. in library Cum Motivational hall in the campus of sanik School at Tilaiya, Koderma.	6,76,785.00	1250.00	2 % of the Estimated value	20 days
5	Emergent Repair & Maintenance of One nos Otis lifts at Nayay Sadan Civil Court Bokaro.	3,88,850.00	750.00	2 % of the Estimated value	15 days
6	Emergent Repair & Maintenance of Four nos Otis lifts at Newely Constructed DC office Dhanbad.	7,19,671.00	1250.00	2 % of the Estimated value	20 days
7	SR to EI of LED Flood light of Parade Ground in the campus of JAP 3 Dhanbad.	4,61,022.00	750.00	2 % of the Estimated value	15 days
8	Annual Repair to E.I in the P9, P10, P11, P12 Judicial Qtr of Judicial Colony Dhanbad.	2,35,524.00	500.00	2 % of the Estimated value	15 days
9	S.I.T.C of Chemical earthling for existing lighting conductor in different building of Civil Court at Hazaribagh.	4,05,426.00	750.00	2 % of the Estimated value	15 days
10	Replacement of garden, gate and security light in the NCD Commissioner residence at Hazaribagh.	6,65,006.00	1250.00	2 % of the Estimated value	20 days
11	Annual repair to E.I and Replacement of service cable and street light in D.C office at Chatra.	7,55,369.00	1250.00	2 % of the Estimated value	20 days

निविदा के नियम एवं शर्ते कार्यालय के सूचना पट एवं वेबसाइट www.jharkhand.gov.in पर देखा जा सकता है।

विद्युत कार्यपालक अभियंता,
विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद।

PR 358294 (Energy) 25-26 (D)

गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, धनबाद में

एक दिवसीय सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यक्रम सीबीपी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

धनबाद, बैंक मोड़ स्थित, गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल धनबाद में एक दिवसीय सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ संसाधन व्यक्ति, सोमेन चटर्जी तथा श्रीमती नेहा सोनकार, प्राचार्य, सुदीप कुमार ठाकुर के कर कमलों से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को प्रभावी माता, पिता की भागीदारी के माध्यम से छात्रों के सीखने और समग्र विकास का समर्थन करने के लिए आवश्यक जानकारी और रणनीतियों से लैस करना है । एकदिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्तियों द्वारा इस विषय पर चर्चा की गई कि शिक्षकों को माता पिता के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने, उनकी चिंताओं को सुनने और उन्हें अपने बच्चों की शिक्षा में सक्रिय रूप से शामिल करने के तरीके सिखाए गए । विद्यालय के प्राचार्य ने वरिष्ठ पत्रकार, आर एन चौरसिया को बताया की माता- पिता की भागीदारी से छात्रों को कई अतिरिक्त लाभ मिल सकते हैं, जिनमें शामिल है बच्चों का बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन , आत्मविश्वास में वृद्धि, सकारात्मक व्यवहार इत्यादि । उन्होंने आगे कहा की यह कार्यशाला माता पिता और शिक्षकों दोनों के लिए . लाभदायक है। यह एक मजबूत साझेदारी बनाने में मदद करेगा, जो छात्रों के सीखने और विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाता है। इस कार्यशाला में 60 से भी अधिक शिक्षकों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

धनबाद विधायक राज सिन्हा को भाजपा विधायक दल के सचेतक बनाए जाने पर भाजपा नेताओं सहित धनबादवासियों ने किया भव्य स्वागत

धनबाद, धनबाद के विधायक राज सिन्हा को झारखंड विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी विधायक दल का सचेतक नियुक्त किए जाने पर धनबाद जिला सहित पूरे कोयलांचल क्षेत्र में हर्ष और उत्सव का माहौल देखने को मिला। ज्ञात हो की जैसे ही यह शुभ सूचना रांची से प्राप्त हुई, भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजनों की भारी भीड़ जगजीवन नगर स्थित विधायक आवासीय कार्यालय पर उमड़ पड़ी। उत्साहित कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर तथा फूल-मालाओं से लादकर विधायक सिन्हा का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारों नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, जेपी नड्डा जिंदाबाद, बाबूलाल मरांडी जिंदाबाद, राज सिन्हा जिंदाबाद के साथ उत्सव को और भी गरिमामय बना दिया।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर अध्यक्ष, श्रवण राय के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सिन्हा को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। यह अभिनंदन समारोह देर रात्रि तक चलता रहा, जिसमें पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा आमजन बड़ी संख्या में शामिल हुए।

इस स्वागत कार्यक्रम में विशेष रूप से जिला महामंत्री धनेश्वर महतो,जिला उपाध्यक्ष, महेश पासवान, विष्णु त्रिपाठी, अजय निषाद जिला मंत्री, नरेंद्र त्रिवेदी, पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, श्रीमती रीता यादव,भाजयुमो जिला अध्यक्ष, नित्यानंद मंडल,भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष, श्रीमती विभा रानी सिंह,एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष, रामजीत भुइयाँ ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष, पुरुषोत्तम रंजन इसके अलावे सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता, स्थानीय नेता एवं नागरिकगण कार्यक्रम में उपस्थित थे । इस अवसर पर धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा की यह दायित्व मेरे लिए केवल सम्मान का विषय नहीं, अपितु उत्तरदायित्व का प्रतीक है।

मैं पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, धनबाद की जनता तथा मेरे सहयोगी कार्यकर्ताओं के प्रति हृदय से आभार प्रकट करता हूँ। मैं सदैव भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा, अनुशासन एवं संगठनात्मक मूल्यों के प्रति निष्ठावान रहकर कार्य करता रहूँगा। विधायक राज सिन्हा ने प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री, अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एव नेता प्रतिपक्ष, बाबूलाल मरांडी, झारखंड प्रभारी, लक्ष्मीकांत वाजपेयी,प्रदेश महामंत्री, कर्मवीर सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री, बी.एल. संतोष सहित सभी शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष, विभा रानी सिंह, एस सी मोर्चा के जिला अध्यक्ष, रामजीत भुइयाँ, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष, पुरुषोत्तम रंजन, मोहन कुंभकार, राजाराम दत्ता, सूरज पासवान, संजय कुशवाहा, हुल्लास, मदन तिवारी,बालमुकुंद राम, रामदेव महतो, रंजय सिंह, गीता सिंह, सोनी सिंह, तमाल राय, रवि सिन्हा, संजित सिंह, डी के सिंह, अमित सिंह, प्रमोद अग्रवाल, निर्मल प्रधान, मौसम सिंह, अरुण सिंह, शिवेंद्र सिंह, निरज सिन्हा, मुकेश सिंह, संतोष सिंह, श्याम वर्मा, विकास सिन्हा, डिम्पु लाला, अभिषेक श्रीवास्तव, विजय रजक, उमेश सिंह, उदय सिंह, मेघनाथ वर्मा, शीशम राउत, अखिलेश झा, दीपक गुप्ता, मनोज रिंकू , रौशनी पांडेय, मिथलेश मालाकार, अजय मालाकार, जितेंद्र ममालाकार, अरविंद सिंह , सरोज शुक्ला बृजनंदन शर्मा सहित हजारों लोग मौजूद थे।

जेपीएससी की परीक्षा में धैया निवासी जयप्रकाश चौरसिया के पुत्र राहुल प्रकाश डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित किए गए

धनबाद, धनबाद धैया निवासी जय प्रकाश चौरसिया के पुत्र राहुल प्रकाश ने जेपीएससी की परीक्षा में डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित किए गए। इस परीक्षा में इन्होंने 29 वां रैंक हासिल की है। ज्ञात हो की इनकी प्रारंभिक शिक्षा डीपीएस, धनबाद, एवं आईआईटी, मेसरा,रांची से कंप्यूटर साइंस से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इन्होंने प्राइवेट कंपनी में जॉब करते हुए इस सफलता को हासिल की है। इनके सफलता पर आज पूरा परिवार एवं चौरसिया समाज गौरांवित हैं।

जिला स्तरीय खरीफ कार्यशाला का किया गया आयोजन

धनबाद, जिला कृषि कार्यालय, आत्मा सभागार में आज जिला स्तरीय खरीफ कार्मशाला का आयोजन किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी, अभिषेक मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम में प्रमुख रूप से झारखंड मिलेट मिशन, प्रति बूंद अधिक फसल, टपक सिंचाई योजना, फसल बीमा योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना, पंप सेट की योजना, कृषि यांत्रिकीकरण की उप योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में केवीके के वरीय वैज्ञानिक डॉ० राजीव कुमार, जिला सहकारिता पदाधिकारी, भूमि संरक्षण पदाधिकारी, डीडीएम नाबार्ड, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला प्रक्षेत्र प्रबंधक, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी प्रक्षेत्र, सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक, एफपीओ के सचिव, कृषक पाठशाला के प्रतिनिधि, कृषक मित्र और प्रगतिशील कृषकों ने हिस्सा लिया।

पीसी और पीएनडीटी टीम ने की अशर्फी और आम्रपाली हॉस्पिटल की जांच

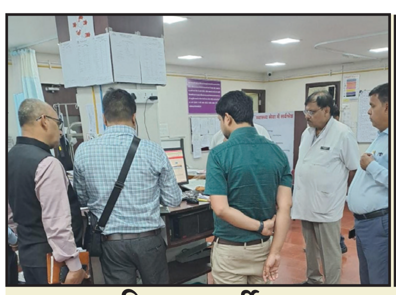

धनबाद स्थित,अशर्फी हॉस्पिटल में मिली कई खामियां

बिना रजिस्ट्रेशन चल रहा था आम्रपाली हॉस्पिटल

धनबाद, धनबाद के सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा के नेतृत्व में आज पीसी एंड पीएनडीटी टीम ने अशर्फी हॉस्पिटल तथा अम्रपाली सिटी हॉस्पिटल की गहनता के साथ जांच की।

सिविल सर्जन ने बताया कि यह रूटीन जांच थी। जांच के दौरान अशर्फी हॉस्पिटल के रसोई घर के रखरखाव में त्रुटि मिली। मरीजों को दिए जाने वाले भोजन में भी अनियमितता मिली। वहीं क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के अंतर्गत रिसेप्शन एरिया में अस्पताल के रजिस्ट्रेशन से संबंधित कोई डिस्प्ले नहीं था। फायर एनओसी भी प्रदर्शित नहीं था। रिसेप्शन काउंटर में बेड चार्ज का लिस्ट रखना जरूरी है, परंतु वह भी नदारत था। इसके बाद टीम ने आम्रपाली सिटी हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। यहां भारी अनियमितता देखने को मिली। आम्रपाली सिटी हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन फेल था। जबकि वहां बिना किसी डॉक्टर के एक मरीज का इलाज चल रहा था।

सिविल सर्जन ने बताया कि आम्रपाली सिटी हॉस्पिटल में डॉ० एस.के. दास का फोटो लगा था। जब उनसे फोन कर पूछा गया तो उन्होंने बताया कि वे इस अस्पताल में नहीं जाते हैं।

उन्होंने बताया कि बिना रजिस्ट्रेशन अस्पताल चलाने पर भारी जुर्माना का प्रावधान है। इसका आकलन कर आम्रपाली सिटी हॉस्पिटल से जुर्माना वसूला जाएगा।

जांच टीम में सिविल सर्जन डॉ० आलोक विश्वकर्मा, डॉ० विकास कुमार राणा, कार्यपालक दंडाधिकारी, नारायण राम, फूड सेफ्टी ऑफिसर राजा कुमार, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के डॉ० राकेश इंदर, रत्नेश श्रीवास्तव, डॉ० मंजु दास, रेडियोलॉजिस्ट डॉ० शम्स तबरेज, श्रीमती निता सिन्हा, श्रीमती पूजा रत्नाकर शामिल थे।

जोगता थाना क्षेत्र में बड़ी वारदात की साजिश नाकाम पिस्टल व कारतूस के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

धनबाद : जिले के जोगता थाना क्षेत्र में बीती रात पुलिस ने एक बड़ी आपराधिक साजिश को नाकाम करते हुए एक शातिर अपराधी को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। वरीय पुलिस पदाधिकारी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं और रात्रि के समय मोटरसाइकिल से भ्रमण कर रहे हैं। इसी के आलोक में पुलिस ने पुराना श्याम बाजार स्थित सीआईएसएफ कैंप के पास चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान एक सफेद रंग की टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल (पंजीयन संख्या JH10CZ 6099) पर सवार एक संदिग्ध को रोका गया। तलाशी के दौरान पुलिस को उसके पास से एक देशी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए, जिनके पेंदे पर "KF 7.65" अंकित था। गिरफ्तार युवक की पहचान रोशन कुमार उर्फ रोशन भारती (उम्र लगभग 28 वर्ष), पिता - रामचंद्र भुइयाँ उर्फ राजकुमार भारती, निवासी - सिजुआ 10 नंबर मोड़, थाना - जोगता, जिला - धनबाद के रूप में की गई है। पूछताछ में रोशन ने अपने अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी दी है, जिसके आधार पर पुलिस द्वारा छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि वारदात को अंजाम देने के लिए वह अपने सहयोगियों के साथ सक्रिय रूप से योजना बना रहा था।

बरामद सामान

एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस (KF 7.65 अंकित) टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल (JH10CZ 6099)

आपराधिक इतिहास

गिरफ्तार अभियुक्त रोशन भारती का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। जोगता थाना कांड संख्या 01/2018 (धारा 452, 386, 387, 427, 323, 504, 506, 34 भा.दं.वि.) जोगता थाना कांड संख्या 03/2025 (धारा 191(2), 191(3), 109, 126(2), 115(2), 352, 351(3) BNS एवं 27 आर्म्स एक्ट) पुलिस के अनुसार, यह गिरफ्तारी एक बड़ी आपराधिक घटना को समय रहते रोकने में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है तथा अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान जारी है।

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री से मिली झरिया विधायक, धनबाद से वेल्लोर तथा नई दिल्ली के लिए विशेष ट्रेन चलाने का किया आग्रह

धनबाद । झरिया विधायक रागिनी सिंह ने शनिवार को केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना से मुलाकात की। विधायक ने धनबाद से वेल्लोर (चिकित्सा के लिए) एवं नई दिल्ली (शैक्षणिक व व्यावसायिक कारणों हेतु) के लिए विशेष ट्रेन संचालित करने, धनबाद स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों में बोर्डिंग कोटा बढ़ाने की मांग की। विधायक रागिनी ने रेल राज्य मंत्री को बताया कि धनबाद एक प्रमुख औद्योगिक और शैक्षणिक केंद्र है। यहां से बड़ी संख्या में छात्र, मरीज और व्यवसायी वेल्लोर एवं दिल्ली की यात्रा करते हैं।

वर्तमान में ट्रेनों की सीमित उपलब्धता के कारण उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

प्रमुख मांगे : विधायक ने गंभीर रोगियों एवं उनके परिजनों हेतु वेल्लोर के लिए विशेष ट्रेन की व्यवस्था करने, छात्रों एवं आम नागरिकों की सुविधा हेतु धनबाद से नई दिल्ली के लिए एक साप्ताहिक विशेष ट्रेन और धनबाद से दिल्ली के लिए वंदे भारत ट्रेन का परिचालन करने, स्थानीय यात्रियों को आसानी से टिकट से प्राप्त करने हेतु धनबाद से गुजरने वाली प्रमुख ट्रेनों में बोर्डिंग कोटा बढ़ाने का आग्रह किया। विधायक रागिनी ने कहा कि भारत सरकार उक्त सभी जनहितकारी मांग पर सकारात्मक विचार कर धनबादवासियों को शीघ्र राहत देगी।

प्रयास इंडिया शिक्षण केंद्र खोलने को लेकर अंचल अधिकारी बलियापुर को सौंपा गया ज्ञापन

बलियापुर/सिंदरी, 26 जुलाईः परसबनियाँ पंचायत स्थित न्यू प्राथमिक विद्यालय, चिटाही में प्रयास इंडिया द्वारा नया शिक्षण केंद्र खोलने के प्रस्ताव को लेकर बलियापुर के अंचल अधिकारी श्री प्रवीण कुमार सिंह को एक ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन बीआईटी सिंदरी के सहायक प्राध्यापक डॉ. राहुल कुमार एवं प्रयास इंडिया के सचिव श्री गणेश कुमार शर्मा ने संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया। ज्ञात हो कि प्रयास इंडिया बीआईटी सिंदरी के छात्रों द्वारा संचालित एक सामाजिक संस्था है, जो सिंदरी क्षेत्र में वंचित और जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। संस्था वर्तमान में कई स्थानों पर निःशुल्क शिक्षण केंद्र चला रही है, जिससे सैकड़ों बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। ज्ञापन में बताया गया कि संस्था चिटाही बस्ती के बच्चों के लिए भी एक नया केंद्र खोलना चाहती है, लेकिन विद्यालय की स्थिति अत्यंत जर्जर है। विद्यालय में न तो चहारदिवारी है, न शौचालय की समुचित व्यवस्था और न ही बिजली की सुविधा उपलब्ध है। इन कमियों के कारण विशेषकर बालिकाओं को असुविधा होती है और संध्या कालीन कक्षाओं का संचालन भी कठिन हो जाता है। इस पर अंचल अधिकारी श्री प्रवीण कुमार सिंह ने आश्वस्त किया कि विद्यालय की समस्याओं के समाधानकेलिएशीघ्रहीआवश्यककदमउठाएजाएंगे। उन्होंने बताया कि आवेदन को उपायुक्त, धनबाद को अग्रेषित कर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि वे स्वयं उपायुक्त महोदय से मिलकर विद्यालय में चहारदिवारी, शौचालय एवं बिजली की व्यवस्था कराई जाएगी और प्रयास इंडिया केंद्र का उद्घाटन जल्द से जल्द कराया जाएगा ताकि चिटाही बस्ती के बच्चों को बेहतर शिक्षा का अवसर मिल सके। अंचल अधिकारी ने प्रयास इंडिया के इस तरह के सकारात्मक प्रयासों की सराहना भी की है।

टुंडी के विधायक मथुरा महतो ने मूंगफली बीज वितरण का किया शुभारंभ

धनबाद, टुंडी के विधायक, मथुरा प्रसाद महतो ने आज पश्चिमी टुंडी के जाताखूटी पंचायत भवन में बिरसा फसल विस्तार योजना अंतर्गत 100% अनुदान पर किसानों के बीच मूंगफली बीज वितरण का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर विधायक ने कहा कि टुंडी के किसान कृषि पर आश्रित है। उन्होंने किसानों को सभी सरकारी योजनाओं से अच्छादित करने का अनुरोध किया। इस अवसर पर लगभग 64 किसानों के बीच मूंगफली बीज का वितरण किया गया।

मौके पर प्रखंड प्रमुख मालती मरांडी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, विशाल कुमार पांडेय, एटीएम, संतोष सिंह, बसंत महतो, आनंद महतो, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, एटीएम, कृषक मित्र सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सहायक आयुक्त उत्पाद ने दी नई उत्पाद नीति की विस्तृत जानकारी

धनबाद, सहायक आयुक्त उत्पाद, रामलीला रवानी ने आज समाहरणालय के सभागार में 1 सितंबर 2025 से प्रस्तावित नई उत्पाद नीति के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान पुराने लाइसेंस धारी एवं नया लाइसेंस लेने को इच्छुक लोगों को नई उत्पाद नीति में पंजीकरण करने की प्रक्रिया की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। जिसमें अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट, आवेदन की फीस, आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले विभिन्न प्रपत्र इत्यादि की जानकारी दी गई। मौके पर उत्पाद निरीक्षक, जमन कुजूर व कुमार सत्येंद्र, सब इंस्पेक्टर, अमित कुमार गुप्ता व कुलदीप कुमार के अलावा पुराने लाइसेंस धारी एवं नया लाइसेंस लेने को इच्छुक लोग मौजूद थे।

धनबाद विधायक राज सिन्हा द्वारा क्षेत्रीय जनसमस्याओं के निराकरण हेतु की गई पहल

धनबाद, विधायक राज सिन्हा ने आज पी.बी. क्षेत्र अंतर्गत पुटकी में क्षेत्रीय महाप्रबंधक धर्मेंद्र कुमार मित्तल से मुलाक़ात की। इस अवसर पर क्षेत्र में व्याप्त विभिन्न मूलभूत समस्याओं, जैसे जलापूर्ति, सड़क मरम्मत, विद्युत व्यवस्था, स्वच्छता, धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण, तथा स्थानीय निवासियों के नियोजन से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

विधायक श्री सिन्हा ने संबंधित अधिकारियों के समक्ष निम्नलिखित प्रमुख मांगें रखीं, जिसमें जल आपूर्ति व्यवस्था का सुधार,पुटकी पीट से श्रीनगर कॉलोनी तक पाइपलाइन के माध्यम से पीट वाटर की आपूर्ति सुनिश्चित करना, साथ ही ऊपर धौड़ा जल संचिका में भी 6/4 इंच पाइप से जलापूर्ति की व्यवस्था करना,आवासीय कॉलोनियों का पुनरुद्धार, पुटकी ए टाइप श्रमिक कॉलोनी, श्रीनगर कॉलोनी एवं दुर्गा मंदिर स्टाफ कॉलोनी के जर्जर आवासों और शौचालयों की मरम्मत कराना, नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करना,धार्मिक स्थलों का संरक्षण व सौंदर्यीकरण करना,10/12 पीठ के पास स्थित बजरंगबली मंदिर और बरारी कोल प्लांट के समीप स्थित शिव मंदिर का सौंदर्यीकरण कार्य शीघ्र प्रारंभ करना,विद्युत व्यवस्था में सुधार,बरारी कोल प्लांट के ट्रांसफार्मर रूम में वर्षों से खराब पड़े स्विच को तत्काल बदलना, स्थानीय विकास कार्य केंदुआडी हिंदी भवन के निकट दुर्गा मंदिर की चारदीवारी और नाली निर्माण कराना, साथ ही पुटकी प्रेम नगर के समीप स्थित तालाब का सौंदर्यीकरण सीएसआर मद से कराना,दिवंगत कर्मचारी गंगिया देवी की आश्रिता पुत्रवधू श्रीमती सोनी देवी के नियोजन से संबंधित संचिका को कोयलानगर मुख्यालय शीघ्र भेजा जाना,सेवा-निवृत्त कर्मचारी रामकृपाल कुर्मी की ग्रेच्युटी राशि का भुगतान शीघ्र सुनिश्चित करना आदि शामिल हैं।

बैठक में महाप्रबंधक,मित्तल,उपमहाप्रबंधक, आरके शर्मा सहित अन्य अधिकारी अमित बेग द्वारा सकारात्मक रुख अपनाते हुए सभी बिंदुओं पर यथासंभव त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया । उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी प्रदान किए गए।विधायक, राज सिन्हा ने कहा,जनहित के मुद्दों पर कोई भी कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी। धनबाद विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। जनता की सेवा ही हमारा संकल्प है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता तथा ग्रामीण उपस्थित थे। जिनमें हीरालाल पासी, महेंद्र प्रसाद, राहुल बनर्जी, मनोज पासवान, राजेश गुप्ता, परमेश्वर महतो, रंजय सिंह, सदानंद बर्नवाल, शिवनंदन पासवान एवं उदय कुमार यादव प्रमुख रूप से शामिल थे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।